



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २८] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई १०, १९७६ (आषाढ १९, १८९८)

No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 10, 1976 (ASADHA 19, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004 दिनांक 10 जुलाई 1976

नं० 23/3/76-सी० पी० आई०---मई, 1976 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960-100) अप्रैल, 1976 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 290 (दो सौ नब्बे) रहा। मई, 1976 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 352 (तीन सौ बावन) आता है।

सु० कुमार रे०
उपनिदेशक

पर्यटन और नगर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून, 1976

सं० ई० (1) 04348—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में पार्वसायिक सहायक श्री डी० आर० मलिक को 7-5-1976 के पूर्वाह्न से 3-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मलिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ, वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

146GI/76

दिनांक 11 जून, 1976

सं० ई० (1) 04210—निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक मौसम विर्झ श्री जे० के० साने निवर्तन की आयू पर पहुंचने पर 31 मई, 1976 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 05868—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री चन्द्र प्रकाश को 20-5-76 के पूर्वाह्न से 16-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चन्द्र प्रकाश, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06059—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एस० सी० गुप्ता को 18-5-1976 के पूर्वाह्न से 14-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ, वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

(5849)

सं० ई० (1) 04296—वेधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एन० सेन को 10-5-1976 के पूर्वाह्न से 6-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० सेन, स्थानापन्न मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 15 जून, 1976

सं० ई० (1) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एम० डी० कुंद्रा को 3-6-1976 के पूर्वाह्न से 30-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुंद्रा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 16 जून 1976

सं० ई०—(1) 04287—वेधशालाओं के महानिदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास में व्यावसायिक सहायक श्री बी० सुन्दरेशा राव जिन्हें इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई० (1) 04287, दिनांक 29-3-1976 द्वारा 9-4-76 तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, 10-4-76 के पूर्वाह्न से आगे 24-4-76 तक 15 दिन की और अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सुन्दरेशा, राव, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04381—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री बी० जी० लेले को 21-5-76 के पूर्वाह्न से 17-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री लेले, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 07161—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री ओंकारी प्रसाद को 10-5-76 के पूर्वाह्न से 6-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओंकारी प्रसाद, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 17 जून 1976

सं० ई० (1) 05481—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप महानिदेशक, (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० भान को 27-5-1976

के पूर्वाह्न से 23-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भान, वेधशालाओं के उप महानिदेशक, (उपकरण) नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04264—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री अर्णीष घोष को 21-5-76 के पूर्वाह्न से 17-8-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री अर्णीष घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणिषन्,

मौसम विज्ञ

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1976

सं० ए०-31011/1/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उन के नामों के सामने दिखाई तारीखों से नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी बे: ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तारीख			
			(1)	(2)	(3)
1.	श्री एस० सी० मजूमदार	27-3-64			
2.	श्री के० बी० एन० मूर्ती	27-3-64			
3.	श्री आर० एस० गोयल	12-3-65			
4.	श्री एम० एस० कृष्णन	31-8-70			
5.	श्री सुश्रावा कुमार दास	3-7-73			
6.	श्री ए० नरेन्द्र नाथ	3-7-73			
7.	श्री बी० एस० ग्रेवाल	3-7-73			
8.	श्री सी० आर० नरसिंहम्	3-7-73			
9.	श्री बी० आर० चतुर्वेदी	1-10-73			
10.	श्री श्री० सी० अरोग्येन्द्र	1-10-73			
11.	श्री जे० के० भट्टाचार्य	1-10-73			
12.	श्री सी० बी० बेंकटेशन	1-10-73			
13.	श्री बी० एस० धून्ता	1-10-73			
14.	श्री एस० बी० अश्वर	1-10-73			
15.	श्री आर० एस० अजमानी	16-6-74			
16.	श्री के० रामलिंगम	16-6-74			
17.	श्री एस० रामचन्द्रन	16-6-74			
18.	श्री एच० बी० सुदर्शन	6-9-74			
19.	श्री एस० के० चन्द्र	6-9-74			
20.	श्री सुरेश चन्द्र	6-9-74			
21.	श्री जी० बी० कोशी	6-9-74			

(1)	(2)	(3)
22.	श्री ए० के० मिश्रा	6-9-74
23.	श्री पी० आर० सुर्यनंदन	6-9-74
24.	श्री के० वी० राव	21-11-74
25.	श्री एन० के० नानू	21-11-74
26.	श्री ए० रामानाथन	21-11-74
27.	श्री डी० सी० महता	3-10-75
28.	श्री वी० के० बाबू	3-10-75

१०० ल० कोहली
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1976

सं० ४०-३२०१३/१७/७५-ई० सी०—इस विभाग के तारीख २७-२-१९७६ की अधिसूचना संख्या ए-३२०१३/१७/७५-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री पी० एल० भार्गव, सहायक निदेशक-संचार की लेत्रीय नियन्त्रक संचार, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त की। अवधि १-४-१९७६ से ३० जून, १९७६ तक है।

ए०-३२०१४/२/७६-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो कर्मचारियों को तदर्थ आधार पर प्रत्येक के सामने दिखाई तारीख से क्रमशः सहायक तकनीकी अधिकारी तथा सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास में सर्वश्री वी० श्रीनिवासन मद्रायक तकनीकी अधिकारी तथा एस० कृष्णास्वामी, सहायक अधिकारी के स्थान पर नियुक्त किया है जिन्हें अंजित प्रदान की गई है।

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	पदभार प्रहण की तारीख
	श्री टी० विश्वेश्वर, तकनीकी सहायक	26-४-१९७६ (पूर्वाह्न)
	श्री एस० सुश्रहमायन, संचार सहायक	26-४-१९७६ (पूर्वाह्न)

हरवंसलाल कोहली, उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1976

सं० ४०-३२०१३/८/७५-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री पी० आर० चन्द्रशेखर को २३ सितम्बर, १९७५ से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक अनुसंधान एवं विकास के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1976

सं० ४०-३२०१३/१७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो कर्मचारियों को, जो कि इस समय क्रमशः वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/सहायक निदेशक संचार के पद पर कार्य कर रहे हैं, नियमित आधार पर तथा अगले आदेश होने तक प्रत्येक के — दिए गए व्यारे अनुसार उपनिदेशक/नियन्त्रक संचार के — नियुक्त किया है : —

क्रम सं०	नाम तथा	तैनाती की तारीख	तैनाती स्थेशन
(1)	(2)	(3)	(4)
१.	श्री एस० सी० मजूम- दार, वरिष्ठ तकनीकी (पूर्वाह्न)	7-५-७६	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।
२.	श्री आर० एस० गोपला सहायक निदेशक (पूर्वाह्न) (संचार)	28-४-७६	नागर विमान महानिदेशालय, नई दिल्ली।

२. राष्ट्रपति ने श्री के० वी० एन० मूर्ती, सहायक निदेशक संचार को जो इस समय य० एस० ५० में य० एन० डी० पी० के कार्य पर तैनात है, २८-४-७६ (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर उपनिदेशक संचार/नियन्त्रक संचार के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है।

विश्व विनोद जोहरी, सहायक निदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 7 जून 1976

सं० १/९८/७६-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एकद्वारा नई दिल्ली शाखा तकनीकी सहायक, श्री जी० एस० चट्टवाल को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान पर १२ अप्रैल, १९७६ के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसीं शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एस० एस० कृष्णास्वामी, प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 8 जून 1976

सं० १/४०५/७६-स्था०—मद्रास शाखा के स्थायी अधीक्षक, श्री एस० एस० मणि को १ली मई, १९७६ के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक वि० प्र० अनुभाग, पुणे में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

सं० १/४०८/७६-स्था०—श्री के० जे० खशा को १ ली मई, १९७६ के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक वि० स० सेवा, स्वर्चिंग समूह, बम्बई में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पू० ग० दामले, महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

तथा

संसामा शुल्क समाहतालय

कलकत्ता, दिनांक मई 1976

सं० 16/75—श्री एन० रय जांच पड़ताल अधिकारी (वरित्र ग्रेड) की पदोन्नति दिनांक 12-11-74 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न मूल्य निरूपक के रूप में की गई है।

सं० 17/75—श्री ए० क० विश्वास जांच पड़ताल अधिकारी की पदोन्नति दिनांक 25-1-1975 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न मूल्य निरूपक के रूप में की गई है।

सं० 18/75—श्री ए० सि० रय चौधूरी जांच पड़ताल अधिकारी की पदोन्नति दिनांक 25-1-75 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न मूल्य निरूपक के रूप में की गई है।

सं० 19/75—श्री जे० एन० भट्टाचार्य जांच पड़ताल अधिकारी की पदोन्नति 25-1-75 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न मूल्य निरूपक के रूप में की गई है।

सं० 20/75—श्री जि० सि० डे जांच पड़ताल अधिकारी की पदोन्नति 25-1-75 (पूर्वाह्नि) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न मूल्य निरूपक के रूप में की गई है।

सं० 21/75—श्री सुनिल चन्द्र रोहतगी को अगले आदेश जारी होने तक 1-4-75 (पूर्वाह्नि) से परखाधीन आधार पर सीधी भर्ती मूल्य निरूपक के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० 22/75—श्री अजित कुमार मंडल रसायन सहायक ग्रेड 1 को अगले आदेश जारी होने तक 2-4-75 (पूर्वाह्नि) से परखाधीन आधार पर सीधी भर्ती मूल्य निरूपक के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० 23/75—श्री डि० सरकार जांच पड़ताल अधिकारी (वरित्र ग्रेड) की पदोन्नति अगले आदेश जारी होने तक 5-4-1975 (पूर्वाह्नि) से स्थानापन्न मूल्य निरूपक के रूप में की गई है।

सं० 24/75—श्री पि० के० चक्रवर्ती॑-१ मूल्य निरूपक 2-2-75 (अपराह्नि) से सेवा निवृत्त हुए हैं।

सं० 25/75—श्री ए० सि० रेखावानी, मूल्य निरूपक 31-1-75 (अपराह्नि) से सेवा निवृत्त हुए हैं।

सं० 26/75—श्री देव कुमार दस को अगले आदेश जारी होने तक 9-6-75 (पूर्वाह्नि) से सीधी भर्ती मूल्य निरूपक (अध्यक्ष) के रूप में परखाधीन आधार पर नियुक्त किया गया है।

सं० 27/75—श्री सरोज कुमार पाल को अगले आदेश जारी होने तक 31-5-75 (पूर्वाह्नि) से सीधी भर्ती मूल्य निरूपक के रूप में परखाधीन आधार पर नियुक्त किया गया है।

सि० एन० लाल, शुल्क समाहता

नागपुर-440001, दिनांक 10 जून 1976

सं० 7—श्री श्र० के० खान नागपुर समाहता क्षेत्र के भूतपूर्व अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II ने उनके स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II के पद पर प्रति स्थापित होने पर दिनांक 23 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्नि में अधीक्षक (साञ्चिकी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 8—श्री एम० एस० नारे कायलिय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने उनके स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 6 मई, 1976 के अपराह्नि में प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग अमराष्ट्री का कार्यभार संभाल लिया।

मनर्जित सिंह बिन्द्रा, समाहता

नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली-१ 10048, दिनांक 9 जून 1976

सं० 19/20/73-न० ज० वि० न्या०—केरला उच्च न्यायालय से सेवा निवृत्त होने पर श्री एम० के० कृष्णनन ने नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण में सदस्य के व्यक्तिगत सचिव का पद भार 1 मई, 1976 के पूर्वाह्नि से त्याग दिया।

2. केरला उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्त अनुभाग अधिकारी श्री एम० के० कृष्णनन को 1 मई, 1976 के पूर्वाह्नि से, अग्रिम आदेश होने तक, नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण में सदस्य के व्यक्तिगत सचिव के पद पर पुनर्नियुक्त किया जाता है और उन्होंने पद भार संभाल लिया।

प्रीति रंजन बोस, सचिव

प्रमुख इंजीनियर कायलिय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1976

सं० 30/7/75-ई० सि० १—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल और विश्वृत) को जो 1971 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर केन्द्रीय-लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी I और केन्द्रीय विश्वृत इंजीनियरी सेवा श्रेणी I में परिवीक्षाधीन नियुक्त हुए थे, उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर स्थायी घोषित करते हैं:—

नाम	ग्रेड और	तिथि
-----	----------	------

1. श्री अनिलकुमार—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — १०-१०-७४

2. श्री जे० एल० खुश—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — २८-१२-१९७४

3. श्री आर० सुब्रह्मण्यन—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — १०-७४

4. श्री बी० थिल्वेगदम—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 9-11-74
5. श्री एस० के० धवन—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 9-10-74
6. श्री के० के० मुतरेजा—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 9-10-74
7. श्री एस० एस० जसरोतिया—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 30-10-74
8. श्री ए० के० भट्टाचार्य—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 27-1-75
9. ए० के० सरीन—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 9-10-74
10. श्री जी० एस० मेहता—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 9-10-74
11. श्री वसुदेव नैनानी—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 9-10-74
12. श्री एच० के० श्रीवास्तव—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 14-11-74 (अपराह्न)
13. श्री देवदत्त होरे—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) — 18-12-74
14. श्री एन० नागराजन-१—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) — 25-11-74
15. श्री मोहन स्वरूप—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) — 21-11-74
16. श्री ए० के० गोयल—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) — 1-12-74
17. श्री जे० बी० फाड़िया—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) — 21-11-74
18. श्री बी० के० कपूर—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) — 21-11-74
19. श्री के० के० शर्मा—सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) — 21-11-74

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप-निदेशक (१)

केन्द्रीय विद्यूत् प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1976

सं० 6/2/76-प्रशासन-२—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यूत् प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायक/पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्यूत् इंजीनियरी श्रेणी-२ सेवा के अतिरिक्त

सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, अन्य आवेदन जारी होने तक उनके नामों के आगे दिखाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एम० आर० भट्टौ—27-3-76
2. श्री सतीश कुमार-१—23-4-76
3. श्री कुलदीप सिंह-१—21-4-76
4. श्री आर० सी० गुप्ता—17-5-76
5. श्री एस० के० वेद—25-5-76
6. श्री आर० के० निशावन—25-5-76
7. श्री विनोद जे० आर०—25-5-76
8. श्री रमेश बहरी—25-5-76
9. श्री आर० के० कच्छु—25-5-76

एस० विश्वास
प्रब्रह्म सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नयी दिल्ली, दिनांक 15 जून 1976

सड़क उपयोगकर्त्ताओं को चेतावनी

सं० 74/आर० ई०/161/१—सर्वसाधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे के माल परिवार्य लाइन खण्ड के रास्ते गाजियाबाद (छोड़कर) से नयी दिल्ली सहित तक (संरचना संख्या किलो मीटर 18/29 एवं 24 से किलोमीटर 1539/8-11 तक) के खण्ड में 25 किलोवाट ए० सी० बिजली कर्णण चालू करने के सिलसिले में सभी समपारों पर उंचाई के आमान लगाये गये हैं जिनकी सड़क के स्तर से स्पष्ट उंचाई 4.67 मीटर (15 फूट 4 इच्च) है, ताकि अत्यधिक उंचाई के लोड्स को बिजली युक्त कर्णण तारों के संपर्क में आने अथवा इतना समीप आने से रोका जा सके, जिससे कोई खतरा हो। जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए ऊपर निर्दिष्ट उंचाई का ध्यान रखा जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि सड़क वाहनों में ढोया जाने वाला भार किसी भी स्थिति में उंचाई-गेज का उल्लंघन न करे।

अत्यधिक उंचाई वाले सदान में निम्नलिखित खतरे निहित हैं :—

1. उंचाई-गेज उखाड़ फेका जायगा जिससे सड़क तथा रेलवे साइन पर रुकावट हो जायेगी।
2. ढोया जाने वाला सामान या उपकरण (या स्वरूप वाहन भी) क्षतिग्रस्त हो सकता है।
3. बिजलीयुक्त कंडक्टरों के साथ छू जाने या खतरे की परिधि में आ जाने के कारण आग लग सकती है जिससे जीवन को खतरा हो सकता है।

अमृत लाल गुप्ता
सचिव, रेलवे बोर्ड

मध्य रेल

बम्बई-वी०टी, दिनांक 25 मई 1976

सं० एच० पी० बी०/२२०/बी०/दो०/उडल्यू—सिविल इंजीनियरी विभाग के स्थानापन्न अधिकारी श्रेणी दो के श्री एच० एस० बाजपेयी को उसी विभाग में सहायक इंजीनियर श्रेणी दो के रूप में दिं० 1-2-1976 से स्थायी किया गया है।

दिनांक 10 जून 1976

सं० एच० पी० बी०/२२०/जी०/दो०/एस०—नि मन्त्रिलिखित अधिकारियों का उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से इस रेलवे के भंडार विभाग की श्रेणी-दो सेवा में स्थायी किया गया है :—

अधिकारी का नाम	स्थायीकरण तारीख
1. श्री के० एस० राव	16-8-1973
2. श्री एस० के० खण्डेकर	2-8-1974
3. श्री एम० एस० केलकर	1-11-1974
4. श्री एल० ए० कोरलाहूली	8-7-1975
5. श्री एस० जे० एंड्र्यूज	8-7-1975

सं० एच० पी० बी०/२२०/जी०/एच०—निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से भारतीय रेल चिकित्सा सेवा की श्रेणी-2 में स्थायी किया गया है :—

नाम	स्थायीकरण तारीख
(1)	(2)
1. डा० एच० जी० श्रीवास्तवा	1-1-66
2. डा० के० आर० घोषपकर	1-1-66
3. डा० बी० आर० बकाने	1-1-66
4. डा० एच० सी० बनर्जी	1-1-66
5. डा० बी० सी० गायन	1-1-66
6. डा० आर० एम० अश्वर	1-1-66
7. डा० राय	1-1-66
8. डा० श्र० घोष	1-1-66
9. डा० के० एस० ठक्कर	1-1-66
10. डा० एस० के० पाल	1-1-66
11. डा० (श्रीमती) बी० चक्रवर्ती	1-1-66
12. डा० के० डी० चट्टोपद्धाय	1-1-66
13. डा० (श्रीमती) आशा कपूरिया	1-1-66
14. डा० आर० निगम	1-1-66

(1) (2)

15. डा० एम० एस० उगाले	1-1-66
16. डा० पी० के० विश्वास	1-1-66
17. डा० के० एन० मलिक	1-1-66
18. डा० पी० के० पाईंते	1-1-66
19. डा० जे० बी० अध्या	1-1-66
20. डा० डी० के० दसा	1-1-66
21. डा० बी० सी० बालोमजुमदार	1-1-66
22. डा० पी० के० पाल	1-1-66
23. डा० के० पी० घोष	1-1-66
24. डा० एस० सी० अधिकारी	1-1-66
25. डा० एम० एन० अबसर	1-1-66
26. डा० एच० के० आचार्य	1-1-66
27. डा० पी० सी० मुकरजी	1-1-66
28. डा० ए० सी० जोहरी	1-1-66
29. डा० जी० के० आडवानी	1-1-66
30. डा० सी० एल० मेहरा	1-1-66
31. डा० एम० ए० अनसारी	1-1-66
32. डा० एस० पी० राय	1-1-66
33. डा० एस० जी० श्रीखड़े	1-1-66
34. डा० पी० के० मलिक	1-1-66
35. डा० पी० बी० चौधरी	1-1-66
36. डा० एस० बी० घोष	1-1-66
37. डा० एस० एम० औमिक	1-1-66
38. डा० बी० डी० पलोद	1-1-66
39. डा० एल० एम० शर्मा	1-1-66
40. डा० (मिस) ए० राजामणि	1-1-66
41. डा० डी० पी० सिन्हा	1-1-66
42. डा० के० के० गुरु	1-1-66
43. डा० टी० एम० शाह	1-1-66
44. डा० जी० टी० अहुजा	1-1-66
45. डा० बी० के० विश्वास	1-1-66
46. डा० बी० बी० पुरी	1-1-66
47. डा० (श्रीमती) ए० के० पारीख	1-1-66
48. डा० श्र० के० शाहिंस्थ	1-1-66
49. डा० बी० एस० पनवर	1-1-66
50. डा० एन० के० भाजुमदार	1-1-66
51. डा० जी० बी० घोड़के	1-1-66
52. डा० डी० एन० उपासनी	1-1-66
53. डा० एम० बी० बाईकर	1-1-66
54. डा० एस० एन० पाल	1-1-66
55. डा० बी० एस० विरहा	1-1-66
56. डा० (श्रीमती) एफ० एल० ठाकुर	1-1-66
57. डा० (श्रीमती) के० आर० शाने	1-1-66
58. डा० एस० पी० क्षीरसागर	1-1-66
59. डा० आर० एस० दाने	1-1-66

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
60.	डा० पी० श्री० जैन	1-1-66	105.	डा० आर० के० जयसवाल	1-1-66
61.	डा० बी० क्षी० रामटेके	1-1-66	106.	डा० पी० श्री० खुलबे	1-1-66
62.	डा० एम० एस० बड़ालकर	1-1-66	107.	डा० ऐ० पी० गुप्ता	1-1-66
63.	डा० क्षी० जी० जोगलेकर	1-1-66	108.	डा० ऐ० के० चतुरवेदी	1-1-66
64.	डा० (श्रीमती) के० वी० जोगलेकर	1-1-66	109.	डा० आर० ऐ० खान	1-1-66
65.	डा० एस० बी० संगमनेरकर	1-1-66	110.	डा० डी० बी० जैन	1-1-66
66.	डा० एस० डी० पी० चौधरी	1-1-66	111.	डा० बी० बी० मेणराम	1-1-66
67.	डा० जे० आर० गाहकवाड़	1-1-66	112.	डा० एच० एन० सक्सेरिया	1-1-66
68.	डा० बी० बी० गाडे	1-1-66	113.	डा० एम० श्री० बशिष्ठा	1-1-66
69.	डा० पी० टी० मोहिते	1-1-66	114.	डा० राम कुमार सिंह	1-1-66
70.	डा० पी० ए० कुलकर्णी	1-1-66	115.	डा० आर० के० श्री वास्तवा	15-4-69
71.	डा० क्षी० एन० बापट	1-1-66	116.	डा० (श्रीमती) डी० जे० पारिख	1-7-74
72.	डा० (श्रीमती) हूर मोहन	1-1-66	117.	डा० आर० के० अग्रवाल	23-10-74
73.	डा० आर० डी० महेशकर	1-1-66	118.	डा० रवि प्रकाश	1-11-74
74.	डा० पी० एस० महेश्वरी	1-1-66			
75.	डा० एम० बी० कुलकर्णी	1-1-66			
76.	डा० एन० एफ० गजमे	1-1-66			
77.	डा० (श्रीमती) जे० जी० बलानी	1-1-66			
78.	डा० (श्रीमती) जी० ऐ० कद्दर	1-1-66			
79.	डा० एस० आर० सखा	1-1-66			
80.	डा० चितामनी	1-1-66			
81.	डा० बी० जी० साम्रोजी	1-1-66			
82.	डा० (श्रीमती) पी० एम० राष्ट्र	1-1-66			
83.	डा० श्री० दास गुप्ता	1-1-66			
84.	डा० बी० एम० अग्रवाल	1-1-66			
85.	डा० एल० आर० चंद्रकर	1-1-66			
86.	डा० जे० पी० निगम	1-1-66			
87.	डा० ऐ० पी० जैन	1-1-66			
88.	डा० आर० बी० देशपांडे	1-1-66			
89.	डा० (श्रीमती) के० एन० शास्त्रारकर	1-1-66			
90.	डा० क्षी० के० व्यास	1-1-66			
91.	डा० (श्रीमती) एस० पी० गुप्ता	1-1-66			
92.	डा० एम० डीकास्टा	1-1-66			
93.	डा० के० एस० अर्थकर	1-1-66			
94.	डा० एम० बी० अम्बरडेकर	1-1-66			
95.	डा० डी० सी० दान्तरे	1-1-66			
96.	डा० एस० के० खन्ना	1-1-66			
97.	डा० श्री० एम० कोमलकर	1-1-66			
98.	डा० (श्रीमती) उ० एम० मोकाशी	1-1-66			
99.	डा० एम० एल० बांगडे	1-1-66			
100.	डा० एस० एच० फुलजेले	1-1-66			
101.	डा० शंकरलाल	1-1-66			
102.	डा० एस० एस० पारिख	1-1-66			
103.	डा० पी० के० महता	1-1-66			
104.	डा० पी० बी० जोशी	1-1-66			

कृष्ण चन्द्र, महाप्रबंधक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 8 जून 1976

सं० पी० /जी०/ 14 डी०/2/पार्ट II—निम्नांकित स्थानापन्थ (श्रेणी II) अधिकारियों का पुष्टीकरण इस रेलवे की श्रेणी II सेवा में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से किया जा रहा है :—

साम	पद, जिस पर	पुष्टीकरण की
(1)	(2)	(3)
1. श्री एस० पी० बोस	संकलन अधिकारी	10 अगस्त,
	(श्रेणी II)	1973
2. श्री बी० रामाराव	सहायक लेखा अधि-	1 फरवरी,
	कारी (श्रेणी II)	1975

एम० मेनेजिंग, महा प्रबंधक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1976

सं० 13—परिवहन (यातायात) और वाणिज्य विभाग, उ० २० के० निम्नलिखित अधिकारी अपने नाम के सामने दी गई तारीखों से रेल सेवा से सेवा निवृत्त कर दिये गये हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	सेवा निवृत्त की तारीख
(1)	(2)	(3)
1.	श्री जे० बाजपेयी, सहायक अधीक्षक, कानपुर अधीक्षक, कानपुर।	30-7-75
2.	श्री एच० एल० भल्ला, प्रब्रह वाणिज्य अधिकारी, प्रधान कार्यालय।	31-10-75
3.	श्री जी० सी० अत्ता, स्टेशन अधीक्षक/ नई विल्ली।	31-10-75*
4.	श्री एस० एम० ए० रिजबी, सहायक परिचालन अधीक्षक, लखनऊ।	31-12-75
5.	श्री अम्ब ब्रकाश, सहायक वाणिज्य अधिकारी, (खान पान) प्रधान कार्यालय।	31-1-76
6.	श्री सोहन सिंह, मण्डल परिचालन अधीक्षक बीकानेर।	20-2-76*
7.	श्री टी० एस० सक्सेना, उपमुख्य वाणिज्य अधीक्षक, दाराणसी।	31-3-76
8.	श्री आर० के० चट्ठा, प्रब्रह यातायात अधिकारी (सुरक्षा) प्रधान कार्यालय।	30-4-76*
9.	श्री जी० आर० शोलापुरकर, प्रब्रह वाणिज्य अधिकारी, (निपटान और विक्रय), प्रधान कार्यालय	30-4-76*
*(सेवा निवृत्त होने की तारीख से एक वर्ष के लिये पुन नियुक्ति)		
पी० आर० पुसालकर, महा प्रबन्धक।		

प्रति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

जैपुर 764003, दिनांक 8 जून 1976

सं० पी० 3/1—भारत सरकार के अधिसूचना सं० 6(97)/73-प्रा० एव० III दिनांक 4-8-75 के क्रम में श्री जागीर सिंह के पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन में सहायक अभियंता की तबर्द नियुक्ति को 1-12-75 से 29-12-75 तक बढ़ाया जाता है।

2. विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री जागीर सिंह, जो कि स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता के पद पर सदर्श रूप में 14-3-1973 से काम कर रहे थे, को उपर्युक्त सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, में 30-12-75 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर पदोन्नति किया जाता है। उन्हें उपर्युक्त तारीख से एक वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जाता है।

यह इस कार्यालय के अधिसूचना सं० पी० 3/1 दिनांक 12-1-1976 को निरस्त करता है।

लेफिट० कर्नल एम० पटेलायक,
मुख्य यांत्रिक अभियंता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम 1956 और खूबचन्द एण्ड सन्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में
शिलांग, दिनांक 8 जून 1976

सं० 1051/560/1264—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि खूब चन्द एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आसाम बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में

दिनांक 9 जून, 1976

सं० 641/560/1300—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आसाम बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

एस० पी० बिश्वास, कम्पनी का रजिस्ट्रार,
असम, मेघालय, मणीपुर, निपुरा, नागालैंड,
अस्सीचल प्रदेश व मिजोरम शिलांग

—कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स कर्मनयूल फाईनान्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1976

सं० 560/1614—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स कर्मनयूल फाईनान्सीयर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गयी है।

सं०/५६०/५८४—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती कि, मेसर्स अंबिका शो मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जै० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक,
गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और फाईन टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 16 जून, 1976

सं० २३४६/१०२१८—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा ५६० की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फाईन टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० एम० एम० जै० सहायक रजिस्टर
अैफ कमानीज दिल्ली व हरयाणा

कार्यालय आयकर आयुक्त
नई दिल्ली, दिनांक 14 मई, 1976

आयकर

सं० जुरिं दिल्ली-१/७६-७७/५२९२—आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43वां) की धारा 123 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-१, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-१ में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-२ में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार अंतर्वेदन में पड़ने वाले थेहरों या व्यक्तियों के वर्गों अथवा आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में उच्च अधिनियम के अंतर्गत निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे जो उक्त अनुसूची को कालम-२ में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

अनुसूची

रेज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
(1)	(2)
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-१ए, नई दिल्ली।	१. कम्पनी सर्किल-३, १२, १३ तथा १६, नई दिल्ली। २. स्पेशल सर्किल-३, ४ तथा ४ (अतिस्विक), नई दिल्ली।

(1) (2)
निरीक्षीय सहायक आयकर १. कम्पनी सर्किल-२, ७, १०,
आयुक्त, रेज-१-डी०, नई १४, १५ तथा १९, नई दिल्ली
दिल्ली।

२. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-१-डी०, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना १४-५-७६ से लागू होगी।

सं० जुरिं दिल्ली/१/७६-७७/५१९०—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-१, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि १४-५-७६ से निम्नलिखित आयकर रेज बनाए जाएँगे :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-१-डी०, नई दिल्ली।
अबतार सिंह, आयकर आयुक्त
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक १ मई १९७६।

सं० जुरिं दिल्ली/२/७६-७७/२४४९—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली २ नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-१ में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अधिनियम के अंतर्गत ऐसे थेहरों या ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या ऐसी सभी आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे जो उक्त अनुसूची को कालम-२ में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

अनुसूची

रेज आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

(1) (2)

निरीक्षीय सहायक आयकर डिस्ट्रिक्ट-६(१), ६(२), ६(३)
आयुक्त, रेज २ (बी) नई ६(४), ६(५), ६(६),
दिल्ली ६(७), ६(८), ६(९),
६(१०), वकील सर्किल-१,
वकील सर्किल-२, ट्रस्ट सर्किल
१, ट्रस्ट सर्किल-२, संपदा
शुल्क, तथा आयकर सर्किल
एडिशनल संपदा शुल्क तथा
आयकर सर्किल।

यह अधिसूचना १-५-७६ से लागू होगी।

सं० जुरि०/दिल्ली-2/76-77/2667—इस विषय पर धारा 124 और 127 के अन्तर्गत पिछले सभी आदेशों का अधिकरण करते हुए आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर प्रायुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि इसके साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 में दिए गए डिस्ट्रिक्ट के आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम 3 में उल्लिखित क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इसके अन्तर्गत वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं हैं जो बोर्ड द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों:—

2. किसी आयकर अधिकारी को सौंपी गए क्षेत्र की सीमाओं में उसका अधिकार क्षेत्र निम्नलिखित के बारे में होगा:—

- (क) कारोबार या व्यवसाय चलाने वाला कोई भी ऐसा व्यक्ति जो अपना कारोबार या व्यवस्था किसी ऐसे स्थान पर चला रहा हो जो उस क्षेत्र में स्थित हो या यदि वह अपना कारोबार या व्यवसाय एक से अधिक स्थानों पर चला रहा हो तो उस स्थिति में जबकि उसके कारोबार या व्यवसाय का मुख्य स्थान उस क्षेत्र में स्थित हो; तथा
- (ख) कोई भी अन्य व्यक्ति जो उस क्षेत्र में रह रहा हो।
- (ग) यह अधिसूचना 1-5-1976 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पद नाम	क्षेत्राधिकार
(1)	(2)	(3)
1.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6(1), नई दिल्ली।	(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो निम्नलिखित क्षेत्रों में आते हैं:— वह इलाका जो देशबन्धु गुप्ता रोड और फैज रोड के जंकशन से लेकर पूर्व में फैज रोड से घिरा हुआ है और उसके आगे उत्तर में रानी जांसी रोड तक और उससे आगे उत्तर में पुरानी रोहतक रोड और कैम्प सिनेमा रोड के साथ साथ मिलिटरी रोड के साथ उसके क्रासिंग तक और इसके बाद मिलिटरी रोड के साथ-साथ देशबन्धु गुप्ता रोड के साथ उसके जंकशन तक, और इसके बाद देशबन्धु गुप्ता रोड पर फैज रोड के साथ उसके जंकशन तक, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित क्षेत्र आते हैं:— ईस्ट-पार्क रोड, माडल बस्टी, फैज रोड, शादीपुरा, मानक पुरा, तिबिया कालेज रोड, देशबन्धु गुप्ता मार्किट, प्रहलाद मार्किट, किशनगंज, फाटक, किशन गंज सराय रोहिला आनन्द पर्वत तथा आनन्द पर्वत श्रीद्वयिक क्षेत्र, पुरानी तथा नई रोहतक रोड जिसमें इन्डस्ट्रियल क्षेत्र भी शामिल हैं। यदि 30 अप्रैल, 1976 को पिछली निर्धारित/रिटर्न में दिखाई गई आय 35,000 रु० तथा इससे अधिक हो। (ख) ऊपर मद संख्या (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति। (ग) ऊपर मद संख्या (क) में निर्दिष्ट क्षेत्र के सभी नए निर्धारित। (क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग और मामले या मामलों के वर्ग जो निम्नलिखित क्षेत्र में आते आते हैं:— पूर्व में फैज रोड से—लिक रोड के साथ उसके जंकशन देशबन्धु गुप्ता रोड के साथ उसके क्रासिंग तक घिरे क्षेत्र, उत्तर में फैज रोड के साथ देशबन्धु गुप्ता रोड से लेकर मिलिटरी रोड की क्रासिंग तक, पूर्व में ते
2.	आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6(2), नई दिल्ली।	

(1)

(2)

(3)

रोड के साथ मिलिटरी रोड की क्रासिंग से लेकर आर्य समाज रोड के साथ मिलिटरी रोड के जंकशन तक और दक्षिण में मिलिटरी रोड के साथ आर्य समाज रोड की क्रासिंग से लेकर लिंक रोड के साथ आर्य समाज रोड के जंकशन तक—जिसके अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्र आते हैं :—

अजमलखां रोड तथा आर्य समाज रोड के हिस्से, नाईवाला, छपरवाला, बैंक स्ट्रीट हरध्यान सिंह रोड, गफ्फार मार्किट तथा बीडनपुरा, देवनगर, रेगरपुरा, डब्ल्यू० ई० ए० के हिस्से ।

यदि 30 अप्रैल, 1976 को पिछली निर्धारित/रिटर्न में दिखाई गई आय 35,000 रुपये तथा इससे अधिक हो :—

(ख) ऊपर मद संख्या (क) के अंतर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति ।

(ग) ऊपर मद संख्या (क) में बताए गए क्षेत्रों के सभी नए निर्धारित ।

(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो निम्नलिखित क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं :—

दक्षिण में पूसा रोड से—लिंक रोड के साथ उसके जंकशन से लेकर पटेल रोड के साथ उसकी क्रासिंग तक चिरा हुआ क्षेत्र, पश्चिम में सुपर बाजार रोड के साथ पटेल रोड की क्रासिंग से लेकर आर्य समाज रोड के साथ सुपर बाजार रोड के जंकशन तक और उत्तर में आर्य समाज रोड के साथ सुपर बाजार रोड की क्रासिंग से लेकर लिंक रोड के साथ आर्य समाज रोड के जंकशन तक, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्र, आते हैं :—

चानना मार्किट तथा डब्ल्यू० ई० ए० के हिस्से, अजमल खां रोड, आर्य समाज रोड, सतनगर, रेगरपुरा, देवनगर, बीडनपुरा, बीडनपुरा ।

यदि 30 अप्रैल, 1976 को पिछली निर्धारित/विवरणी में दिखायी गई आय 35,000 रुपये और इससे अधिक हो :

(ख) ऊपर मद संख्या (क) में बताई गई फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति ।

(ग) ऊपर मद (क) में निर्दिष्ट क्षेत्रों के सभी नए निर्धारित ।

(क) ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग तथा मामले या मामलों के वर्ग जो निम्नलिखित क्षेत्रों के अन्तर्गत आते हैं :—

पूर्व में सुपर बाजार रोड से—पटेल रोड के साथ उसके जंकशन से लेकर आर्य समाज रोड के साथ उसकी क्रासिंग तक चिरा हुआ क्षेत्र, उत्तर में कैम्प सिनेमा रोड के साथ सुपर बाजार रोड और मिलिटरी रोड के जंकशन से लेकर नजफगढ़ रोड के साथ कैम्प सिनेमा रोड के जंकशन तक, पश्चिम में नजफगढ़ रोड के साथ कैम्प सिनेमा रोड के जंकशन से लेकर पटेल रोड के साथ नजफगढ़ रोड के क्रासिंग तक, और दक्षिण में पटेल रोड के साथ नजफगढ़ रोड के जंकशन से लेकर सुपर बाजार

3. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (3), नई दिल्ली ।

4. आयकर अधिकारी, डिस्ट्रिक्ट-6 (4), नई दिल्ली ।

दिल्ली-4 प्रभार

रेज

आयकर डिस्ट्रिक्ट/सक्षिल

(1)

(2)

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज 3-ए०, नई दिल्ली।

डिस्ट्रिक्ट 3(1), 3(1) पहला अतिरिक्त, 3(2), 3(2), अतिरिक्त 3(7), 3(7) अतिरिक्त), 3(8), 3(9), 3(14), 3(14) पहला, अतिरिक्त निष्कान्त सक्षिल, स्पेशल सक्षिल-9, डिस्ट्रिक्ट-3 (34), 3 (35) तथा अधिनियम की धारा 125 के अनुसार निरीक्षीय साहायक आयकर आयुक्त, को प्रहव्वे ही सौप गए इस प्रकार के डिस्ट्रिक्टों/सक्षिलों के भी मामले

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज 3-बी नई दिल्ली।

.डिस्ट्रिक्ट-3 (15) 3 (16) अतिरिक्त, 3 (17) 3(18), 3 (25), 3 (26), 3 (27), 3 (29), 3, (30), 3 (32) सब सक्षिल-, नई दिल्ली, ट्रांसपोर्ट सक्षिल, नई दिल्ली।

निरीक्षीय साहायक आयकर आयुक्त,

डिस्ट्रिक्ट-5 (3), 3-(4) 3(5), 3(6) :3(10), 3,(11), 3(12) 3 (13), स्पेशल सक्षिल-5, डिस्ट्रिक्ट-3 (24), 3 (28) नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 1-5-76 से लागू होगी

एन० एस० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 नई दिल्ली।

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक 21 मई, 1976

निदेश सं० एल० सी० 66/76-77—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रधूटन नायर

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो आलप्पी-विलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण प्र० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दीख 23-10-75 को

उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपरान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कावालम नारायण पनिकर, (2) शारदाम्मा हरिमन्दिरम, आलप्पी, पसा 9/983-1, टेमपिल रोड, शस्तमगलम, तिल्वनरापुरम
(अन्तरक)
(2) श्री मातृ, मैसर्स तव्विल टावेल्स, आलप्पी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आलप्पी जिला में आलप्पी विलेज में 23.25 सेन्टस भूमि और मकान ।

एस० एन० चन्द्रधूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 21-5-1976

मोहर ।

मराठा शासन (१) राजनीति कामयाना विद्यालय (१) ।
प्रस्तुत आई. डी. एन. पी.
 अधीक्षक १-८२०६ नं. नियमानुसार संस्कारित
 मराठा शासनी समाज विद्या ।

(अधिनियम 1961 का 43) की धारा 1269-प्र (१) के अधीन सूचना दें (१) (प्रतीकात्मक)

भारत सरकार

प्रति क्षार्यालयके सदायक शायकर आपका (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 14 जन. 1976

(क) अन्तरण से हुई किसी आवश्यकता के बावजूद, उक्त अधिनियम, को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, भारत में 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए (प्रतिक्रिया) या उपरोक्त में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९-मे^{के} असुरक्षा में, मे, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा ('१')^{की} प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

(1) श्री अब्दुल करीम (2) श्री पुनूस पुत्र हाजी अहमद
बडेपत्ली, महबूबनगर

(१) दिनांक १५/८/१९६१ को अधिकारी विभाग द्वारा
(संतरक)

(2) (१) श्री शिवाचलेश्वर्या पुत्र शिवामलक्ष्मया, बड़ी पत्नी, (२) श्री शिवाचलेश्वर्या पुत्र शिवा चेष्टया, बड़ी पत्नी, महाबलनगर

(प्रतिरक्ति) प्रतिरक्ति विद्या का अनुभव है।

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए रुपरूप सम्बन्धियां उत्तरात्मक रूप से अपनी अपेक्षा की

उक्त समाचार के अर्जन के संबंध में कोई भी सम्बेद लगाया गया है। इस सुन्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सुन्ना तमील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आ

समाज होती हो के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से वि-
षयवाचक वारा व्यक्ति द्वारा (विषयवाचक वारा व्यक्ति) है जिसने इस चर्चा
में अपना (ख) इस सूचना के रोजपत्र में प्रकाशन की तरीख से

दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितवद् ॥
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तीकरी के पास लिखित
किए जा सकें ॥

मात्र नाम के लिए भिन्न वर्णन हो सकते हैं (प)
 मात्रावली वाले शब्द का अस्तित्व अनुभवी के नाम बोलने
 की वजह से अवश्यक नहीं है इसका उपयोग ग्रन्थ

धरे नं० 10-33 गज, बडपल्टी, जेंडचली, महूरब (१) नगर
जिल्हा जिल्हाकी क्षेत्रफल 213.6 वर्ग गज।

परिवार जनसंख्या संकालन २०११ में पर्याप्त
प्राप्ति का प्रमाणीकरण किया गया है। इस
प्रक्रिया के द्वारा २०११ की प्रमाणीकृत

१८५४ वर्षात् एक लोकों द्वारा कल्पित शब्द था जिसके बाहरी भाषा में इसे वेंकटरामन्
जीव के नामसंग सम्बन्धित नहीं बताया गया।

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

(1) विद्युत विभाग की समीक्षा के अनुसार इसका लाभ नहीं होता।

तारीख : 14-6-76 दिनांक संवादी विधायक बोर्ड का
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उचित रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1976

नेदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1192/76-77—
तः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

सहायक अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘के पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
अधिक है,

और जिसकी सं० उड्ड्य० जैड-8 अकाल बिल्डिंग का भाग
नथा जो कीर्ति नगर, इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली में स्थित
में और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
नेटस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
ज्ञा के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
अर्जन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
भाग प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
कम है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
वेष्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रीति निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—146 GI/76

(1) श्रीमती दिविन्द्र कौर, विधवा पत्नी श्री एस० केहर
सिंह बदल, निवासी डब्ल्य० जैड-8, अकाल बिल्डिंग
कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति उर्मिला वर्मा, पत्नी श्री सी० एल० वर्मा,
निवासी 594, डब्ल्य० स्टोरी, न्य० राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयहाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद डब्ल्य० जैड-8 अकाल बिल्डिंग का भाग जिसका
धेत्रफल कीरीब 75 वर्ग गज है, कीर्ति नगर, इन्डस्ट्रीयल एरिया,
बसाए दारापुर गांव के धेत्र में, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : श्री जोगीन्द्र सिंह की जायदाद

पश्चिम : सड़क

उत्तर : श्री जीन्दल की जायदाद

दक्षिण : विकेता की जायदाद।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18 जून, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 जून, 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य०० 337 जे० सं० ई० जी०/212-
213—यतः मुझे, बि० वि० सुम्माराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० सं० 70/ए० सी० 8-10
जो पालगुम्मी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमलापुरम में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-क के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री माजेटि वेंकटस्वराराव पु० वेंकटेरत्नम
- (2) श्री माजेटि सत्यनारायण पु० वेंकटेस्वराराव
- (3) श्री माजेटि वेंकटरत्नम पु० वेंकटेस्वराराव
- (4) श्री माजेटि वेंकट सीताराम पु० वेंकटेस्वराराव
- (5) श्री माजेटि विस्वनाथ पु० वेंकटेस्वराराव
- (6) श्री माजेटि वेंकटेराम क्रिणा पु० वेंकटस्वराराव
- (7) श्री मंडाविलि राज्यलक्ष्मी

(अन्तरक)

- (2) कुमारी गोदेटि सरस्वती अयलापुरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वे

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से 31-10-75 पाक्षिक
अन्त में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3634/75 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति

बि० वि० सुम्माराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख : 2-6-76

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन०एस०—

(1) श्रीमति 1. मन्डविलि राज्य, लक्ष्य 2. मन्डविलि
बैंकटस्टराराव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी गोटेरिलिंगमूर्ति

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 2 जून, 1976

सं० आर० ए०सी० सं० एक्य० 338 जे०न० इंजी०/213:—
ग्रतः—मुझे, बिं विं सुन्बाराव
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति में जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 71/3, 71/1, एण्ड 71/2,
ए० सी० 8-10 सैन्टस और 2-10 सैन्टस ए० सी० 10-30
सैन्टस है, जो पालगुम्मी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी
के कार्यालय, अमलपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-10-1975

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
जा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
गया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अमलापूरम रजिस्ट्री अधिकारी से 31-10-75 पाक्षिक
अन्त में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3635/75 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति।

बिं विं सुन्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख : 2-6-1976
मोहर :

प्र० प्र० श्री प्रसाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई, 1976

निदेश सं० 63 ए० /अर्जन :—अतः मुझे, फ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 622 व अन्य है, तथा जो मौजा पुरनिया
जि० लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रसाद

(अन्तरक)

(2) श्री शिव प्रसाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्व
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाष्ट्र सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन प्लाट जिसका नं० 622, 623, और 6255 ।
कि मौजा पुरनिया परगना तह० व जिला लखनऊ में स्थित है।

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 10-5-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०——

(1) श्री लक्ष्मी चन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ दिनांक 10 मई, 76

निदेश नं० 63-बी०/ए० /अर्जन :—अतः मुझे, फ० रहमान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 136/5 है तथा जो मो० मैनाताली मुगल-सराय वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामनगर (वाराणसी) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

एक किता मकान नं० 136/5 मो० मैना ताली मुगल सराय जि० वाराणसी में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट रखी किया गया था या किया जाना चाहिए था, इनमें में सुविधा के लिए;

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री लक्ष्मी चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(ग्रन्तरक)

(1) के अधीन सूचना

(2) श्री बनारसी राम

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

लखनऊ दिनांक 10 मई, 1976

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश नं० 63-बी० नी० /अर्जन :—अतः मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 136/6 है तथा जो म० मैनाताल -मुगल-सराय वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामनगर (वाराणसी) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-1975 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

एक किला मकान न० 136/6 जो कि म० मैना ताली-मुगल सराय जि० वाराणसी में स्थित है।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-5-76
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 मई, 1976

सं० 2 एफ/अर्जन —अतः मुझे फ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डी 61/25 ए० है तथा जो मु० सिद्ध गिरि बाग
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कञ्चहरी
बाराणसी में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21 अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

1. श्रीमती कलावती देवी व अन्य (अन्तरक)

2. श्री फौजदार पाल व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ये दिया
गया है।

अनुसूची

एक कित्ता मकान का आधा भाग नं० डी० 61/23 ए०
जिसका क्षेत्रफल 1399 वर्ग फीट है जो कि मोहल्ला सिद्ध गिरी
बाग, जिला वाराणसी में स्थित है।

फ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 11 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप श्री ई० टी० एन० एस०—

1. श्री राजनारायन चहूडा उर्फ़ राजकुमार चहूडा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेट्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी, 1976

निवेश सं० 28 जी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 129 है तथा जो मीर गंज इलाहबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहबाद में रजिस्टीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 अक्टूबर
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण में लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्ति उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा नहीं लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

2. श्री घनश्याम बाबू अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान का 1/2 भाग जिसका नम्बर, 129 है।
जो कि मीर गंज-जिला इलाहबाद में स्थित है।

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 19 जनवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती कलावती देवी व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री किशोरी लाल पाल व अन्य

(अन्तरिती)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० 48 के०/अर्जन—अतः मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डी० 61/23-ए है तथा जो मु० सिद्धगिरि बाग वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कचहरी वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यांत्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—146 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान का आधा भाग नं० डी० 61/23-ए जिसका क्षेत्रफल 1504 वर्ग फीट है जो कि मोहल्ला सिद्धगिरि बाग, जिला वाराणसी में स्थित है ।

फ० रहमान,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11 मई 1976

सोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बृष्णु कुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स कुमार शुगर वर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कृषि भूमि खाता नं. 200 जिसका शेकफल 6 एकड़ 98
डी० है जो कि मौजा पकवाड़ा जिला मुरादाबाद में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ० रहमान

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात्:—

तारीख : 12 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री उमेद चन्द्र ओसवाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री महेश मेहरोद्वा व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन सेव लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1976

निदेश सं० 80 एम०/अर्जन—असः, मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 3/17 है, तथा जो मदन मोहन मालबीय मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9 अक्टूबर 1975 को पूर्णकृत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण में लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 3/17 जो कि मदन मोहन मालबीय मार्ग लखनऊ में स्थित है।

फ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 15 मई 1976

मोहर :

प्र० प्र० आष्ट० टी०० एन० एस०

1. श्री शादी लाल खना व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1976

निवेश सं० 51 पी०/अर्जन —अतः, मुझे, फ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-९५४/५५ है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11 अक्टूबर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्ता अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती प्रिती सिन्हा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कितां मकान नं० सी०-९५४/५५ जिसका क्षेत्रफल 5599 वर्ग फीट है जो कि महानगर लखनऊ में स्थित है।

फ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10 मई 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

1. श्री जय राम दास गुप्ता व अन्य (अन्तरक)

2. श्री राय नाथ जी मिश्र (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 फरवरी 1976

निदेश सं० 84 आर०/अर्जन—अतः, मुझे, विशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० 3 और 4 म० नं० बी 37/195 है तथा जो विरदोपुर-वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अक्टूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठ दिलेखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3, और 4, मय एक किता मकान नं० बी०-37/195, जो कि मो० विरदोपुर जि० वाराणसी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9 फरवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुपश्चाई० टी० एन० एस०—

1. श्री चन्द्र कुमार साह (प्रन्तरक)

2. मैसर्स राज कुमार साह एण्ड सन्स (प्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ऑफिस लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निवेश सं० 86-आर०/अर्जन (ए) — अतः मुझे एफ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या डी 64/127 बी० है तथा जो मोधोपुर सिंगरा जि० वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अक्टूबर, 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान नं० डी० 64/127 बी० का जुज हिस्सा जो कि माधोपुर सिंगरा, जिला वाराणसी में स्थित है।

एफ० रहमान
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 15 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रस्तुप्राइंटी १० एन० एस०

1. श्री चंद्र कुमार साह (अन्तरक)

2. मेसर्स राजकुमार साह एण्ड सन्स (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निवेदण सं० 86 आर/अर्जन (बी) —अतः मुझे एफ० रहमान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-64/127 बी है तथा जो माधोपुर सिगरा जि० वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० डी-64/127-बी का जुज़ हिस्सा जो कि माधोपुरा सिगरा जिला वाराणसी में स्थित है।

एफ० रहमान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री धनेश्वर सिंह व अन्य

(अन्तरक)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन खोला, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० 87 आर० अर्जन—अतः मुझे एफ० रहमान
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या चक नं० 186 है तथा जो मौजा रत्सड़ा जि०-
बलिया में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलिया
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
को कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताशरी के पास सिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि चक नं० 186 जिसका क्षेत्रफल तीन एकड़ ब्यासी
डिं० है जो कि मौजा रत्सड़ा डाकखाना रत्सड़ा जिला बलिया
में स्थित है।

एफ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती लालता देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1976

निदेश सं० 88 आर/अर्जन—अतः मुझे एफ० रहमान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी संख्या . . है तथा जो मो० जापालीन गंज शहर बलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आब्दत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—146GI/76

2. श्री रामचन्द्र प्रसाद व अन्य (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो मोहल्ला जापालीन गंज शहर बलिया में स्थित है।

एफ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 15-5-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमर्ति बेनजार बेगम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई 1976

निवेश सं० 116 एस० अर्जन—अतः मुझे एफ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 110/9 है तथा जो नया गांव पूर्वी लखनऊ में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन करने के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात्, तारीख 24-10-75
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री श्रीनिवास कौशल (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० साबिक 68 हाल 110/9 जिसका
क्षेत्रफल 7400 वर्ग फीट है—जो कि नया गांव पूर्वी थाना अमीनाबाद
लखनऊ में स्थित है।

एफ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, लखनऊ

तारीख : 10-5-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री राजकिशन दास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सईदअहमद एंव अन्य क्रेतागण

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. श्री राजकिशन दास (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 25 मई 1976

निदेश सं० 117-एस०/अर्जन—यतः, मुझे जी० पी० पिल्लई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 941/241/4. 14 है तथा जो हमिरापुर,
तहसील व परगना मलिहाबाद जिला लखनऊ में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेंकर्ता
अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

ममुसूची

हापि भूमि नं० 941/241/4. 14 जो कि हमिरापुर तहसील
व परगना मलिहाबाद जिला लखनऊ में स्थित है।

जी० पी० पिल्लई,
सक्षम अधिकारी
तारीख : 25-5-76 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहरः अर्जन रेज, लखनऊ

प्रलेप आई० टी० एन० एस०---

1. श्री डा० जगदीश दत्त वीक्षित

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 मई, 1976

निदेश सं० 118 एस/अर्जन—अतः मुझे जी० पी० पिल्लई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 500 वर्ग गज है तथा जो मो० सिविल लाइन्स बिजनौर, परगना व तहसील बिजनौर जिला बिजनौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-10-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

2. श्रीमती सरोज त्यागी (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एक हवेली 500 वर्गगज जो कि मोहल्ला सिविल लाइन्स, बिजनौर, परगना तहसील व जिला बिजनौर।

जी० पी० पिल्लई,
सक्षम अधिकारी
तारीख: 29-5-76 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेंज लखनऊ

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जून, 1976

निवेश नं० 122-एस/अर्जन—अतः मुझे फ० रहमान
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी संख्या 80/31 है तथा जो भोहल्ला लोहारबाग
सीतापुर में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

मकान नं० 80/31 जो कि भोहल्ला लोहार बाग, जिला
सीतापुर में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

फ० रहमान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | |
|---|------------|
| 1. शिव दुलारी | (अन्तरक) |
| 2. श्री सत्य नरायन ठंडन | (अन्तरिती) |
| 3. श्री शिव दुलारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)। | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख: 11-6-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

दिनांक 27 अप्रैल 1976

निकेश सं० १० सी० १२/अ० रे०-५/कल०/७६-७७—अतः
मुझे एस० एस० ईनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28 है, तथा जो 'बी' रोड, बामनगढ़ी,
हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्टीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन 10-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नागिन दास कुण्डलिया, 100, ओल्ड चीना बाजार,
कलकत्ता ।
(अन्तरक)

2 भेसर्स सेंचुरी अलुमीनियम बकुर्स 46, स्ट्रैन्ड रोड
कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इमारत सहित भूमि का क्षेत्रफल 2 बी० 1 क० 37० 9 बर्ग
फीट जिसके साथ कारखाने की छत भी है, जो 28 'बी' रोड बामन
गाड़ी, हावड़ा में स्थित है । दलील सं० 6012 ता० 10-10-1975
रजिस्ट्री कार्यालय कलकत्ता ।

एस० एस० ईनामदार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 5, 54, रफीअहमद किल्डर्ड रोड
कलकत्ता-16 ।

तारीख: 27-4-76

मोहर :

प्ररूप प्राई टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 27 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी०-13/ग्र० रे० ५/कल/76-77 :—अतः
मुझे, एस० एस० इनामदार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 10 है तथा जो जी० टी रोड (साउथ) हावड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-10-75
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री संतोष कुमार बोस । (अन्तरक)
2 श्री नरेश कुमार चतुर्वेदी, श्रीमति मालती देवी चतुर्वेदी
श्रीमति आणा देवी चतुर्वेदी । (अन्तरिती)
3 (1) युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
(2) भोलानाथ भट्टाचार्य
(3) गोलक बिहारी भट्टाचार्य और चण्डी चरण सरकार
(4) बंशीधर बनर्जी
(5) विस्टुपद मंडल और टुस्टुपद मंडल
(6) राम चन्द्र खट्टीक
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत सहित भूमि का क्षेत्रफल ६० क० १० छ० १८ वर्ग
फीट है जो १०, जी० टी० रोड (साउथ) हावड़ा, में स्थित है।
दलील सं० ५८५८ ता० ६-१० ७५ रजीस्ट्री कार्यालय कलकत्ता।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ५, कलकत्ता
५४, रफीअहमद किल्डाई रोड,
कलकत्ता १६

तारीख 27-4-1976 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० 14/अं० रे० 5/कल/76-77:—अतः
मुझे एस० एस० ईनामदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 231/बी है तथा जो मानिकतला भेन रोड,
कलकत्ता-54 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियोलदाह
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-10-1975

'को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री वैद्यनाथ घोष

(अन्तरक)

2 श्री ब्रज भाषा विश्वास, श्रीमति स्वर्ण प्रभा विश्वास
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इमारत सहित भूमि का क्षेत्रफल 4 क० 15 ल० 35 वर्ग
फीट है जो 231/बी मानिकतला भेन रोड, कलकत्ता-54 दलील
सं० 1988 ता० 6-10-1975 ।

एस एस० ईनामदार
सकाम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, कलकत्ता
53, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 2-6-4-1976

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेन्ज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई, 1976

निवेश ए० सी०-20/अ० रे० 5/कल०/76-77—अतः
मुझे ए० के० बटन्याल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 318 है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड
थाना टालिगंज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर
24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 9-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री अमिताभ दत्त राम और श्रीमती शांता घोष (अन्तरक)

2 डेसर्स एसोसियेशन फार सोसियल हैल्थ इन इंडिया
वेस्ट बंगाल ब्रांच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ हीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो तला इमारत सहित भूमि का कुल क्षेत्रफल 18 क०
4 छ० है जो 318, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, टालिगंज, कलकत्ता
47 में स्थित है। दलील सं० 5340 ता० 9-10-1975।

ए० के० बटन्याल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेन्ज-5, कलकत्ता
54, रफीअहमद किंवार्ड रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 27-5-1976।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जून 1976

निवेश सं० ए० सी० 22/अ० रे०-५/कल/७६-७७ :—
अतः मुझे एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 109 है तथा जो प्रिस अनवर साह रोड, धाना-
टालिगंज में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप
से अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुलोचना बाल पत्नि श्री यशवंत बाल (अंतरक)

2. श्रीमती कुमकुम पाल पत्नि श्री गोपीनाथ पाल (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 4 क० 38 वर्गफीट है जो स्कीम सं० I,
नार्थ ब्लाक बी, लेक कालोनी (109, अनवर साह रोड, धाना-
टालिगंज, कलकत्ता) दलील सं० 5250 ता० 8-10-75।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 15-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1 श्रीमति प्रभावती देवी, 49-सी मनोहरपुकुर रोड कलकत्ता
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, 54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 31 मई 1976

निदेश सं० ए० सी०-३/ग्रार-II/कल/७६-७७—अतः मुझे
आर० वी० लावमाविया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो जोका बहाला, जिला 24-परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ ऐसुरेंस कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 श्री रवि बंगानी 6-बी मिडलटन स्ट्रीट, कलकत्ता
(अंतरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।**अनुसूची**

खाली जमीन का क्षेत्रफल 1.695 एकड़ है जो खतियान सं० 454 और दाग सं० 425 का एक हिस्सा तथा तेरह जमीन दे टुकड़े, जोका बहाला, जिला-24-परगनास स्थित है।

आर० वी० लावमाविया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16।

तारीख 31-5-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

1 श्रीमती प्रभावती देवी, 49-सि, मनोहरपुकुर रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 54, रफीग्रहमद किंवार्ड रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 मई 1976

निदेश सं० ए० सी०-४/आर०-११/कल/७६-७७—अतः मुझे,
आर० सी० लालमीयाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दूसरे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं है तथा जो जोका वेहाला,
जिला-24-परगनास स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार एवं एसरेंसेस, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-75
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दुर्दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 मेसर्स मिनर्भा डेयारी एंड फार्म 15, इंडिया एक्सचेंज
प्लेस, कलकत्ता (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का क्षेत्रफल 9.991 एकड़ है जो सतीपान सं०
454 दाग सं० 425 तथा 34 दूसरे जमीन, जोका वेहाला, जिला-
24-परगनास स्थित है।

आर० सी० लालमीया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

54, रफीग्रहमद किंवार्ड रोड,
कलकत्ता 16।

तारीख 31-5-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1 श्रीमति प्रभावती देवी-सि० मनोहरपुकुर रोड, कलकत्ता
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, 54 रफीअहमद किलवाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 4 जून 1976

निदेश सं० ए० सी०-५/आर-II/कल/७६-७७—अतः मुझे,
आर० वी० लालमीया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जोका, वेहाला,
जिला 24 परगनास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार एवं एसरेसस, कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908) का 16) के अधीन तारीख 10-10-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2 श्रीमति रत्न कुमारी वेगोनी 6-बी, मिडलदेन स्ट्रीट
कलकत्ता,
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का क्षेत्रफल 2700 एकड़ है जो खतीपान सं०
454 और दाग सं० 425 का एक हिस्सा तथा नवा टुकड़े जमीन हैं
टुकड़े, जोकि वेहाला, जिला 24 परगनास स्थित हैं।

आर० वी० लालमीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II
54, रफीअहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 4-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आई० ए० सी०/एकुर्ल/आर०-11/कल

कलकत्ता-16, दिनांक 31 मई, 1976

निदेश सं० ए० सी० 6/आर०-II 76-77—ग्रतः मुझे
आर० भी० लालमीया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जोकी, बेहाला,
जिला-24-परगनास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकार के कार्यालय,
रजिस्ट्रार आफ एसुरेसेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-10-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्रीमति प्रभावती देवी, 46-सि मनोहर मुकुर रोड
कलकत्ता ।
(अन्तरक)

2 मेसर्स रभी कमरिंगल कारपोरेशन 15 इंडिया
एक्सचेन्ज प्लेस कलकत्ता ।
(अंतरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या सत्त्वांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताथरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खाली जमीन का क्षेत्रफल 1. 759 एकड़ है जो खतियान सं०
454 और दाग सं० 425 का एक हिस्सा तथा वस दूसरे जमीन है
टुकड़े जो कि बेहाला जिला-24 परगनास में स्थित है।

आर० भी० लालमीया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता
54, रफीशहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16 ।

तारीख 31-5-1976 ।

मोहर :

प्रेसप्रिण्टर्स एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, 54 रफीश्रहमद किंवार्ह रोड, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16 दिनांक 19 मई 1976

निर्देश सं 333 /ए० कुरे III/76-77/कल०—अतः मुझे,
एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 34 है तथा जो बालीगंजगार्डेन्स, कल० में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, सियालदह 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-10-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. 1. श्री अशेष रंजन चौधुरी
 2. श्री रनजीत कुमार चौधुरी
 3. श्री रूपक रंजन चौधुरी
 4. श्री रुपज रंजन चौधुरी
 5. श्रीमती मिता चौधुरी
 6. श्रीमती निता छाजरा
- सबका पता : 337 क्लाब रोड, मुक्तर, 24 परगणा ।
7. श्रीमती मिता दास, 3207 हेमी इंजिनियरिंग कर्सो : कलोनी सेक्टर 2, रांची ।

(अन्तरक)

2. श्री शनीन्द्र नाथ शी पि०-568 केयातलालेन, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 1 छटाक 21 स्को : कुट खाली जमीन जो 34, बालीगंज गार्डेन्स, कलकत्ता, थाना बालीगंज पर अवस्थित ।

एस० के० चक्रबर्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफीश्रहमद किंवार्ह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 19-5-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 मई 1976

निर्देश सं० 334/ए० कु० रे० III/76-77/कल०—अतः
मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 20/1/1 सि० है तथा जो बालीगंज स्टेशन रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर,
24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 3-10-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती तरुबाला रायचौधुरी 81, एन० के० घोपाल
रोड, कलकत्ता-42 (अन्तरक)

2. श्रीमती बन्दना घोप 84, एन० के० घोपाल रोड, कल०-
82 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फुट खाली जमिन जो 20/1/1 सि०, बालीगंज स्टेशन रोड,
कलकत्ता पर अवस्थित।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III
54, रफीअहमद किल्डार्ह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 18-5-1976

मोहर :

प्रलग प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता,
कलकत्ता-16, दिनांक 2 जून 1976

निर्देश सं० 335/ए० कुरे० /76-77/कलकत्ता—अतः
मुझे, एस० के० चक्रबर्ती
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 2 है तथा जो भ्रीनरो, गरिया, 24 परगणा स्थित
है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24 परगणा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-10-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7-146 GI/76

1. श्री मोहनलाल दास और मिलककान्ति दास नुसुबरिया,
ग्राम, नासिबपुर, हाबडा (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रनसुया सेनगुप्ता 81/7वि, राजा सुबोध मल्लिक
रोड कलकत्ता-58 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब, 3 कट्टा 7 घटाक 22 1/2 स्को० फुट जिला जमीन साथ
उसपर बनाया एक तल्ला, मकान जो 2 ग्रीन रो०, पो० गरिया,
जिला 24 परगणा पर अवस्थित।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III,
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-1

तारीख : 10-6-1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 2 जून 1976

निर्देश सं० 336/एकुरे-III/76-77/कल—ग्रतः मुझे,
एस० के० चक्रबर्ती॒ आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’, कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 34 है तथा जो हरिश्चन्द्रार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय आलिपुर, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्री स्वप्न कुमार पौल 30/2 ए, हरिश्चन्द्रार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता-26 (अन्तरक) अन्तरिती:

1. श्री स्वप्न कुमार पौल 30/2 ए, हरिश्चन्द्रार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता-26 (अन्तरक)

2. श्रीमती विभाबती लाहा 52, धीरम्द्र घोष रोड, कलकत्ता 26 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित, है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 20 छटाक 37 स्कॉ० फुट जमीन साथ उसपर बनाया एक तस्ला मकान जो 35, हरीश चन्द्रार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, 54, रफीअहमद किंदबाई
रोड, कलकत्ता-16

तारीख 20-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III

54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 जून 1976

निवेश सं० 337/एकुरे III/76-77/कलकत्ता—अतः मुझे,
एल० के० बालसुश्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/6 है तथा जो पाम एमिन्यु, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-10-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आरति सेन, पेन कोर्ट, चेन रोड, आलिपुर, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्रीमती जयन्ति चटार्जी 13/6 पाम एमिन्यु कलकत्ता (अन्तरिती)
3. प्रकाश ट्रेडिंग कं० (ग्राउन्ड फ्लोर)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 10 छटाक 6 स्को० फुट० जमीन साथ उसपर बनाया दो तल्ला मकान जो 13/6, पाम एमिन्यु, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज सं० I-5797/ 1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुश्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III,
54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 14-6-1976।

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1,
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० टी० आर० 190/सी० 195/कल० 1/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 26 बी० है तथा जो पार्क लेन्स, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेंट प्लेस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आभारानी बोस

(अन्तरक)

2. (1) निरंजन लाल अग्रवाल

(2) मुरारीलाल अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26 बी० पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में खाली जमीन का क्षेत्रफल 3 क० 7 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 7-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

1. कलकत्ता क्रेडिट कार्पोरेशन लि०, (अन्तरक)
2. डेवलपमेन्ट कनसलटेन्ट प्रा० लि० (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० टी० आर०-191/सी०-194/कल०-1/75-76—
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकारात्मक विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 24 हैं तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 2, गवर्नर्मेन्ट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत सथा जमीन 24, पार्क स्ट्रीट में स्थित है जिसका पूर्ण हिस्सा जो निचला तल्ला पर है उसका क्षेत्रफल 150 वर्ग फीट है, एक तल्ले का पश्चिमी हिस्सा का क्षेत्र 3617 वर्ग फी० दूसरे तल्ले का क्षेत्र 6016 वर्ग फी० पांचवें तल्ले का क्षेत्र 6016 वर्ग फी० तथा टैरस का क्षेत्र 5529 वर्ग फी० है भूमि का क्षेत्रफल 6642 वर्ग फी० है, जो 51% हिस्सा है, इसके साथ खाली जमीन फीटिंग सहित है जिसका क्षेत्र 174' × 8' है।

एस० के० चक्रवर्ती
सकारात्मक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

'अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-6-1976

मोहर :

प्रूप स्ट्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक ८ जून १९७६

निवेश सं० III-175/अर्जन/ ७६-७७/७१९—यतः मुझे अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५०००/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० प्लौ० सं० ९२९/एवं०/९३० है, तथा जो मकारीखोह में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय भूम्भुआ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख २७-१०-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के १५ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपाधारा (१) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथात् :—

(१) श्री राज ललन सिंह बल्द श्री बचन सिंह सा० तारी टोला मोहनपुर, थाना-भगवानपुर, जिला रोहतास (अन्तरक)

(२) सर्व श्री गोवर्धन सिंह, प्रवधेश सिंह, नवल सिंह बल्दान श्री रामकबल सिंह, श्री राम सुभज सिंह बल्द श्री वालचरत सिंह, श्री कैलाश सिंह श्री कपिलदेव सिंह एवं श्री राजदेव सिंह बल्दान श्री रामधनी सिंह, सा० खीरी, थाना, भगवानपुर जिला - रोहतास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में पारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकवा ७ एकड़ ५.२ डिसमिल सा० मकारी खोह खाता सं० १०१, प्लौट सं० ९२९, ९३० जैसा कि दस्तावेज संख्याएं ७७१० से ७७१५ दिनांक २७-१०-७५ में वर्णित हैं ।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना ।

तारीख : ८-६-१९७६

मोहर :

प्रसूप श्राइंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 जून, 1975

निदेश सं० 111-176/अर्जन/76-77/720—यतः मुझे,
अर्जय कुमार सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट 6301, 6302, 6303 है, तथा जो नाथनगर भागलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री अनिल चन्द्र घोष, सुनील चन्द्र घोष, सतिल चन्द्र घोष, निखिल चन्द्र घोष तथा सुनील चन्द्र घोष, निवासी सिवरा फुली थाना सेरामपुर, जिला हुगली (पं० बंगाल)। (अन्तरक)

(2) श्री मनोज कुमार बुधिया एवं श्रीमती गीता देवी बुधिया निवासी, 208 जमुना लाल बजाज स्ट्रीट कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रक्खा एक बीघा 14 छाठांक जो बाड़े सं० 19, सकिल सं० 10, हो०सं० 22, प्लाट सं० 6301, 6302, एवं 6303 जो नाथनगर भागलपुर में है तथा जिसका वर्णण दस्तावेज सं० I-6195 दिनांक 31-10-75 में पूर्ण है।

अर्जय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना।

तारीख : 8-6-76

मोहर :

प्रह्लृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन परिक्षेप, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 जून, 1976

निदेश सं० 111-177/अर्जन/76-77/721—यतः मुझे,
अजय कुमार सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 382/बी० है, तथा जो हिन्दपिण्डी रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का, 16) के अधीन, 22-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वेश्वी धरनीधर सरकार, मुरलीधर सरकार सत्त्वधर सरकार, बलदान श्री विनोद विहारी सरकार, निवासी हिन्दपिण्डी रांची
(अन्तरक)

(2) श्रीमती विनोद देवी जोजे श्री एन० एल० सराफ, श्री मुरली सराफ एवं सम्पत्ति लाल सराफ बलदान श्री बाबू लाल सराफ, श्रीमती मंजु देवी सराफ सराफ, जोजे श्री जे० प्र० सराफ, निवासी हिन्दपिण्डी, रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 0.3637 एकड़ जो हिन्दपिण्डी रांची में है वा० सं० 3, डो० सं० 606 एवं प्लाट सं०-382/बी है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 15344 दिनांक 22-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेप, बिहार
पटना।

तारीख: 8-6-76

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना, दिनांक 8 जून 1976

निदेश सं० 111-178/अर्जन/76-77/722—यतः, मुझे
अजय कुमार सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 1787 है, तथा जो सर्कुलर रोड
रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
23-10-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिस्थे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—146GI/76

(1) श्री अशीत कुमार मुखर्जी बलद स्व० प्रमथ नाथ
मुखर्जी, श्री धूमा ज्योति मुखर्जी बलद स्व० अरण कुमार मुखर्जी
76-सर्कुलर रोड, रांची (अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला राय दोखतर श्री राम चन्द्र
प्रसाद, निवासी महला नागराटोली, रांची। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने
से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है।
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा 8 कट्टा 13 छटांक 14 बर्फीट जो म्य०
प्लाट सं० 1787 का हिस्सा है तथा जो 76-सर्कुलर रोड
रांची में है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 15367
दिनांक 23-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम आधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अ० न परिक्षेत्र, बिहार
पटना ।

तारीख: 8-6-76

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेव, विहार पटना

पटना, दिनांक 8 जून, 1976

निदेश सं० 111-179/अर्जन/76-77/723—ग्रतः मुझे,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है
और जिसकी प्लाट सं० 300, 301 है, तथा जो राँची, वार्ड
सं० II में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
राँची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 8-10-75
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि विधायक संसद द्वारा उक्त स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लक्ष्मण सिंह बल्द श्री देवान सिंह निवासी अपर
बाजार राँची।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरन कौर जौजे सरदार नरेन्द्र कौर
निवासी शहीद चौक, राँची
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भित्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वर्णी अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान रकबा 58 कड़ी जो राँची के वार्ड सं०
II में है और ऊर सं०-458, म्य० प्लाट सं० 300, 301 है
तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 1505 दिनांक 8-10-75
में पूर्ण है।

श्रायकर श्रायकर सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेव, विहार,
पटना।

तारीख: 8-6-76
मोहर:

प्रलेप आदृ० टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 जून 1976

निर्देश सं० 111-180/अर्जन/76-77/724—यतः मृम्मे,
अर्जय कुमार सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं० 13, 44 इत्यादि है, तथा जो पुर
पथार में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बैगूसराय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अक्टूबर, 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरः (अन्तरको) और
अन्तरितः (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरकों के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-वार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लाल बहादुर चौधरी एवं राम किशोर प्रसाद
चौधरी बलदान—श्री रमिक बिहारी प्रसाद चौधरी,
साँ० एवं पोस्ट—केवटा, थाना बलसिंह सराय, जिला समस्ती-
पुर। (अन्तरक)

(2) श्री सुरेण प्रसाद सिंह बलद श्री योगेन्द्र नां सिंह
साँ० एवं पोस्ट—नयानगर, थाना हसन पुर, जिला समस्ती-
पुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रदान की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रदान की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रक्का 9 बीघा 4 कट्टा 11 धूर साँ०पुरपथार
थाना खोदावन्दपुर, खाता सं० 19, 22, 28, 29, 53 एवं 58,
प्लाट सं० 13, 44, 45, 23, 20 इत्यादि जैसा कि वस्तावेज सं०
15459 माह अक्टूबर, 75 में वर्णित है।

अर्जय कुमार सिन्हा
सक्तम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

तारीखः 8-6-76

मोहरः

प्र० रूप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 9 जून, 1976

निवेश सं० 111-181/अर्जन/76-77/725—यतः मुझे
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-प्र
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी प्लाट सं० 43, 61, 65 इत्यादि है, तथा जो
मराची बरियार में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय, बाठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री रमाकान्त सिंह, उमा कान्त सिंह बलदान
श्री सुखदेव सिंह, श्रीमती रामकुमारी देवी। जौजे श्री सुखदेवसिंह
सा० मराची बरियार, पो० हाथीदह, थाना—मोकामा, जिला
जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री रामेशर सिंह बलद श्री राघवे सिंह सा०
मराची बरियार, पो० हाथीदह, थाना—मोकामा जिला
पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

प्रब्लेमरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा करीब 10 बीघा जो मराची बरियार,
थाना—मोकामा जिला—पटना में है तथा खाता सं० 107,
103, 104 इत्यादि, प्लाट सं० 43, 61, 65, 06 इत्यादि है
तथा जिसका वर्णन बस्तावेज सं० 11440 दिनांक 25-10-
75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

तारीख : 9-6-76

मोहर:

प्रूप प्राईंटी १० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जून, 1976

निवेद सं० 111-182/अर्जन/76-77/726—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी प्लाट सं० 81, 82 इत्यादि है, तथा जो साहर-
जुरी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 24-10-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

असः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्री० राय, ध. राय बल्द श्री जेरिया राय,
सा० साहरजुरी (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला शर्मा दोष्टर श्री बी० बी० शर्मा
एवं श्री उमेश शर्मा बल्द श्री हरहर शर्मा सा० एवं
थाना चिरकुण्डा, जिला धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रक्का 2.64 एकड़, सा० साहरजुरी, खाता सं०
18, प्लाट सं० 81, 82, 96, 98, 102, 103 जैसा कि दस्ता-
वेज सं० 12148 दिनांक 24-10-75 में वर्णित है।

अजय कुमार सिंहा

सक्रम प्राधिकारी

निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

तारीख: 9-6-76

मोहर:

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269—घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जून 1976

निर्देश सं० 111-183/अर्जन/76-77/727—यतः मुझे
अजय कुमार सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी प्लाट सं० 365, 368 है, तथा जो अमघटा,
थाना गोविन्दपुर में स्थित है, (और इससे उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान् प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनंद कुमार अग्रवाल वल्द स्व० एस०बी०
एम० कुमार अग्रवाल, सा० एवं थाना गोविन्दपुर जिला
धनबाद। (अन्तरक)

(2) श्री मुखमल कुमार जैन वल्द श्री जे० पी० जैन
एवं श्री आर० सी० जैन वल्द श्री एम० आर० जैन सा०
एवं थाना धनबाद, जिला धनबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बार में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 2 एकड़ 66 डि० साठ मौजा—अमघटा,
थाना गोविन्दपुर, जिला धनबाद, खाता सं० 18, 74, प्लाट
सं० 365, 368 जैसा कि दस्तावेज सं० 11702 दिनांक
3-10-75 में वर्णित है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

तारीख : 9-6-76

मोहर:

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एम० एस० पी० पंथाई बल्द पी० पथाई, सा० एवं पो०—धनबाद, जिला-धनबाद। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जून 1976

निवेश सं०III-184/अर्जन/76-77/728—यतः मुझे
 अजय कुमार सिंहा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन
 सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक
 और जिसकी हो० सं० 302 है, तथा जो धनबाद में स्थित है
 (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-
 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
 उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
 के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया
 जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनु-
 सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्राम
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती रजिन्द्र कौर जौजे सरदार तरलोक सिंह,
 सा० एवं पो० धनबाद, जिला धनबाद। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
 के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा राखें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन रक्का 3 कट्ठा 12 छांटाक के साथ मकान जो
 धनबाद में है, वा० सं० 17, हो० सं० 302 है तथा जिसका
 वर्णन दस्तावेज सं० 12406 दिनांक 31-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
 सक्षम प्राधिकारी
 निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
 अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख : 9 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० III - 185/अर्जन/76-77/720—यतः, मुझे
अजय कुमार सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी और सं० 302 है, तथा जो धनबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रथात्:—

(1) श्री एम० एस० पी० पथाई० वल्द श्री प्रभुलाल
पी० पथाई०, सा० एवं पोस्ट धनबाद, जिला धनबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार तारलोक सिंह० वल्द सरदार बी० एल०
सिंह०, सा० एवं पो० धनबाद, जिला धनबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरताक्षर के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 3 कट्ठा 12 छटाक के साथ मकान जो
धनबाद में है। वा० सं० 16 हो० सं० 302 है जैसा कि दस्ता-
वेज सं० 12405 दिनांक 31-10-75 में वर्णित है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 7-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जून 1976

निदेश सं० III -186/अर्जन/76-77/730—यतः, मुझे
अर्जय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी हो० सं० 119 है, तथा जो झाउगंज, हीराचन्दशाहू
लेन में स्थित है (और इससे उपवलब्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पटना
सीटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 17-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री भोला नाथ बल्द श्री चिरंजीत लाल सा०
झाउगंज, पोस्ट—पटना सीटी पटना। (अन्तरक)

(2) श्री अर्जीत सिंह सलूजा बल्द स्व० सरदार अमर
सिंह सलूजा, सा० कालीस्थान, पटना सीटी पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान, झाउगंज हीराचन्द शाहू लेन पटना सीटी में है
हो सं० 119, बा० सं० 26, प्लाट सं० —358 है तथा
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० —1317 दिनांक 17-10-75
में पूर्ण है ।

अर्जय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—146 GI/76

तारीख : 8-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना दिनांक 1 जून 1976

निर्देश सं० III -170/अर्जन/76-77/670—यतः,

मुझे, अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 281 है, तथा जो राजेन्द्र नगर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
31-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आब्दत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

(1) श्री राम प्रताप सिंहा बल्द श्री प्रेम सिंह सा०
गोसईपुर, पौस्ट—जोगीपुर, थाना—हिल्सा जिला—नालन्दा
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या दवी जौजे श्री नन्द किशोर
प्रसाद, सा० लंगरटोली, थाना कदमकुआ०, पटना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक कमरे का घर जिसका रक्का 346.28
वर्गगज है तथा जो रोड सं०—6, राजेन्द्र नगर, पटना में है
प्लाट सं० 281 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०
10577 दिनांक 31-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना

तारीख: 1-6-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 -जून 1976

निर्देश सं० III -171/अर्जन/76-77/671—यतः, मुझे,
अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 605 है, तथा जो शहर डालटेन
गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पलामू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 9-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के भीतर ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुलब कली देवी जौजे श्री जग नारायण
पाठक, सा० एवं थाना—डालटेन गंज, जिला पलामू।
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री निलेश पाण्डे, प्रकाश पाण्डे, नवालिंग पुत्र
पिता श्री रामानन्द पाण्डे, सा०—शिवाजी मैदान—डालटेन गंज
शहर, जिला पलामू।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान रक्कान 7 डिसीमिल बाके शहर डालटेन
प्लाट गंज जिला पलामू, वा० सं० 5 (पुराना), 10 (नया)
सं० 605 तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 10693 दिनांक
9-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

तारीख : 1-6-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 जून 1976

निदेश सं० III -172/अर्जन/76-77/672—यतः, मुझे,
अजय कुमार सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 11(हिसा) है, तथा जो बहादुरपुर
थाना सबौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 24-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) बीबी अनीसा दोख्तर मो० सारीफ आलम सा०
ईमाहिमपुर, थाना—सबौर, जिला भागलपुर।

(अन्तरक)

(2) सरदार कुलवन्त सिंह बल्द सरदार मंगल सिंह
सा० महल्ला खरमनचक, थाना, कोतवाली, जिला भागलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कायावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 1.01 एकड़ जो बहादुरपुर थाना सबौर
जिला भागलपुर में है और खाता सं० 1, प्लाट सं० 11 का
हिस्सा है और जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12474 दिनांक
24-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा,
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

तारीख : 1-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 1 जून 1976

निदेश सं० III -173/अर्जन/76-77/673—यतः मुझे,
अजय कुमार सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 11(हिस्सा) है, तथा जो बहादुरपुर
थाना सबौर में स्थित है (प्रीत इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-10-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) मो० नयीम वल्द स्व० मो० सारीफ आत्मम सा०—
इब्राहिमपुर, थाना सबौर, जिला भागलपुर।

(अन्तरक)

(2) सरदार कुलबन्त सिंह वल्द सरदार मंगल सिंह,
मोहल्ला खरमनथक, थाना कोतवाली जिला भागलपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त हो गी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निःवाद अन्य
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रक्खा 2.02 एकड़, सा०—बहादुरपुर, थाना
—सबौर, जिला भागलपुर, खाता 1 प्लाट सं० 11 का हिस्सा है तथा
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12336 दिनांक 21-10-75
में पूर्ण है।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना।

तारीख: 1-6-76

मोहर:

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 जून, 1976

निवेश सं० 111-174/अर्जन/76-77/674—यतः, मुझे,
अर्जय कुमार सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी प्ला० सं० 11 (हिस्सा) है, तथा जो बहादुरपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भागलपुर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 23-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने,
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बीबी हृषा दोख्तर स्व० मो० सलीम सा०-
हराहीम पुर, थाना सबौर, जिला भागलपुर

(अन्तरक)

(2) श्री सरदार कुलवन्त सिंह बल्द [सरदार मंगल
सिंह सा० मोहल्ला—खरमनचक, थाना—कोतवाली, जिला
भागलपुर।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्ठः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रक्का 1. 98 एकड़ सा० बहादुरपुर, थाना सबौर
जिला भागलपुर खाता सं० 9, प्लौट सं० 99 का हिस्सा है तथा
जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 12439, दिनांक 23-10-75
में पूर्ण है।

अर्जय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना

तारीख : 9-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 जून, 1976

निदेश सं० 111-188/अर्जन/76-77/746—यतः मुझे,
अजय कुमार सिन्हा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी प्लाट 339, 340 नया हिस्सा है, तथा जो
ब्रह्मपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1-10-75
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य
भान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्य-
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किस आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रष्टि :—

(1) श्री सैयद अहमद इस्माइल जाफरी बल्द स्व०
नवाब सैयद श्री सजाद, बीबी नसीबा बैगम जौ० डा०
सैयद मो० हैदर सा० ब्रह्मपुरा शहर मुजफ्फरपुर, सैयद श्री
असद बल्द स्व० नवाब सैयद श्री सजाद साहेब सा०
गुलजारबाग, पटना (अन्तरक)

(2) श्री गोवरधनलाल धवन बल्द श्री ईश्वर चन्द्र
धवन, सा० नया टोला, शहर मुजफ्फरपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 18 कट्ठा जो ब्रह्मपुरा, शहर मुजफ्फरपुर
में है, वा सं०-1, पुराना प्लाट सं० 345, 346 का हिस्सा
एवं नया प्लाट सं० 339, 340 का हिस्सा है, तथा जिसका
वर्णन दस्तावेज सं० 14877 दिनांक 1-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

तारीख : 14-6-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 जून 1976

निवेश सं० 111-187/अर्जन/76-77/745—यतः मुझे,
अजय कुमार सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का

43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी प्लाट सं० 339, 340 नया का हिस्सा है, तथा
जो ब्रह्मपुरा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-10-75
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री सैयद अहमद इस्माइल जाफरी वल्द स्व०
नवाब सैयद अली सजाद साहेब, बीबी नसीबा बेगम जौ०
डा० सैयद मो० हैदर सा० ब्रह्मपुरा, शहर मुजफ्फरपुर,
सैयद अली असद वल्द स्व० नवाबा सैयद अली सजाद, सा० गल-
जारबाग, पटना
(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र धवन वल्द श्री ईश्वर चन्द्र
धवन, सा० नया टोला, शहर, मुजफ्फरपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमूसूची

जमीन रक्का 12 कट्ठा सा० ब्रह्मपुरा शहर मुजफ्फर-
पुर में है, बा० सं०-I, पुराना प्लाट सं०-345 का हिस्सा,
नया प्लाट सं० 339, 340 का हिस्सा है तथा जिसका
वर्णन दस्तावेज सं० 14876 दिनांक 1-10-75 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना

तारीख : 14-6-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जून, 1976

निदेश सं० 1/प्रकृ०/75—अतः मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3, मान्यता रोड, मगमोर, मद्रास-8, है जो एस० आर० ओ० वेस्ट मद्रास, डाकुमेंट सर्वे 1069/75 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्षयबार, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—146 GI 76

1. दि माकिमलन कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, मद्रास
(अन्तरक)

2. (1) डा० एन० अन्ना रेड्डी
(2) श्रीमती एन० सुजाता रबाय
उसका बेटा और बहिन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तस्वीर्वाची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे 3, मान्यता रोड, मगमोर, मद्रास-8 (आर० एस० सर्वे 1618) 1~14, 6 की ग्रैन्ड भूमि मकान के साथ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 2-6-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० 38/अक्ट०/75—अतः मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1951, तथा 1924-ए, एरलकुलम, येरावलै, नाजरकोविल है, जो एस० आर० ओ०-11, नाजरकोविल, डाकुमेंट संक 4209/75 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा० अधिकारी के कार्यालय नाजर-जा में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्द्धन अक्टूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुन्दरमाल, मन्जालियालापूतन वीड़, कोट्काक्षम, कडवकट्टारम नथोट्टकरे, केरला।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जी० श्री

(2) उषा

(3) शान्ति

(4) प्रेमलता

(5) श्री निवासण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरलकुलम, येरावलै नाजरकोविल में 2 एकड़ 56 सेट, खेती की भूमि (एस० संक 1951, 1924-ए)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-6-1976

मोहर:

प्रस्तुप्राप्ति १० एन० एस०.....

1. श्रीमती सकुन्तलम्बाल,
7, वेंकटाचल नायकन, स्ट्रीट, मद्रास-८

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जून 1976

निवेदण सं० 35/प्रकृ०/75-76—अतः मुझे जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सधम, प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 74, सन्जीवीरामन, कोईल स्ट्रीट, मद्रास में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास, (पत्र सं० 7699/75) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
श्रक्तुबर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, इसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

1. श्रीमती सकुन्तलम्बाल,
7, वेंकटाचल नायकन, स्ट्रीट, मद्रास-८

(अन्तरक)

2. श्री राजगोपाल रहुपार,
मैंगल्यमालकम गांव,

(अन्तरिती)

3. (1) देवेन्द्र सिंह
- (2) तनराज
- (3) गोपाल शुष्णन
- (4) रामानाथन
- (5) रामनाथन
- (6) पद्मनाभन
- (7) जयमनि
- (8) कामराज
निनेवालयम

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, 81; सन्जीवीरामन कोईल स्ट्रीट, डोर सं० 74
(आर० एस० सं० 2733) में 2490 स्क्वायर फीट की भूमि
(मकान के साथ)।

जी० रामानाथन
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

1. श्रो ए० पेरियसामि सेटवै मदुरै, ।

(अन्तरक)

आय २६९ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
२६९-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री मालैककन्तु, चौकधाड़ गांव

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जून 1976

निवेश सं० 43/अक्तूबर, / 75-76—प्रक्ष: मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य २५,०००/- ₹ से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० ७६८४/२ और ३ है, जो
सत्यमूर्ति स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मदुरै, (पत्र सं० ३२६१/७५) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
१९०८ (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै, नरिमेडु, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, डोर सं० २९ (टी० एस०
सं० १६८४/२ और ३, प्लाट सं० ६) में ७ सेट की भूमि (मकान
के साथ) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 18-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई, 1976

निदेश सं० 45/अक्टू०/75—अतः मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कायामोलि, तिरुच्चेन्दूर, एस० सं० 363/21 ए२, 363/11, कन्दस्वामी पुरम, 783/2, 783/3, 784/2, 784/3, 784/4, 784/5, है जो जे० एस० आर० ओ० तूलतुक्कुडि डाकूमेंट सं० 1232/75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय तूलतुक्कुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सयद मोहम्मद मरकायर,

(अन्तरक)

2. श्री सेगु सुलेम्मान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कायामोलि, तिरुच्चेन्दूर में 9 एकड़ 90 सेन्ट, कन्दस्वामीपुरम में 1 एकड़ 9 सेन्ट के 2 एकड़ 18 सेन्ट खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, मद्रास

तारीख: 31-5-1976

मोहर:

प्रस्तुति श्राद्ध ३० एन० एस०—

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1976

निदेश सं० 47/ग्रकू०/75-76—श्रतः, मुझे, जी० रामनाथन
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वं 444 प्रौर 451/ए, है जो ऊडन्नुडि,
तिरुनेलवेलि जिला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट श्राधिकारी के कार्यालय
ऊडन्नुडि (पत्र सं० 1912/75) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सी० के० कोया ऊम्मा, सी० के० फातीमा,
के० एम० एम० ए० बी० मूसा और अल्ताफ हुसैन
(अन्तरक)
2. श्रीमती ए० सिंगारकनि अम्माल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हासमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि जिला, ऊडन्नुडि, गांव सर्वं सं० 444 प्रौर 451/ए
में 11.58 एकड़ की भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 14-6-1976

मोहर :

प्रश्न प्राइंट टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जून, 1976

निवेश सं० 50/प्रकृ०/75-76—अतः मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 2/2 है, जो करकुड़लपट्टी में स्थित है (ओर
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्टी
अधिकारी के कायालिय नामगिरिपेटैट (पत्र सं० 1098/75) में
भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृष्यमान से
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, तेसे दृष्यमान प्रतिफल
के पद्धति प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तेसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में वर्ती करने या उसके बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अस्नावलम पिलै और श्रीमती पापाती
(अन्तरक)

2. श्री कर्स्पण
पल्लक्काडु, रासीपुरम् ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

रासीपुरम तालुक करकुड़लपट्टी गांव सरखे सं० 2/2 में 3.50
एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 15-6-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1976

निदेश सं० 60/अक्टूबर/75-76—अतः मुझे जी० रामानाथन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 533/1 और 591 है तथा जो ओरुवन्तूर, गनपतिपालयम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्टा अधिकारी के कार्यालय मोहनूर (पत्र सं० 904/75) में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-10-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णातु:—

1. श्री पी० एम० वीरचंद गड्ढर और मतूसामि गड्ढर
(अन्तरक)

2. श्रीमती चेल्लम्माल,
गनपतिपालयम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, मोहनूर गनपतिपालयम, सर्वे सं० 533/1 और 591 में 1.15 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-6-1976

मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1976

निदेश सं० 62/अक्टू०/75-76—अतः मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 5.33 3/11 एकड़ है, जो कस्तूरिपट्टी और
संगागरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संगगरी (पत्र सं०
714/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन प्रारंभिक उत्तराख 17-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों
) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाति :—

11-146 GI/76

1. श्रीमती डैसी, संकटी रौन

(अन्तरक)

2. श्री ए० जगन्नाथन,
सकटीदरग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेसम जिला, संगागरी गांव सर्वे सं० 6/1, और 6/2,
कस्तूरीपट्टी गांव और सर्वे सं० 172/1, 172/2, 172/4,
172/5, 216/1, 216/2 और 216/4, संगागरी गांव में 4.55
3/11 एकड़ की भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 14-6-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मारथ गंडल्हर और एम० कन्दस्वामी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० सुब्रह्मनियम और के० नटराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जून 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 63/अक्टू०/75—अतः मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सब० सं० 206/2, 214/2, 3 और 104/1 है, जो ईडियार की लम्हगम गांव, नामकल, सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेलूट (पत्र सं० 1440/75) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्ति वाले का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, नामकल पुन्जेरडियार कीलम्हगम गांव सब० सं० 206/2, 214/2, 214/3, और 104/1 में 6.51 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

तारीख : 14-6-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निवेश सं० 22/12/5(अक्टू०)/75-76—अतः मुझे जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार ह तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवकासी (पत्र
सं० 3261/75), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन अनुत्तरवर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० लक्ष्मण और आदी, सिवकासी
(अन्तरक)
2. पी० खन्नपिरान और पी० कृष्णमूर्ति, सिवकासी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1. सिवकासी वेलायुद्म रोड—खाली भूमि सर्वे सं० 45—
0.50 एकड़;
सर्वे सं० 47, 49, क 50— 1.06 एकड़;
सर्वे सं० 79/ए, 79/वी, 2, 79/वी 3,— 0.80 एकड़;
सर्वे सं० 78/वी 2— 2.77 एकड़ में 1/6 भाग)।
2. खेती की भूमि :

सर्वे सं० 2/4, मनगसरी गांव, 4.78 एकड़ ; सर्वे सं० 5 में 7.22
एकड़ और मल्ली गांव सर्वे सं० 1/2 में 3.52 एकड़।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 1-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मई 1976

निदेश सं० 9/1/2(अक्टू०)/75-76—अतः मुझे जी० राम-

नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 2 डोर सं० 1-डी है, जो स्पर टांक रोड,
मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास
(पत्र सं० 7145/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 7-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अविस्यों अर्थात् :—

1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, मद्रास-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० एम० फातीमा, गन्नी,
कुलानल्सूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-8, एगमोर स्पर टांक रोड, प्लाट 2, डोर सं० 1-डी/
(भाग) (आर० एस० सं० 469-भाग) में 2 ग्राउन्ड की भूमि
और ग्राउन्ड फ्लौर ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 18-5-76

मोहर:

प्ररूप आई० ई० एन० एस० ——

1. श्रीमती बी० बी० पश्चिम रेड्डी, मद्रास-31

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शोभा रेड्डी, मद्रास-40

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 18 मई 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

निदेश सं० 9/2/4 (अक्टू) / 75-76—अतः मझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 15 है, जो हारीहंटन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्य सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 7264/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

15-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31, हारीहंटन रोड, छोर सं० 15 (आर० एस० सं० 324 और 329) में 2 ग्राउन्ड्स और 380 स्क्वायर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 18-5-1976

मोहर :

प्रख्यात प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री जे० एच० तारापुर, मद्रास-31

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 मई 1976

निवेद सं० 9/2/32(अक्तूर)/75-76—अतः मुझे जी०
रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो हारीहंटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मद्रास (पत्र सं० 7526/75) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 24-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती ऊरा रेह्नी, मद्रास-40।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास, हारीहंटन रोड, डोर सं० 15 (आर० एस० सं० 324
और 329) में 3 ग्राउन्ड्स और 270 स्क्वायर फीट की खाली
भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 18-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मई 1976

निवेश सं०

—अतः मुझे जी०

रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 64/2 है जो बैनपल्ली, ग्राम, किरनगिरि दालुक दरमबूरि, जिला में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्ष्युबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० कदिरेसन,

20-बी०, भावा रोतर बी०दि, आलवार्पंड,
मद्रास-18

(अन्तरक)

2. दि तमिलनाडु टिस्टिलरी अलको बेन्स प्राइवेट लिमिटेड,
489/3ए, जिं० एस० टी० बी०दि,
आलन्टूर, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सं० 64/2, बैनपल्ली, ग्राम, किरनगिरि दालुक दरमबूरि जिला ए० सी० फैक्टरी, कार्यालय विर्लिंग मैसनरी, वेल ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 19-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

(1) श्रीमती ललीतमा श्रीर 5 दूसरा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 मई 1976

निदेश सं० IX/2/21/अक्टूबर/75—यतः मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 3/3 आन्डरसन गली जियार्ज टाउन, मद्रास है,
जो जे० एस० आर० ओ० II मद्रास (डाक्युमेंट सं० 7391/75 में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फन्डहृ प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री एस० सरबनकुमार और 5 दूसरा
(अन्तरक)

(3) ओरियन्ट पेपर मार्ट
2. एस० एस० सन्जीवि चेट्टी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्बींधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3/3, आन्डरसन गली, जियार्ज टाउन मद्रास में 1358
कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) आर० एस० 11366/1

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 25-5-1976

मोहर :

प्र० प्र० प्र० प्र० टी० ए० ए० ए०

(1) श्रीमती फांगीरति फाइ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० ए० मोहम्मद मीरान

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 25 मई, 1976

(3) कामसन णू कम्पनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निवेश सं० IX /2/33/अक्तूबर/75—यतः, मुझे जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 30, स्ट्रेन्जर स्ट्रीट, जिवार्ज टाउन, मद्रास है, जो जे० ए० ए० आर० ओ० II मद्रास डाक्यूमेंट सं० 7616/75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12—146GI/76

30, स्ट्रेन्जर स्ट्रीट, जिवार्ज टाउन, मद्रास में 2137 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ। आर० ए० 11429।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 25-5-1976

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०

(1) श्री मरसिम्हन

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 मई 1976

निदेश सं० XVI/7/49/अक्तूबर 75—यतः,
मुझे, जी० रामनाथन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 106, 107, 107A, ओमलूर टोन सेलम जो
एस० आर० ओ० ओमलूर मत्त सं 2609/75 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती सरोजा

(3) असिस्टेंट इंजीनियर

मेट्रो इलैक्ट्रिक सिस्टम

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

106 ए, 107, 107ए, ओमलूर टोन, सेलम में 322
स्क्युयर मीटर की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 25-5-1976

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० एम० जानी, बाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 25 मई 1976

निवेश सं० एक्स० एक्स०/17/71/अक्तूबर/75—यतः, मुझे
जी० रामानातन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 48, न्यू गली परितिपुरम है, जो एस० आर० ओ०
तिरुवथी पुरम (डाक्युमेंट सं० 2811/75 में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय तिरुवथीपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 75 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री टी० बी० वेलुमुबलियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
करी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

48, न्यू गली, परितिपुरम में 1215 स्क्यूयर फीट की भूमि
(मकान के साथ। डाक्युमेंट संक० 2811/75।जी० रामानातन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 25-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) स्टेन्डर्ड मेटल श्रोक्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

23, माउंट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 15 जून 1976

निदेश सं० 1941/75-76—यतः मुझे एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अलमदि गांव, सर्वे सं० 334/1 और 333/4बी (1073 एकर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोम्पेर (डाकुमेन्ट 2676/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) ओरियन्टल हेड्विलिक्स
प्राइवेट लिमिटेड

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-52, रेड हिल्स, अलमदि गांव में 1.73 एकर की भूमि जिसका सर्वे सं० 334/1 और 333/4बी (मकान के साथ)

एस० राजरटनम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 15-6-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती लिलि सदाशिव राव

श्री एम० सदाशिव राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 15 जून 1976

निदेश सं० 5092/75-76—यतः मुझे एस० राजरटनम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, मनिकेश्वर रोड, है तथा जो में स्थित है (और इससे उपरबूँद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास (डाकुमेन्ट 7519/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ये दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्रीमती अलिस अनन्द मान्डियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूँद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें:

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

मद्रास-10, किलपक, मनिकेश्वर रोड, डोर सं० 5 में तीन ग्राउण्ड और 1577 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ) (आर० एस० सं० 3130/26)

एस० राजरटनम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-II, मद्रास

तारीख: 15-6-1976

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 14 जून 1976

निवेश सं० 2749/75-76—यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 187/4 वी 1,202 और 187/4 वी 2 और डोर सं० 8/60, 8/71, 8/71 ए० से एफ० तक और 8/65 मासिनिगुड़ि में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडलूर डाकुमेन्ट सं० 695/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) टी० ए० देवग्नाम (अन्तरक)
(2) श्रीमती शकुन्तला,
(3) मीरा जसवन्त कुमार और
(4) नलिनि
(2) श्री एस० टी० कोतवाला
और श्रीमती जिरिन एस० कोतवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही शर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मासिनिगुड़ि में भूमि :

आर० एस० सं० 187/4वी 1 —20.00 एकर

” 202 —11.37 एकर

” 187/4वी 2 —8.40 एकर

(मकान के साथ जिसका डोर सं० 8/60, 8/71, 8/71 ऐसे एफ तक और 8/65।

एस० राजरटनम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 14-6-76

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एग० एस०——

(1) श्री के० बी० कनकराज; के० जक्षादम;
कुमारी गोकिला और यसोदा,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास-600006, विनांक 14 जून 1976

निदेश सं० 2760/75-76—यतः मुझे एस० राजरतनम्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० नया डोर सं० 135, (नया टी० राजा स्ट्रीट, एस०
सं० 5/456) कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 3667/75)
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः इब उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः :—

(2) श्री वी० शे शंगिर राव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथाप्रिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, राजा स्ट्रीट, नया डोर सं० 135 (नया टी०
एस० सं० 5/456 भाग) में भूमि और मकान।

एस० राजरतनम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 14-6-1976

मोहर :

प्रसूप श्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती स्वर्णपुण्यबम्

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एल० नटराजन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 19 जून 1976

निवेदा सं० 2756/75-76—यतः मुझे एस० राजरटनम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 4/1ए और टी० एस० 33 (0.63 सेट) पोल्लाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोल्लाची डाकुमेण्ट सं० 1779 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातुः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पोल्लाची में 0.63 सेन्ट जिसका टी० एस० सं० 4/1ए और टी० एस० सं० 33 (डाकुमेण्ट सं० 1779/75)

एस० राजरटनम्,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख : 19-6-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस०

(1) श्री पी० वेंकटाचलम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एन० नटराजन

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 2756/75-76—यतः मुझे एस० नटराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 0.44 सेन्ट की भूमि, टी० एस० 4/1 ए,
पोल्लाची, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से अर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची
(डाकुमेण्ट 1786/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—146 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

पोल्लाची टाउन, 0.44 सेन्ट की भूमि जिसका टी० एस० सं०
4/1 ए (डाकुमेण्ट 1786/75)

एस० राजरटनम,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 19-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

(1) श्रीमती स्वर्णपुश्पम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एन० नटराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006
मद्रास, दिनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 2756/75-76—यतः मुझे एस० राजरटनम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 4/1ए, पोल्लाची, (0.30 सेन्ट) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची (आकुमेन्ट 1787/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोल्लाची सर्वे बांड सं० 5, टी० एस० सं० 4/1ए में 30 सेन्ट की भूमि। (आकुमेन्ट सं० 1787/75)

एस० राजरटनम्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 19-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० वी० रामकृष्ण राज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्ज रेंज-, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 2756/75-76—यतः मुझे, एस० राजरटनम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 33 और टी० एस० 4/1 ए (65 1/2 सेन्ट), पोललाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय पोललाची (आकुमेन्ट 1788/75) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-10-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

(2) श्री ए० एन० नटराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोललाची टाउन, सर्वे वार्ड सं० 4, टी० एस० सं० 33 में
60 1/2 सेन्ट की भूमि और पोललाची टाउन, सर्वे वार्ड सं० 5,
टी० एस० सं० 4/1 ए में 5 सेन्ट की भूमि।

(आकुमेन्ट 1788/75)

एस० राजरटन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-6-1976

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री आर० अरवा चेटियार

(अन्तरक)

(2) श्री सो० कृष्णम नायुषु

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 19 जून 1976

निदेश सं० 2781/75-76—यतः मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 376/1 ए, और एस० एफ० 374, तेकम्पटिट गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेट्रोपोलियम डाकुमेण्ट सं० 1618/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तेकम्पटिट गांव में 12-13 1/2 एकर की भूमि जिसका एस० एफ० सं० 376/1 ए और एस० एफ० 374।

एस० राजरटनम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 19-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निदेश सं० जी-2/75(20)/283/राज०/सहा०आ०

अर्जन/336—यतः मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 47 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती धापू देवी विश्वासी श्री खूबचन्द सेठिया निवासी सुजानगढ़ जिला चुरू
- (2) सर्वे श्री (1) राधेश्याम पुत्र सूरजमल
- 2. रामेश्वरदास पुत्र किशोरीलाल
- 3. श्रीमती विद्या देवी पत्नी सत्यप्रकाश
- 4. चन्द्रभान पुत्र टेकराम
- 5. रामपाल पुत्र बन्सीलाल

निवासी श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुरब्बा नं० 47, 1-ए छोटी तहसील एवं जिला श्री गंगानगर में 5 बीघा कृषि भूमि, जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा पंजिबद्ध विश्वास सं० 2423 दिनांक 31-10-75 में और अधिक विस्तृत रूप से वर्णित है।

सी एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 7-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक, 7 जून 1976

निर्वेश संख्या जी-2/75(20)/284 /राज०/सहा० आ०
अर्जन/337—यतः मुझे, सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० मुरब्बा न० 47 है तथा जो श्रीगंगानगर
में स्थित है, (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 31 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती धापू देवी विधवा श्री खूबचन्द सेठिया निवासी
सुजानगढ़ जिला चूरू।

(अन्तरक)

(2) सर्वथा राम भेहर पुत्र रामभज (2) दर्शनसिंह पुत्र
पोखर सिंह (3) जयनारायण पुत्र गोर्धनदास (4)
मलकियत सिंह पुत्र मुखियार सिंह (5) ज्ञान चन्द
पुत्र बाल किशन निवासी श्रीगंगानग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मुरब्बा न० 47, 1-ए छोटी, तहसील एवं जिला श्रीगंगानगर
5 वीघा कृषि भूमि, जो उपपंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा पंजीबद्ध
विक्रय पत्र संख्या 2332 दिनांक 31-10-75 में और अधिक
विस्तृत रूप से वर्णित है ।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 7 जून 1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जयपुर
 जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निवेदण सं० जी-2/75(20)/285/राज०/सहा० आ० अर्जन/ 338—यतः मुझे, सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 47 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 अक्टूबर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती धापू देवी विधवा श्री खबचन्द सेठिया निवासी सुजानगढ़ जिला चूरू
 (अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. कृष्णकुमार पुत्र श्रीमप्रकाश 2. जगमाथ पुत्र चन्नराम 3. हरीराम पुत्र चूष्णी लाल 4. राम-स्वरूप पुत्र लधाराम 5. बनवारी लाल पुत्र बदरी प्रसाद निवासी श्री गंगानगर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुरब्बा नं० 47, 1-ए छोटी, तहसील एवं जिला श्री गंगानगर में 5 बीघा कृषि भूमि, जो उपर्युक्त, श्रीगंगानगर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 2415 दिनांक 31 अक्टूबर 1975 में श्री अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्राप्ति प्राप्ति 10 टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जी-2/75(21)/181/राज०/सहा० आ० अर्जन/
334—यतः मुझे, सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 47 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 नवम्बर 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती धापू देवी विधवा श्री खूबचन्द सेठिया निवासी सुजानगढ़ जिला चुरु

(अन्तरक)

(2) सर्वथी बन्ता सिंह पुत्र सावन सिंह 2. भंवरलाल पुत्र नन्दराम 3. श्रीमती लाजवन्ति पत्नी महाबीर प्रसाद 4. श्रीमती सन्तोषीदेवी पत्नि श्री पुरुषोत्तमदास 5. सुरजाराम पुत्र हरखाराम निवासी श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुरब्बा नं० 47, 1-ए छोटी तहसील एवं जिला श्री गंगानगर में 3 बीघा क्षुधि भूमि जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र सं० 2430 दिनांक 10 नवम्बर 1975 में वर्णित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 7 जून 1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी० ई० एन० एस० -----

(1) श्रीमती धार्मदेवी विधवा श्री खूबचन्द सेठिया निवासी
सुजानगढ़ जिला चूलू।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जी-2/75(21)/182/राज०/सहा० आय०
 अर्जन/335—यतः, मुझे, सी० एस० जैन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
 से अधिक है

और जिस की सं० मुख्यालय नं० 47 है तथा जो श्री गंगानगर में
 स्थित है, (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 दिनांक 1 नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
 है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न
 उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम,
 के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
 या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
 जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति :—

(2) सर्वधी 1. किशनलाल पुत्र रामचन्द्र 2. श्रीम प्रकाश
 पुत्र जयनारायण 3. नरेशकुमार पुत्र मोहनलाल 4.
 श्रीमती द्रोपदी देवी पति सत्यनारायण 5. गणेश
 कुमार पुत्र मूल चन्द निवासी श्री गंगानगर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

मुख्या नं० 47, 1-ए छोटी, तहसील एवं जिला श्रीगंगानगर
 में 5 बीघा कृषि भूमि, जो उप पञ्जियक, श्री गंगानगर द्वारा पंजिबद्ध
 विक्रय पत्र सं० 2361 दिनांक 1-11-1975 में श्री अधिक विस्तृत
 रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
 मध्यम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर:

प्रूप्र ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जी-2/75(21)/180/राज० सहा० आ०
अर्जन/333—यतः मझे, सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मरब्बा नं० 48 है तथा जो श्री गंगानर
में स्थित है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
1 नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उमरावमल पुत्र श्री सोहनलाल निवासी 38,
आराणसी घोष स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(2) सर्वथी 1. खयालीराम पुत्र छबीलशास 2. रत्न कुमार
पुत्र हरकचंद 3. नवरंगराय पुत्र श्री कालू राम 4.
नागरमल पुत्र रूपराम 5. श्रीमति स्नेहलता पत्नि श्री
बाल किशन निवासी श्री गंगानगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मरब्बा नं० 48, 1-ए छोटी तहसील एवं जिला श्रीगंगानगर
में 5 बोधा कृषि भूमि जो और अधिक विस्तृत रूप से उप-
पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2435 दिनांक 1 नवम्बर
1975 को पंजीयक विश्वास पत्र में वर्णित है ।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 7 जून 1976
मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० ए० ए० स०

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जे 3/75(18)/35/राज०/सहा आ० अर्जन/
339—यतः मुझे, सी० ए० स० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269व, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 200 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रेष्ठ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रेष्ठतः:—

(1) श्री ओंकारनाथ पुत्र श्री श्रीरामजी महाजन, अग्रवाल निवासी प्लाट नं० 200, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगादास लोया महेश्वरी पुत्र श्री जमनादास लोया निवासी न्यू अनाज मंडी, चान्दपोल बाजार, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 200, बापू नगर, राजेन्द्र मार्ग, जयपुर पर निर्मित सम्पत्ति का असीमित 1/5 हिस्सा जो उप पंजिक, जयपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 3523 दिनांक 20 अक्टूबर 1975 में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० ए० स० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 7 जून 1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जे-3/75(18)/36/राज०/सहा० आ० अर्जन/340—यतः महे, सी एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० प्लाए नं० 200 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20
अक्टूबर 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् :—

(1) श्री ग्रोकारनाथ पुद्र श्री श्रीरामजी महाजन अश्वदाल
निवासी प्लाट नं० 200, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर
जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री भवरलाल लोया महेश्वरी पुत्र श्री गंगादास लोया,
निवासी नई आनज मंडी, चान्दपोल बाजार, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 200, बापूनगर, राजेन्द्र मार्ग, जयपुर पर निर्मित
सम्पत्ति का असीमाक्षित 1/5 हिस्सा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा
पंजिबद्ध विक्रय पत्र अ० सं० 3524 दिनांक 20 अक्टूबर 75 में
प्रीत्र अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है ।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-6-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जे-3/75(18)/37/राज०/सहा० आ० अर्जन/
341—यतः मुझे, सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट नं० 200 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922, (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए;
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ओंकारनाथ पुत्र श्री श्रीरामजी महाजन, अग्रवाल
निवासी प्लाट नं० 200, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर,
जयपुर

(अन्तरक)
(2) श्री नन्दकिशोर लोया महेश्वरी पुत्र श्री गंगादास
लोया निवासी न्यू अनाज मंडी, चान्दपोल बाजार,
जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमुसूची

प्लाट नं० 200, बापूनगर, राजेन्द्र मार्ग, जयपुर पर निर्मित
सम्पत्ति का असीमांकित 1/5 हिस्सा, जो उप पंजियक, जयपुर
द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र क्र० सं० 3525 दिनांक 20-10-75 में
ओर अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 7-6-76

मोहर :

प्रस्तुति श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जे-3/75(18)/38/राज०/सहा० आ० अर्जन/
342—यतः मुझे, सी० एस० जैन

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० प्लाट नं० 200 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से से अंगित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अक्टूबर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्:—

(1) श्री ओंकारनाथ पुत्र श्री श्रीरामजी महाजन, अग्रवाल, निवासी प्लाट नं० 200, राजेन्द्रमार्ग, बापूनगर, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्री बद्रीनारायण लोया महेश्वरी पुत्र श्री गंगावास लोया निवासी नई अनाज मंडी, चान्दपोल बाजार, जयपुर।
(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 200, बापूनगर, राजेन्द्र मार्ग, जयपुर पर निर्मित सम्पत्ति का असीमांकित 1/5 हिस्सा, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र नं० सं० 3526 दिनांक 20 अक्टूबर 1975 में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7 जून 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० जे-3/75(18)/39/राज०/सहा० आ० अर्जन/ 343—यतः मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 200 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रोफेक्टरनाथ पुढ़ श्री श्रीरामजी महाजन, अग्रवाल निवासी प्लाट नं० 200, राजेन्द्र मार्ग, बापू नगर, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार लोया माहेश्वरी पुढ़ श्री गंगावास लोया निवासी नई अनाज मंडी, चान्दपोल बाजार, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 200, बापूमगर, राजेन्द्र मार्ग जयपुर पर निर्मित सम्पत्ति का असीमाकित 1/5 हिस्सा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र क्र० सं० 3527 दिनांक 20 अक्टूबर 75 में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 7 जून 1976
मोहर :

प्राप्त प्राइवेट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० बी-18/75(20)/257/राज०/सहा० आ० अर्जन/
344—यतः मुझे, सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सम्पत्ति सं० 36 है तथा जो व्यावर में स्थित
है, (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15
अक्टूबर 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वश्री शान्तिचन्द्र पुत्र सुमेरचन्द्र मुहता 2. मोहनमल
पुत्र कानमल मुहता 3. चन्द्रराज पुत्र विजयराज मुहता
एवं 4. बाधमल पुत्र चान्दमल मुहता सभी निवासीयान
जोधपुर, स्वयं की तरफ से, उनके अविभाजित
हिन्दू परिवार की तरफ से एवं मूथाजी का मंदिर,
नागोरीगेट जोधपुर, प्राइवेट ट्रस्ट की प्रबन्धकीय
समिति के सदस्यों की उनकी हैसियत से।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दाखू बाई विधवा श्री सायर चन्द महाजन
निवासी मद्रास
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 36, मोहल्ला सुनारान, व्यावर का भाग,
जो और अधिक विस्तृत रूप से विक्य पत्र दिनांक 9 अक्टूबर
1975, जो उप विधियक व्यावर द्वारा क्रमांक 2351 दिनांक
15-10-1975 पर पंजीबद्ध किया गया, में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 7 जून 1976

भोजर :

प्र० पृष्ठा ३१० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० बी-18/75(20)/258/राज०/सहा० आ०
अर्जन/345—यतः मुझे, सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति नं० 36 है तथा जो व्यावर
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धनं या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-146GT/76

(1) सर्वेश्वी शान्तिचन्द्र पुत्र सुमेरचन्द्र मुहता 2. मोहनमल
पुत्र कानमल मुहता 3. चन्द्रराज पुत्र विजयराज
मुहता एवं 4. आधमल पुत्र चान्दमल मुहता सभी
निवासीयान जोधपुर, स्वर्य की तरफ से, उनके
अविभाजित हिन्दु परिवार की तरफ से और
मूर्याजी का भंदिर प्राह्वेट द्रस्ट, नागौरी गेट,
जोधपुर की प्रबन्धकीय समिति के सदस्यों की
उनकी हैसियत से।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमराव कंवर पन्नि श्री रत्नलालजी
महाजन ओसवाल निवासी व्यावर जिला अजमेर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 36, मोहल्ला सुनारान, व्यावर का भाग, जो
ओर अधिक विस्तृत रूप से विक्रय पत्र दिनांक 9-10-1975,
जो उप पंजियक व्यावर द्वारा क्रमांक 2350 दिनांक
15-10-1975 पर पंजियक बद्ध किया गया, में विवरणित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 जून 1976

निर्देश सं० बी-18/75(20)/259/राज०/सहा० ग्रा० अर्जन/
346—यतः मुझे, सी० एस० जैन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की म० सम्पत्ति सं० 36 है तथा जो व्यावर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 15-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त मापदंश
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेजण
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री शान्तिचन्द्र पुत्र सुमेरचन्द्र मुहता 2. मोहनमल
पुत्र कानमल मुहता 3. चन्द्रर राज पुत्र विजयराज
मुहता एवं 4. बाधमल पुत्र चान्दमल मुहता सभी
निवासीयान जोधपुर, स्वयं की तरफ से, उनके
अविभाजित हिन्दू परिवार की तरफ से एवं
मूर्खाजी का मंदिर, प्राह्वेट इस्ट, नागोरी गेट जोधपुर
की प्रबन्धकीय समिति के सदस्यों की उनकी
हैसियत से।
(अन्तरक)

(2) श्री रत्नलाल पुत्र श्री विजयलाल महाजन श्रीसवाल
निवासी व्यावर जिला अजमेर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के रापजव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रापजव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 36, मोहल्ला सुनारान, व्यावर का भाग,
जो और अधिक विस्तृत रूप से विक्य पत्र दिनांक 8-10-75
जो उप पंजियक, व्यावर द्वारा क्रम सं० 2341 दिनांक
15-10-1975 पर पंजियक द्वारा में विवरणित है।

सी० एम० जैन
मकान प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7-6-1976

मोहर :

प्रह्लप श्राई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निवेद सं० ए० एस० आर०/14/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सगर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० संपत्ति का हिस्सा नं० 897/10 और 1285/10
है तथा जो ढाव खटीकां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारि:—

1. श्रीमती कांता सहगल पत्नी श्री प्यारे लाल और श्री
ललित कुमार पुत्र श्री भगवान दास 483 माडल टाउन नुधियाना
(अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्ण कपूर पत्नी श्री जगदीश चन्द श्री योगेश
मेहरा पुत्र दीवान चंद मेहरा बासी ढाव खटीकां, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराएदार यदि कोई है (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति का हिस्सा नं० 897/10 और 1285/10 ढाव खटीकां
अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1948 अक्टूबर, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 29-4-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल, 1976

निवेश सं० ASR/15/76-77—यतः मुझे बी० आर० सगर,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० संपत्ति का हिस्सा दाव खटीकां, अमृतसर है तथा
जो नं० 897/10/1285/10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्डह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री ललित कुमार पुत्र श्री भगवान दास, श्रीमती कान्ता
सहगल पुत्री श्री भगवान दास पत्नी श्री प्यारे साल घासी 483
माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री राकेश कुमार पुत्र श्री जगदीश चंद वासी ढाब खटीकां,
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में सूचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
निम्नान्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति का हिस्सा नं० 897/10 और 1285/10 दाव खटीकां
अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1974 अक्टूबर, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० एस० आर०/16/76-77—यतः मुझे बी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० संपत्ति का भाग है तथा जो नं० 897/10 व
1285/10 छाब खटीकां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है, मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कान्ता सहगल पत्नी श्री प्यारे लाल तथा श्री
ललित कुमार सुपुत्र श्री भगवान दास, आर-483 माडल टाउन,
लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्ण कपूर पत्नी श्री जगदीश चन्द बासी छाब,
खटीकां, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएँदार, यदि हों। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति का भाग नं० 897/10 व 1285/10 छाब खटीकां,
अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1988 अक्टूबर, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप साई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 29 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० एस० आर०/१७/७६-७७—यतः मुझे,
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० संपत्ति का भाग है तथा जो नं० 897/10 व 1285/10 द्वाव खटीका अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अक्तूबर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भञ्जने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा

(1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कान्ता सहगल पत्नी श्री प्यारे लाल तथा श्री ललित कुमार सुपुत्र श्री भगवान दास वासी आर-483 माडल टाऊन, लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्री रमेश कपूर सुपुत्र श्री जगदीश चन्द वासी ढाव खटीका, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हच्चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति का भाग नं० 897/10 व 1285/10 द्वाव खटीका अमृतमर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2002 अक्तूबर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० पी एच जी०/१८/७६-७७—यतः, मुझे, वी०
गर० सगर, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दूकान नं० 86-87/1 है तथा जो बंगा रोड़, फगवाड़ा से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम नाथ दिसवार मुपुत्र श्री इन्द्र राम रेतवे रोड़, फगवाड़ा।
(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश मुपुत्र श्री अमर चन्द्र टिम्बर मर्चेन्ट, नजदीक स्टेट बैंक आध इण्डिया, नई मण्डी, फगवाड़ा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएँदार, यदि हों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास (दफ्तर में किए जा सकेंगे)।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वर्णी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

दूकान नं० 86-87/1 बंगा रोड़ फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1281, अक्टूबर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

तारीख: 29-4-1976

मोहर:

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

प्ररूप आई० टी०० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० बी टी डी०/19/76-77—यतः, मुझे, बी०
आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है, तथा जो भट्टिंडा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,

1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्राप्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरचरन सिंह सुपुत्र श्री रत्न सिंह सुपुत्र श्री दल सिंह
नजदीक पंज रत्न होटल गुनियाना रोड भट्टिंडा। (अन्तरक)

2. मैसर्स पंज रत्न होटल, गुनियाना रोड, भट्टिंडा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट भट्टिंडा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
2888, अक्टूबर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिंडा
में है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

तारीख: 29-4-1976

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० बी टी डी०/20/76-77—यतः, मुझे, वी०
आर० सगर, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो भट्टिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्टिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-146 GI/76

1. श्री चरनजीत सिंह सुप्रुत श्री शुरचरन सिंह सुप्रुत श्री रत्न सिंह नजदीक पंज रत्न होटल, गुनियाना रोड, भट्टिंडा। (अन्तरक)
2. मैसर्स पंज रत्न होटल गुनियाना रोड, भट्टिंडा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में हच्छा होता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट भट्टिंडा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2889, अक्तूबर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिंडा में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० बी टी डी०/21/76-77—यतः, मुझे, वी०
आर० सगर, आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो भट्ठा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भट्ठा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अर्जिदर सिंह पुत्र श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री रतन सिंह नजदीक पंज रत्न होटल गुनियाना रोड, भट्ठा। (अन्तरक)

2. मैसर्स पंज रत्न होटल गुनियाना रोड, भट्ठा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है और किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में दृचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा भट्ठा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2890, अक्टूबर, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्ठा में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, अमृतसर

तारीखः 29-4-1976

मोहरः

प्रॅलप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, I अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निदेश सं० बी० टी० वी०/22/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० संपत्ति है तथा जो बरनाला भटिंडा रोड़ रामपुरा-
फूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री काहला सिंह आसी भटिंडा
बरनाला रोड़, रामपुराफूल।
(अन्तरक)

2. श्री वलदेव कृष्ण पुत्र श्री राम जी दास, श्रीमती कुलदीप
कौर पत्नी तोगा सिंह, श्री तोगा सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह मार्फत
नेशनल ट्रैक्टर, भटिंडा बरनाला रोड़, रामपुराफूल भटिंडा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर ऊपर और किराएदार यदि कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करसा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, उनीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति, बरनाला भटिंडा रोड़, रामपुराफूल जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 2049, 2050, 2051 अक्टूबर 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रामपुराफूल में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 जून 1976

निदेश सं० 1567—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,

1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबा गुरदास राम बेदी सुपुत्र बाबा सलामत राय मण्डी फैटनगंज, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री कश्मीर चंद एण्ड अमीरचंद सुपुत्र श्री हरदयाल मण्डी फैटनगंज, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीक्युल विसेख नं० 6633 अक्टूबर 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-6-1976

मोहर:

SHRAM MANTRALAYA

SHRAM BUREAU

Simla-171004, the 10th July 1976

No. 23/3/76-CPL.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by one point to reach 290 (Two hundred and ninety) during the month of May, 1976. Converted to base : 1949=100 the Index for the month of May, 1976 works out to 352 (three hundred and fifty two).

S. RAY,
Deputy Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th June 1976

No. E(I)04348.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. R. Malik, Prof. Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 7-5-76 to 3-8-76.

Shri Malik, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 11th June 1976

No. E(I)04210.—On attaining the age of superannuation, Shri J. K. Sane, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Agricultural Meteorology, Poona, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st May, 1976.

No. E(I)05868.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 20-5-76 to 16-8-76.

Shri Chander Parkash, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)06059.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 18-5-76 to 14-8-76.

Shri Gupta, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)04296.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. N. Sen, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 10-5-1976 to 6-8-1976.

Shri R. N. Sen, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 15th June 1976

No. E(I)05485.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 3-6-76 to 30-8-76.

Shri Kundra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 16th June 1976

No. E(I)04287.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Sundaresa Rao, Prof. Assistant, Regional Meteorological Centre, Madras, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 9-4-76 *vide* this Department Notification No. E(I)04287 dated 29-3-76, to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a further period of FIFTEEN days with effect from the forenoon of 10-4-76 to 24-4-76.

Shri Sundaresa Rao, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)04381.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. G. Lele, Prof. Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 21-5-76 to 17-8-76.

Shri Lele, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)07161.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Onkari Prasad, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 10-5-76 to 6-8-76.

Shri Onkari Prasad, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 17th June 1976

No. E(I)05481.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Bhan, Professional Assistant, office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 27-5-76 to 23-8-76.

Shri Bhan remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

No. E(I)04264.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ashesh Ghosh, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 21-5-76 to 17-8-76.

Shri Ashesh Ghosh, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th June 1976

No. A:31011/1/73-EC.—The President is pleased to appoint the following Officers in a substantive capacity in the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each :—

Name of the Officer and Date :

1. Shri S. C. Majumdar—27-3-64.
2. Shri K. V. N. Murthy—27-3-64.
3. Shri R. S. Goela—12-3-65.
4. Shri M. S. Krishnan—31-8-70.
5. Shri Subrata Kumar Dass—3-7-73.
6. Shri A. Narendra Nath—3-7-73.
7. Shri B. S. Grewal—3-7-73.
8. Shri C. R. Narasimham—3-7-73.
9. Shri B. R. Chatzvedi—1-10-73.
10. Shri O. C. Alexander—1-10-73.
11. Shri J. K. Bhattacharya—1-10-73.
12. Shri C. V. Venkatesan—1-10-73.
13. Shri P. S. Dhunta—1-10-73.
14. Shri S. V. Iyer—1-10-73.
15. Shri R. S. Ajmani—16-6-74.
16. Shri K. Ramalingam—16-6-74.
17. Shri S. Ramachandran—16-6-74.
18. Shri H. V. Sudershan—6-9-74.
19. Shri S. K. Chandra—6-9-74.
20. Shri Suresh Chandra—6-9-74.
21. Shri G. V. Koshy—6-9-74.
22. Shri A. K. Misra—6-9-74.
23. Shri P. R. Suryanandan—6-9-74.
24. Shri K. V. Rao—21-11-74.
25. Shri N. K. Nanu—21-11-74.
26. Shri A. Ramanathan—21-11-74.
27. Shri D. C. Mehta—3-10-75.
28. Shri V. K. Babu—3-10-75.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 14th June 1976

No. A.32013/18/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/17/75-EC dt. 27-2-1976; the President is pleased to continue the appointment of Shri P. L. Bhargava, Asstt. Director of Communication as Regional Controller of Communication, Safdarjung Airport, New Delhi for a further w.e.f. the 1-4-1976 to 30th June, 1976.

No. A.32014/2/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two officials on *ad-hoc* basis in the grade of Assistant Technical Officer and Assistant Communication Officer respectively from the date indicated against each and to post them at Aeronautical Communication Station, Madras *vice* S/Shri V. Srinivasan, A.T.O. and S. Krishnaswamy, A.C.O. granted earned leave :—

Name and designation & Date of assumption of Charge :

1. Shri T. Visweswar, Tech. Asstt.—26-4-1976 (FN).
2. Shri M. Subramanian, Comm. Asstt.—26-4-1976 (FN).

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 2nd June 1976

No. A.32013/8/75-EH.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Chandrasekhar, in a substantive capacity, in the grade of Deputy Director, Research & Development, in the Civil Aviation Department with effect from the 23rd September, 1975.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 10th June 1976

No. A.32013/1/75-EC.—The President is pleased to appoint the following two officials at present officiating as Senior Technical Officer/Asstt. Director of Communication respectively in the grade of Dy. Director/Controller of Communication on regular basis and until further orders as per the details indicated against each :—

S. No., Name and Designation, Date of Posting and Station of Posting :

- (1) Shri S. C. Majumdar, Sr. Technical Officer, 7-5-1976 (FN), Radio Construction & Development Units, New Delhi.
- (2) Shri R. S. Goela, Asstt. Director (Comm), 28-4-1976 (FN), D.G.C.A., New Delhi.

2. The President is also pleased to grant *proforma* promotion to Shri K. V. N. Murthy, Asstt. Director of Communication and at present on U.N.D.P. Assignment, U.S.A., to the grade of Dy. Director of Communication/Controller of Communication on regular basis with effect from the 28-4-1976 (FN) and until further orders.

V. V. JOHRI
Asstt. Director (Administration)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 7th June 1976

No. 1/98/76-EST.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri G. S. Chattwal, Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 12th April, 1976 and until further orders, against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

Bombay, the 8th June 1976

No. 1/405/76-EST.—Shri M. S. Mani, Permanent Superintendent, Madras Branch is appointed as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in D.T.S. Poona, with effect from the forenoon of the 1st May, 1976 and until further orders.

No. 1/408/76-EST.—Shri K. J. Khanna is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the O.C.S., Switching Complex, Bombay w.e.f. the forenoon of the 1st May, 1976 and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Calcutta, the May 1976

No. 16/75.—Shri N. Roy, EO(S/G) is promoted to officiate as Appraiser with effect from forenoon of 12-11-74 until further orders.

No. 17/75.—Shri A. K. Biswas, EO is promoted to officiate as Appraiser with effect from forenoon of 25-1-75 until further orders.

No. 18/75.—Shri A. C. Roychoudhury, EO is promoted to officiate as Appraiser with effect from forenoon of 25-1-75 until further orders.

No. 19/75.—Shri J. N. Bhattacharya, EO is promoted to officiate as Appraiser with effect from forenoon of 25-1-75 until further orders.

No. 20/75.—Shri G. C. Dey, EO is promoted to officiate as Appraiser with effect from forenoon of 25-1-75 until further orders.

No. 21/75.—Shri Sunil Chandra Rohatgi (non-Expert) is appointed as a direct recruit Appraiser with effect from forenoon of 1-4-75 on probation until further orders.

No. 22/75.—Shri Ajit Kumar Mandal, C. Gr-I (Drug and Pharmaceutical Expert) is appointed as a direct recruit Appraiser with effect from forenoon of 2-4-75 on probation until further orders.

No. 23/75.—Shri D. Sirkar EO (SG) has been promoted to officiate as Appraiser with effect from forenoon of 5-4-75 until further orders.

No. 24/75.—Shri P. K. Chakravorty I, Appraiser retired from Service with effect from afternoon of 28-2-75.

No. 25/75.—Shri A. C. Relwani, Appraiser retired from service with effect from afternoon of 31-1-75.

No. 26/75.—Shri Deb Kumar Datta is appointed as a direct recruit Appraiser (Non-Expert) with effect from forenoon of 9-6-75 on probation until further orders.

No. 27/75.—Shri Saroj Kumar Pal, is appointed as a direct recruit Appraiser (Machinery Expert, Electrical) with effect from forenoon of 31-5-75 on probation until further orders.

D. N. LAL
Collector of Customs
Calcutta

Nagpur-440001, the 10th June 1976

No. 7.—Consequent upon his re-instatement as Officiating Superintendent of Central Excise, Class-II, Shri A. K. Khan the then Superintendent of Central Excise Nagpur Collectorate assumed charge as Superintendent (Smt.) Central Excise Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 23rd February, 1976.

No. 8.—Consequent upon his appointment as Officiating Administrative Officer of Central Excise, Class-II, Shri M. S. Nare, Office Superintendent, Central Excise of Nagpur Collectorate has assumed the charge as Administrative Officer, Central Excise Division, Amravati in the afternoon of the 6th May, 1976.

M. S. BINDRA
Collector

NARMADA WATER DISPUTES TRIBUNAL.

New Delhi-110048, the 9th June 1976

No. J9/20/73-NWDJ.—Consequent on his retirement from the High Court of Kerala, Shri M. K. Krishnan, relinquished charge of the Office of P.S. to Member, NWDJ on the forenoon of 1st May, 1976.

2. Shri M. K. Krishnan a retired Section Officer of the High Court of Kerala, assumed charge of the post of Private Secretary to Member, Narmada Water Disputes Tribunal on re-employment basis, with effect from the forenoon of 1st May, 1976, until further orders.

P. R. BOSE
Secretary
Narmada Water Disputes Tribunal

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 14th June 1976

No. 30/7/75-ECI.—The President is pleased to confirm the following Assistant Executive Engineers (Civil & Elect) recruited as probationers to Central Engineering Service Class I and Central Electrical Engineering Service Class I in the C.P.W.D. on the basis of Combined Engineering Services Examination, 1971 in their appointment in the grade of Assistant Executive Engineer with effect from the dates indicated against their names :—

Name, Grade and Date :

1. Shri Anil Kumar—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
2. Shri J. L. Khushu—Asstt. Executive Engineer (Civil)—28-12-74.
3. Shri R. Subramanian—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
4. Shri V. Thiruvengadum—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-11-74.
5. Shri S. K. Dhawan—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
6. Shri K. K. Mutreja—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
7. Shri S. S. Jasrotia—Asstt. Executive Engineer (Civil)—30-10-74.
8. Shri A. K. Bhatnagar—Asstt. Executive Engineer (Civil)—27-1-75.
9. Shri A. K. Satin—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
10. Shri G. S. Mehta—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
11. Shri Vasudev Nainani—Asstt. Executive Engineer (Civil)—9-10-74.
12. Shri H. K. Srivastava—Asstt. Executive Engineer (Civil)—14-11-74 (AN).
13. Shri Debabrata Hore—Asstt. Executive Engineer (Civil)—18-12-74.
14. Shri N. Nagarajan—A.E.E. (Elect)—25-11-74.
15. Shri Mohan Swaroop—A.E.E. (Elect)—21-11-74.
16. Shri A. K. Goel—A.E.E. (Elect)—1-12-74.
17. Shri J. B. Fadia—A.E.E. (Elect)—21-11-74.
18. Shri V. K. Kapoor—A.E.E. (Elect)—21-11-74.
19. Shri K. K. Sharma—21-11-74.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admin.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 7th June 1976

No. 6/2/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants/Supervisors to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri M. R. Bhati—27-3-76.
2. Shri Satish Kumar—I—23-4-76.
3. Shri Kuldip Singh—I—21-4-76.
4. Shri R. C. Gupta—17-5-76.
5. Shri S. K. Vaid—25-5-76.
6. Shri I. K. Nijhawan—25-5-76.
7. Shri Vinod J.R. 25-5-76.
8. Shri Ramesh Bahri—25-5-76.
9. Shri R. K. Kachroo—25-5-76.

S. BISWAS
Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

WARNING TO ROAD USERS

New Delhi, the 15th June 1976

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public, that in connection with the introduction of 25 kV A.C. electric traction in the Section Ghaziabad (Excl) to New Delhi (incl) via Goods Avoding Line of the Northern Railway (Structures No. KM 18/29 and 24 to Km 1539/8-11) height gauges have been erected at all level crossings with a clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 in.) above road level with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :

- (i) The height gauge would be thrown out causing obstruction to the road as well as to the Railway line;
- (ii) The materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductors

A. L. GUPTA
Secretary, Railway Board

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 25th May 1976

No. HPB/220/G/II/W.—Shri H. S. Bajpai, Officiating Class II Officer of the Civil Engineering Department is confirmed in Class II service as Assistant Engineer in that Department from 1-2-1976.

The 10th June 1976

No. HPB/220/G/II/S.—The following officers are confirmed in Class II service of the Stores Department of this Railway with effect from the dates shown against each :

Name of the Officer and Date from which confirmed in Cl. II service :

1. Shri K. S. Rao—16-8-1973.
2. Shri S. K. Khandekar—2-8-1974.
3. Shri M. S. Kelkar—1-11-1974.
4. Shri L. A. Korlhalli—8-7-1975.
5. Shri S. J. Andrews—8-7-1975.

KRISHAN CHANDRA
General Manager

No. HPB/220/G/H.—The following Assistant Medical Officers are confirmed in Class II of the Indian Railway Medical Service from the date shown against each :

Sr. No., Name and Date of Confirmation :

1. Dr. H. G. Shrivastava—1-1-66.
2. Dr. K. R. Dhodapkar—1-1-66.
3. Dr. V. R. Bakane—1-1-66.
4. Dr. H. C. Banerjee—1-1-66.
5. Dr. B. C. Gayen—1-1-66.
6. Dr. R. M. Iyer—1-1-66.
7. Dr. D. Roy—1-1-66.
8. Dr. A. Ghosh—1-1-66.
9. Dr. K. S. Thakkar—1-1-66.
10. Dr. S. K. Pal—1-1-66.
11. Dr. (Mrs.) B. Chakravarty—1-1-66.
12. Dr. K. D. Chattopadhyay—1-1-66.
13. Dr. (Mrs.) Asha Kapuria—1-1-66.
14. Dr. R. Nigam—1-1-66.
15. Dr. M. S. Ugale—1-1-66.
16. Dr. P. K. Biswas—1-1-66.
17. Dr. K. N. Mallik—1-1-66.
18. Dr. P. K. Payne—1-1-66.
19. Dr. J. B. Adhya—1-1-66.
20. Dr. D. K. Dutta—1-1-66.
21. Dr. B. C. Balomajumdar—1-1-66.
22. Dr. P. K. Pal—1-1-66.
23. Dr. K. P. Ghosh—1-1-66.
24. Dr. S. C. Adhikari—1-1-66.
25. Dr. M. N. Absar—1-1-66.
26. Dr. H. K. Acharya—1-1-66.
27. Dr. P. C. Mukherjee—1-1-66.
28. Dr. A. C. Johari—1-1-66.
29. Dr. G. K. Advani—1-1-66.
30. Dr. C. L. Mehra—1-1-66.
31. Dr. M. A. Ansari—1-1-66.
32. Dr. S. P. Roy—1-1-66.
33. Dr. S. G. Shrikhande—1-1-66.
34. Dr. P. K. Mullck—1-1-66.
35. Dr. P. B. Chaudhary—1-1-66.
36. Dr. S. B. Ghosh—1-1-66.
37. Dr. S. M. Bhowmick—1-1-66.
38. Dr. B. D. Palod—1-1-66.
39. Dr. L. M. Sharma—1-1-66.
40. Dr. (Miss.) A. Rajamani—1-1-66.
41. Dr. D. P. Sinha—1-1-66.
42. Dr. K. K. Guru—1-1-66.
43. Dr. T. M. Saha—1-1-66.
44. Dr. G. T. Abuja—1-1-66.
45. Dr. B. K. Biswas—1-1-66.
46. Dr. V. B. Puri—1-1-66.
47. Dr. (Mrs.) A. K. Parikh—1-1-66.
48. Dr. A. K. Shawndilay—1-1-66.
49. Dr. B. S. Panwar—1-1-66.
50. Dr. N. K. Majumdar—1-1-66.
51. Dr. G. B. Ghodke—1-1-66.
52. Dr. D. N. Upasani—1-1-66.
53. Dr. M. B. Walkar—1-1-66.
54. Dr. S. N. Pal—1-1-66.
55. Dr. B. S. Virha—1-1-66.
56. Dr. (Mrs.) F. L. Thakur—1-1-66.
57. Dr. (Mrs.) K. R. Dane—1-1-66.
58. Dr. S. P. Kshirsagar—1-1-66.
59. Dr. R. S. Dane—1-1-66.
60. Dr. P. C. Jain—1-1-66.
61. Dr. B. V. Ramteke—1-1-66.
62. Dr. M. S. Vadalkar—1-1-66.
63. Dr. V. G. Joglekar—1-1-66.
64. Dr. (Mrs.) K. V. Joglekar—1-1-66.
65. Dr. S. B. Sangamnerkar—1-1-66.
66. Dr. S. D. P. Choudhary—1-1-66.
67. Dr. J. R. Gaikwad—1-1-66.
68. Dr. V. B. Gade—1-1-66.
69. Dr. P. T. Mohite—1-1-66.
70. Dr. P. A. Kulkarni—1-1-66.
71. Dr. V. N. Bapat—1-1-66.
72. Dr. (Mrs.) Hoor Mohan—1-1-66.
73. Dr. R. D. Maiskar—1-1-66.
74. Dr. P. S. Maheshwari—1-1-66.
75. Dr. M. V. Kulkarni—1-1-66.
76. Dr. N. F. Gajbhe—1-1-66.
77. Dr. (Mrs.) J. G. Ballani—1-1-66.
78. Dr. (Mrs.) G. A. Cotter—1-1-66.
79. Dr. S. R. Sakha—1-1-66.
80. Dr. Chintamani—1-1-66.
81. Dr. V. G. Saoji—1-1-66.
82. Dr. (Mrs.) P. M. Rao—1-1-66.
83. Dr. A. Das Gupta—1-1-66.
84. Dr. B. M. Agarwal—1-1-66.
85. Dr. J. R. Chandrakar—1-1-66.
86. Dr. J. P. Nigam—1-1-66.
87. Dr. A. P. Jain—1-1-66.
88. Dr. R. V. Deshpande—1-1-66.
89. Dr. (Mrs.) K. N. Shambharkar—1-1-66.
90. Dr. V. K. Vyas—1-1-66.
91. Dr. (Mrs.) S. P. Gupta—1-1-66.
92. Dr. M. D'Costa—1-1-66.
93. Dr. K. S. Abhyankar—1-1-66.
94. Dr. M. V. Amardekar—1-1-66.
95. Dr. D. C. Dantre—1-1-66.
96. Dr. S. K. Khaonna—1-1-66.
97. Dr. C. M. Komalkar—1-1-66.
98. Dr. (Mrs.) U. M. Mokashi—1-1-66.
99. Dr. M. L. Bangade—1-1-66.
100. Dr. S. H. Fulezele—1-1-66.
101. Dr. Shankarlal—1-1-66.
102. Dr. S. S. Parikh—1-1-66.
103. Dr. P. K. Mehta—1-1-66.
104. Dr. P. V. Joshi—1-1-66.
105. Dr. R. K. Jaiswal—1-1-66.
106. Dr. P. C. Khuble—1-1-66.
107. Dr. A. P. Gupta—1-1-66.
108. Dr. A. K. Chaturvedi—1-1-66.
109. Dr. R. A. Khan—1-1-66.
110. Dr. D. B. Jain—1-1-66.
111. Dr. V. B. Meshram—1-1-66.

112. Dr. H. N. Seksaria—1-1-66.
 113. Dr. M. C. Vashistha—1-1-66.
 114. Dr. Ramkumar Singh—1-1-66.
 115. Dr. R. K. Shrivastava—15-4-69—*Vice* Dr. S. K. Pal, resigned from 14-4-69.
 116. Dr. (Mrs.) D. J. Parikh—1-7-74—*Vice* Dr. B. D. Srivastava retired from 30-6-74.
 117. Dr. R. K. Agarwal—23-10-74—*Vice* Dr. R. V. Deshpande Resigned from 20-10-74.
 118. Dr. Ravi Prakash—1-11-74—*Vice* Dr. D. V. Tillu. Retired from 31-10-74.

KRISHAN CHANDRA
General Manager

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 8th June, 1976

No. P/G/14D/2/Conf/Pt. II.—The following officiating Class II Officers are confirmed in Class II service on this Railway w.e.f. the date noted against each :—

Name	Confirmed in the capacity of	Date of Confirmation
1. Shri S. P. Bose	Compilation Officer (Class II)	10th August, 1973
2. Shri B. Rama Rao	Asstt. Accounts Officer (Class II)	1st. February, 1975

M. MENEZES, General Manager

NORTHERN RAILWAY

HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 11th June 1976

No. 13.—The following officers of Transportation (Traffic) & Comm'l. Dep'tt., N. Rly. have retired from Rly. Service from the date noted against each :—

Name of Officer and Date of retirement :

1. Shri J. Hajpal, ASCA/Kanpur—30-7-75.
 2. Shri H. L. Bhalla, SCO/HQ—31-10-75.
 3. Shri G. C. Batra, SS/New Delhi—31-10-75*.
 4. Shri S. M. A. Rizvi, AOS/LKO—31-12-75.
 5. Shri Chan Prakash, ACO (Ctg) HQ—31-1-76.
 6. Shri Sohan Singh, DOS/BKN—20-2-76*.
 7. Shri T. S. Saxena, Dy. CCS/BSB—31-3-76.
 8. Shri R. K. Chaddha, STO (Safety) HQ—30-4-76*.
 9. Shri G. R. Sholapukar, SCO (M&S) HQ—30-4-76.
- *Re-employed for one year from the date of Retirement.

P. R. PUSALKAR
General Manager

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 8th June 1976

No. P.3/1.—In continuation of Department of Rehabilitation, Government of India's Notification No. 6(97)/73-RH.III dated 4-8-75, the *ad-hoc* appointment of Sri Jagir Singh as Assistant Engineer in Rehabilitation Reclamation Organisation is extended with effect from 1-12-75 to 29-12-75.

2. On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Sri Jagir Singh, who was officiating as Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from 14-3-73, is

17—146G1/76

promoted to the said post of Assistant Engineer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in Rehabilitation Reclamation Organisation on regular basis with effect from the forenoon of 30-12-75. He is kept on probation for a period of one year, effective from the said date.

3. This supersedes, this office notification No. P.3/1-dated 12-1-1976.

L.T. Col. M. PATTANAIK
Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Khubchand and Sons Private Limited

Shillong, the 8th June 1976

No. 1051/560/1264.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Khubchand and Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Assam Banking Corporation Limited

Shillong, the 9th June 1976

No. 641/560/1300.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Assam Banking Corporation Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISHTHA
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Common Pool Financiers Private Limited

Ahmedabad, the 14th June 1976

No. 1614/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Common Pool Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Ambica Saw Mills Private Limited

Ahmedabad, the 14th June 1976

No. 584/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Ambica Saw Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Fine Timbers Private Limited

Delhi, the 16th June 1976

No. 2346/10218.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Fine Timbers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

M. M. S. JAIN
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 14th May 1976
INCOME-TAX

No. JUR/DLI/I/76-77/5292.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in column I of the Schedule, herein below shall perform all the functions of an Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax Officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax District/Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-A, New Delhi.	1. Co. Circles-III, XII, XIII & XVI, New Delhi. 2. Spl. Circles-III, IV, & IV (Addl.), New Delhi.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-D, New Delhi.	1. Co. Circles-II, VII, X, XIV & XV and XIX, New Delhi. 2. Chartered Accountants Circle, New Delhi.

This notification shall take effect from 14-5-76.

No. JUR-DLI/I/76-77/5190.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling

No. JUR-DLI/I/76-77/2667.—In supersession of all previous orders u/s 124 and 127 on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income Tax Officers of Distt. VI mentioned in column 2 of the Schedule appended hereto shall perform their functions in respect of the areas, persons or classes of persons, Income or classes of income and cases or classes of cases specified in Column 3 of the said Schedule other than persons or classes of persons, Income or classes of income and cases or classes of cases which have been assigned under section 127 of the said Act by the Board to any other Income-tax Officer :—

2. Within the limits of the area assigned to any Income-tax Officer, he shall have jurisdiction :—
 - (a) in respect of any person carrying on a business or profession, if the place at which he carries on his business or profession is situated within the areas or where his business or profession is carried on in more places than one, if the principal place of his business or profession is situated within the area; and
 - (b) in respect of any other person residing within the area.
- (c) This notification shall have effect from 1-5-76.

SCHEDULE

S.No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1.	Income-tax Officer, Distt: VI(1), New Delhi.	(a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the following areas : Area bounded by Faiz Road on the East from its junction with Desh Bandhu Gupta Road and proceeding towards North to Rani Jhansi Road and then proceeding along Old Rohtak Road in the North and camp Cinema Road upto its crossing with Military Road and proceeding along Military Road upto its junction with Desh Bandhu Gupta Road and then on the Desh Bandhu Gupta Road upto the junction with Faiz Road, covering the following areas :— East Park Road, Model Basti, Faiz Road, Shidipura Manakpura, Tibbia College Road, Desh Bandhu Gupta Market, Prehlad Market, Kishan Ganj Phatak, Kishan Ganj, Sarai Rohilla, Anand Parbat and Anand Parbat in Industrial Area, old and New Rohtak Road including Industrial area, Where the last assessed/returned income is Rs. 35,000/- and above as on 30th April, 1976. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above. (c) All new assessees of the area mentioned in item (a) above.

him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 14-5-1976.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-I-D, New Delhi.

AVATAR SINGH
Commissioner of Income-tax
Delhi-I, New Delhi.

New Delhi, the 1st May 1976

No. JUR-DLI/II/76-77/2849.—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) of Section 123 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other enabling powers in this behalf and in supersession of all previous notification on the subject the Commissioner of Income tax, Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax, of the Ranges mentioned in Column I of the Schedule herein below shall perform all the function of an Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, under the said Act in respect of such areas or such persons or classes of persons or all such income or classes of income or all such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income Tax Officers of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule :—

SCHEDULE

Range	Income Tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Range-II-B, N. Delhi.	District: VI (1), VI (2), VI (3), VI (4), VI (5), VI (6), VI (7), VI (8), VI (9), VI (10), Lawyers' Circle-I, Lawyers' Circle-II, Trust Circle-I, Trust Circle-II, Estate Duty cum Income Tax Circle, Addl. Estate Duty cum Income Tax Circle.

This Notification shall take effect from 1-5-1976.

1 2

3

2. Income-tax Officer, Distt: VI(2), New Delhi

- (a) All persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the following area :—

Area bounded by Faiz Road on the East from its junction with Link Road to its crossing with Deshbandhu Gupta Road on the North from its junction with Faiz Road and upto crossing of Military Road, Military Road on the East from its crossing with Desh Bandhu Gupta Road upto its junction with Arya Samaj Road and Arya Samaj Road on the South from its crossing with Military Road to its junction with Link Road and covering the following areas:

Portions of Ajmal Khan Road and Arya Samaj Road, Naiwala, Chhapparwala, Bank Street, Hardian Singh Road, Ghaffar Market, and portions of Beadonpura, Dev Nagar, Regharpura, WEA, where the last assessed/returned income is Rs. 35,000/- and above as on 30th April, 1976.

- (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
 (c) All new assessees of the jurisdiction mentioned in item (a) above.

3. Income-tax Officer, Distt. VI(3), New Delhi.

- (a) All persons or classes of persons, incomes and classes of income and cases or classes of cases falling within the following area :—

Area bounded by Pusa Road on the South from its junction with Link Road up to its crossing with Patel Road, Super Bazar Road on the West from its crossing with Patel Road to its junction with Arya Samaj Road and Arya Samaj Road on the North from its crossing with Super Bazar Road to its junction with Link Road and covering the following areas :—

Channana Market and portions of WEA, Ajmal Khan Road, Arya Samaj Road, Pusa Road, Sat Nagar, Regharpura, Dev Nagar, Beadonpura.

Where the last assessed/returned income is Rs. 35,000/- and above as on 30th April, 1976.

- (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
 (c) All new assessees of the area mentioned in item(a) above.

4. Income-tax Officer, Distt. VI(4), New Delhi,

- (a) All persons or classes of persons incomes or classes of income and cases or classes of cases falling within the following area :—

Area bounded by Super Bazar Road on the East from its junction with Patel Road to its crossing with Arya Samaj Road, Camp Cinema Road on the North from its junction with Super Bazar Road and Military Road to its junction with Najafgarh Road, Najafgarh Road on the West from its junction with Camp Cinema Road up to its crossing with Patel Road, and Patel Road on the South from its junction with Najafgarh Road to its crossing with Super Bazar Road and covering the following areas :—

Patel Nagar (East and West) Baljit Nagar, Najafgarh Road upto Moti Nagar Chowk and Zakharia.

Where the Last assessed/returned income is Rs. 35,000/- and above as on 30th April, 1976.

- (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
 (c) All new assessecs of the arca mentioned in item (a) above.

5. Income-tax Officer, Distt. VI (5), New Delhi,

- (a) All persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases falling within the following areas :—

Area bounded in the North by Patel Road from its crossing within Naraina Road to its crossing with Pusa Road and proceeding along Pusa Road from its crossing with Patel Road to its junction with Link Road, in the East by upper Ridge Road from its junction with Link Road to its connection with Dr. K. S. Krishnan Road from its connection with upper Ridge Road and proceeding along Inderpuri Road upto its crossing with Naraina Road and in the West by Naraina Road from its crossing with Inderpuri Road to the junction with Patel Road and covering the following areas :—

Rajinder Nagar (Old and New) Shankar Road Market, Pusa Institute, South Patel Nagar, Ranjit Nagar, Shadi Khampur upto over-bridge.

Where the last assessed/returned income is Rs. 35,000/- and above as on 30th April, 1976.

- (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
 (c) All new assessees of the areas mentioned in item (a) above.

1	2	3
6.	Income-tax Officer, Distt. VI(6), New Delhi.	(a) All persons other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI(1), New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
7.	Income-tax Officer, Distt. VI(7), New Delhi.	(a) All persons other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI (2), New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
8.	Income-tax Officer, Distt. VI(8), New Delhi.	(a) All persons other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI (3), New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
9.	Income-tax Officer, Distt. VI(9), New Delhi.	(a) All persons other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI(4), New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
10.	Income-tax Officer, Distt. VI(10), New Delhi.	(a) All persons other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI(5), New Delhi. (b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.

JAGDISH CHAND, Commissioner of Income Tax
Delhi-II, New Delhi

No. JUR-DLI/Cs. I. T./76-77/2951—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in supersession of all previous notifications on the subject, the Commissioners of Income-tax, Delhi-III and Delhi-IV, New Delhi hereby direct that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges mentioned in Column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax Officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said Schedule.

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-A, New Delhi.	DELHI III CHARGE Distts. V(1), V(2), V(3), V(4), V(5), V(6), V(7), V(8), V(9), V(10) V(11), V(12), V(13), V(14), V(15), V(16), V(18), Spl. Circle-VI, Spl. Circle VI (Addl.).
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-B, New Delhi.	Distt. VIII(1), VIII(2), VIII(4), VIII(6), VIII(7), VIII(8), VIII(9) VIII(10), VIII(11), VIII(12), VIII(13), VIII(14), VIII(16), VIII(17), Spl. Circle-X, Spl. Circle-XIII.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-C, New Delhi.	Distt. X(1), X(4), X(6), X(7), X(8), X(9), X(10), X(12), X(13), X(2), Circle-XI, Special Circle-XII, Provident Fund Circle, Survey Circle-IV Addl. Survey Circle-IV, New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-D, New Delhi.	1. Cases of the Distts. and Circles of this charge already assigned to I.A.C. u/s 125 of the I.T. Act. 2. Distt. XI(1) and XI(2). Special Circle-XIV and Special Circle-XVI New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-E, New Delhi.	
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III-A, New Delhi.	DELHI IV CHARGE Distts. III(1), III(1) 1st Addl. III(2), III(2) Addl. III(7), III(7) Addl., III(8), III(9), III(14), III(14) 1st Addl. Evacuee Circle, Special Circle IX Distt. III(34), III(35) and also cases of the Distts. and Circles of this charge already assigned to the Inspecting Asstt. Commissioner u/s 125 of the Act.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III-B, New Delhi.	Distt. III(15), III(16), III(16) Addl., III(17), III(18), III(25.) III(26), III(27), III(29), III(30) III(32) Survey Circle-III, New Delhi, Transport Circle, N. Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-III-C, New Delhi.	Distt. III(3), III(4), III(5), III(6), III(10), III(11), III(12), III(13) Spl. Circle-V, Distt. III(24), III(28) New Delhi.

This notification shall take effect from 1-5-1976.

A. C. JAIN, Commissioner of Income-tax, Delhi-III,
N. Delhi

N. S. RAGHAVAN, Commissioner of Income-tax, Delhi-IV N. Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
'JYOTHI BUILDINGS', GOPALAPRABHU ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-11,

Cochin-11, the 21st May 1976

Ref. No. L.C. No. 66/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Alleppey village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 23-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Kavalam Narayana Panicker,
(ii) Shri Saradamma Harimandiram,
Alleppey (Now residing at 9/983/1,
Temple Road, Shasthamangalam,
Trivandrum-10).

(Transferor)

(2) Shri Mathew,
M/s. Thayyil Travels,
Opposite to T. D. School,
Alleppey-Quilon Road, Alleppey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23-25 cents of land with building in Sy. No. 598/8-A of Alleppey village, Alleppey District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 21-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 14th June 1976

Ref. No. RAC No. 102/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-33 situated at Gunj, Badepalli, Jedcherla
(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mahaboobnagar on 16-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Aboobbakar S/o Haji Ahamad,
Badepalli.

2. Sri Younus S/o Haji Ahamad,
Badepalli.
Mahaboobnagar-Dist.

(Transferor)

(2) 1. Siva Chennaiah S/o Siva Laxmaiah,
at Badepalli.

2. Siva Venkatiah S/o Siva Chennaiah,
R/o Badepalli,
Mahaboobnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 10-33 at Gunj, Badepalli, Stat. Jadcherla, Mahaboobnagar Dist. Area : 213.6 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Devinder Kaur wd/o S. Kehar Singh Bandal
r/o WZ-8 Akal Building, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmil Verma W/o Sh. C. L. Verma
r/o 594 Double Storey, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi-110001, the 18th June 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1192/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion of WZ-8 Akal Building situated at Kirti Nagar, Industrial Area, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. WZ-8 Akal Building, Kirti Nagar, Industrial Area, New Delhi measuring about 75 sq. yds. area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under :

North : Property of Mr. Jindal
West : Road
South : Property of Vendor
East : Property of Shri Joginder Singh

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 18th June 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 2nd June 1976

Ref. No. Acq. File No. 337/J. No. EG/212&213.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 70-Ac-8-10 Cents, Palagummiy Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 31-10-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Majeti Venkateswara Rao S/o Venkataratnam
2. Majeti Satyanarayana S/o Venkateswara Rao
3. Majeti Venkataratnam S/o Venkateswara Rao
4. Majeti Venkata Sitaram S/o Venkateswara Rao
5. Majeti Viswanatham S/o Venkateswara Rao
6. Majeti Venkata Rama Krishna S/o Venkateswara Rao
7. Mandavilli Rajya Laxmi.

(Transferor)

- (2) Dr. Miss Goteti Saraswathi D/o Venkateswararao, Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3634/75 of the SRO, Amalapuram registered during the fortnight ended on 31-10-75.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 2-6-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Mandavalli Rajya Laxmi
W/o Mandavalli Jaganmohana Rao,
Rajahmundry.

2. Mandavalli Venkateswara Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

((Transferee))

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

LUCKNOW

Kakinada, the 2nd June 1976

Ref. No. Acq File No. 338/J. No. EG/213/75-76.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

71/3 & 71/1 and 71/2 Tota; 8-10 cents plus 2-20-Total-10.30 cents situated at Palagummy Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 31-10-75,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3635/76 of the SRO, Amalapuram registered during the fortnight ended on 31-10-75.

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

18—146 GI/76

Date : 2-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Prasad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Adarsh Bhartiya Sahkari Girha Nirman Samiti.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th May 1976

Ref. No. 63-A/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

622 and others situated at Mauza Puraniya District Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three plots bearing Nos. 622, 623 and 625 situated in Mauza Puraniya Paragana, Tehsil and District Lucknow.

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-5-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Luxmi Chand

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Banarsi Ram

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 10th May 1976

Ref. No. 63-B/A/ACQUISITION.—Whereas, I, F. Rahman being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 136/5 situated at Mohalla Maina Tali Mogal Sarai Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ram Nagar (Varanasi) on 10-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 136/5, situated at Mohalla Maina Tali Mogal Sarai, District Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Luxmi Chand

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Banarsi Ram

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 136/6, situated in Mohalla Maina Tali Mogal Sarai, District Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kalawati Devi and others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Fauzdar Pal and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th May 1976

Ref. No. 2-F/ACQUISITION.—Whereas, I, F. Rahmau being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-61/23-A situated at Moh. Sidhgiri Bagh Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kutchery Varanasi on 21-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A half portion of house bearing No. D-61/23-A measuring 1399 sq. ft. situated in Mohalla Sidhgiti Bagh, Varanasi.

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 11-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Narain Chaddha Alias Ram Kumar
Chaddha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghanshyam Baboo Agarwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th January 1976

Ref. No. 28-G/ACQUISITION.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 129, situated at Meerganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 30-10-1975, for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of a house No. 129, situated in Meerganj, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kalawati Devi and Others.

(Transferor)

(2) Shri Kishori Lal Pal and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 11th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 48-K/ACQUISITION.—Whereas, I, F. Rahman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-61/23-A situated at Mohalla Sidhgiri Bagh, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kuthchery Varanasi on 21-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A half portion of house No. D-61/23-A measuring 1504 sqr fts. situated in Mohalla Sidhgiri Bagh Distt. Varanasi.

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krishan Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kumar Sugar Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 49-K/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 200 situated at Mauza Pakhvara Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 25-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land Khata No. 200 measuring Six acres ninety eight decimal situated in Mauza Pakhvara Distt. Moradabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Umaid Chand Oswal.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Mehrotra & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1976

Ref. No. M-80-M/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 24,000 and bearing No.

3/17 situated at Madan Mohan Malviya Marg Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 9-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land No. 3/17 situated in Madan Malviya Marg Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—146GI/76

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shadi Lal Khanna & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Priti Sinha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 51/P/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C-954/55 situated at Mahanagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 11-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A house property bearing No. C-954/55 measuring 5599 sqr. fts. situated in Mahanagar Lucknow.

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1976.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1976

Ref. No. 84R/ACQUISITION.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, and 4, H. No. 37/195 situated at Birdapur, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 16-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ram Nath Ji Misra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 3, and 4, alongwith a house No. B-37/195, situated in Moh. Birdapur, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9th Feb. 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandra Kumar Sah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Raj Kumar Sah & Sons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1976

Ref. No. 86-R/Acquisition(A).—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-64/127-B situated at Madhopura Sigra District Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 24th Oct. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A part of house No D-64/127 Situated in Madhopura Sigra, District Varanasi.

F. RAHMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandra Kumar Sah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1976

Ref. No. 86-R/Acquisition (B).—Whereas, I, F. RAHAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-64/127-B situated at Madhopura Sigra District Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 30-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of house No. D-64/127-B situated in Madhopura Sigra Distt. Varanasi.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri DHANESHWAR SINGH & OTHERS.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Janam & Others.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th May 1976

Ref. No. 87-R/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Chak No. 186 situated at Mauza Ratsara Distt. Ballia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballia on 1-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Chak No. 186 measuring Three acres eighty two decimal situated in Mauza Ratsara Post Ratsara District Ballia.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lalita Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1976

Ref. No. 88-R/ACQUISITION.—Whereas, J. F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mohalla Joplin Ganj Distt. Ballia (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 30-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

A house property situated in Mohalla Joplin Ganj Distt. Ballia.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Benazir Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shriniwas Kaushal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 10th May 1976

Ref. No. 116S/ACQUISITION.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 110/9 situated at Naya Goan East Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 24-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. old 68 New 110/9 measuring 7400 Sqr. ft., situated in Naya Goan East—Thana Aminabad Lucknow.

F. RAHMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-'976
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Raj Kishun Dass

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Said Ahmad & others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(3) Shri Raj Kishun Dass,
(Person in occupation of the property)

Lucknow, the 25th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. J17-S/Acq.—Whereas, I. G. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 941/241/4 : 14 situated at Hamirapur, Teh. & Parg. Malihabad Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 21-10-75 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 941/241/4 : 14 situated at Hamirapur, Teh. & Parg. Malihabad, Distt. Lucknow.

G. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20-146GI/76

Date : 25-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Jagdish Dutt Dixit.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Saroj Tyagi w/o Pitamber Singh Tyagi.
(Transferee)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1976

Ref. No. 118-S/Acq.—Whereas, I, G. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 500 Verg Yard situated at Moh. Civil Line Bijnore, Parg. Teh & Distt. Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bijnore on 6-10-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House 500 Verg Yards situated at Mohalla Civil Lines Bijnore, Pargana & Tehsil & Distt. Bijnore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shiv Dulari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 11th June 1976

Rcf. No. 122-S/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 80/31, situated at Lohar Bagh, Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sitapur on 30-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Satya Narain Tandon.

(Transferee)

(3) Smt. Shiv Dulari.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 80/31, which is situated at Lohar Bagh, Sitapur.

F. RAHMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-6-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Nagindas Kundalia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Century Aluminium Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 27th April 1976

Ref. No. AC-12/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. Inamdar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28, situated at 'B' Road, Bamangachi, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 Bighas 1 cottah 3 chittaks 9 sft. together with building and factory sheds situated at 28, 'B' Road, Bamangachi, Howrah more particularly as per deed No. 6012 dated 10-10-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. S. INAMDAR
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-Tax,

Acquisition Range-V,
 54, Aafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Santosh Kumar Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

(2) 1. Sh. Naresh Chandra Chaturvedi, 2. Shrimati Malati Devi Chaturvedi and 3. Shrimati Asha Devi Chaturvedi.

(Transferee)

(3) 1. United Bank of India, 2. Bholanath Bhattacharjee, 3. Golok Bihari Bhattacharjee and Chandi Charan Sarkar, 4. Bansidhar Banerjee, 5. Bistupada Mondal & Tustupada Mondal 6. Ram Ch. Khatik.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 27th April 1976

Ref. No. AC-13/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. Inamdar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at G.T. Road (South), Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3K 10 Ch. 18 sft. together with building thereon situated at 10, G.T. Road (South), Howrah more particularly as per deed No. 5858, dated 6-10-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baidya Nath Ghosh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Brojabala Biswas, 2. Swarna Proya Chowdhury
3. Parul Rani Chowdhury.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 27th April 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-14/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 231/B situated at Maniktolla Main Road, Calcutta-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah on 6-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 15 chittaks 35 sft. together with building, structures thereon situated at premises No. 231/B, Maniktolla Main Road, Calcutta-54, more particularly as per deed No. 1988, dated 6-10-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely : —

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amitava Dutta Roy and Smt. Shanta Ghosh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta-16, the 27th May 1976

Ref. No. AC-20/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, A. K. BATABYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 318, situated at Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Pgs. on 9-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Association for Social Health in India, West Bengal Branch.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 18 cottahs 4 chittacks together with a two storeyed building thereon situated at 318, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P. S. Tollygunge, Calcutta-47 more particularly as per deed No. 5340 dated 9-10-1975.

A. K. BATABYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 27-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sulachana Bal W/o Yashwant Bal,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kum Kum Paul W/o Gopinath Paul,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta-16, the 15th June 1976

Ref. No. AC-22/Acq.R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 109, situated at Prince Anwar Shah Road, P. S. Tollygunge, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 8-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 38 sft. situated at Premises No. North Block 'B', Lake Colony Scheme No. 1 and formerly Municipal Holding No. 109, Prince Anwar Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 5250 of 1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Provabati Debi 49C, Monoharpukur Road, Calcutta.
(Transferor)
(2) Shri Ravi Bengani 6B, Middleton Street, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 31st May 1976

Ref. No. AC-3/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at Joka, Behala Dt. 24-Pgns. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 10-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

21—146 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1.695 acres containing in Khatian No. 454 and portion of Dag R.S. 425 and 13 other plots at Joka, Behala, 24-Pgns.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 31-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st May 1975

Ref. No. Ac-4/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V.

LALMAWIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Joka, Behala, Dt. 24-Prgns.,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 10-10-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(1) Shrimati Provabati Debi 49-C, Monoharpukur Rd., Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Minerva Dairy and Farm 15, India Exchange Place, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 9.991 acres being Khatian No. 454, Dag No. 425 and other 34 plots at Joka, Behala, 24-Parganas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Provabati Devi, 49C, Monoharpukur Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratan Kumari Bengani 6B, Middleton Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 4th June 1976

Ref. No. Ac-5/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Joka, Behala, 24-Pargns., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 10-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land measuring 2.708 acres, comprising Khatian No. 454 and portion of Dag No. 425 and nine other plots at Joka, Behala, Dt. 24-Pargns.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 4-6-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shrimati Provabati Debl, 49C, Monoharpukur Road,
Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s Ravi Commercial Corporation 15, India Exchange Place, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta-16, the 4th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Ac-6/R-II/Cal/76-77.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. situated at Joka, Behala, Dt. 24-Prgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 10-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1.756 acres, comprising of Kha No. 454 and portion of Dag No. 425 and ten other plots Joka, Behala, 24-Pargns.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. V. LALMAW
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 19th May 1976

Ref. No. 333/Acq.R.III/76.77/Cal.—Whereas, J. S. K.
CHAKRAVORTY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34, situated at Ballygunge Gardens, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 9-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Ashesh Ranjan Chowdhury.
2. Sri Ranjit Kumar Chowdhury.
3. Sri Rukap Ranjan Chowdhury.
4. Sri Rupaj Ranjan Chowdhury.
5. Shrimati Mita Chowdhury.
6. Shrimati Nita Hazra, and
7. Shrimati Mita Das of E 207 Heavy Engg. Corp., Colony, Sector 2, Ranchi—All of 337, Club Road, Sukchar, 24-Parganas.

(2) Shri Sachindra Nath Shee, P-568, Keyatala Lane, Calcutta.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring 2 cottahs 1 chittacks 21 sq. ft. situated at 34, Ballygunge Gardens, Calcutta, P. S. Ballygunge.

S. K. CHAKRAVORTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 19-5-1975.

Seal.

FORM ITNS

(1) Shrimati Tarubala Roy Chowdhury 81, N. K.
Ghosal Road, Calcutta-42.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bandana Ghosh 84, N. K. Ghosal Road,
Calcutta-42.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta-16, the 18th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 334/Acq.R.III/76-77/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVORTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 20/1/1C situated at Ballygunge Station Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore, 24-Pgs on 3-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

All that the piece and parcel of vacant land measuring 2 cottahs 1 chittacks 12 sq. ft. situated at 20/1/1C, Ballygunge Station Road, Calcutta,

S. K. CHAKRAVORTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 18-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal Das and Milankanti Das Both of
Uluberia, Vill. Natibpur, Dist. Howrah.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shrimati Arasua Sengupta, 81/7B, Raja S. C.
Mallick Road, Calcutta-47.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd June 1976

Ref. No. 335/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVORTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 2, situated at Green Row, P.O. Garia, 24-Pgs., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24 Pgs. on 8-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 7 chittacks 22½ sq. ft. together with a one storied building erected thereon at No. 2, Green Row, P.O. Garia, Dist. 24-Parganas.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVORTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1976
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Swapan Kumar Paul 30/2A Harish Chatterjee
St., Calcutta-26.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd June 1976

Ref. No. 336/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVORTY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 35, situated at Harish Chatterjee St., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Pgs. on 8-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 'XXA' of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 10 chittacks 37 sq. ft. with one storied brick built building standing thereon at premises No. 35, Harish Chatterjee Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVORTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Arati Sen Penn Court, Penn Road, Alipore, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Jayanti Chatterjee 13/6, Palm Avenue, Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Prokash Trading Co. (Ground floor),
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 10 chittacks 9 sq. ft. together with a two storied dwelling house erected thereon situated at 13/6, Palm Avenue, Calcutta as per deed No. I-5797 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—146GI/76

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Avarani Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th June 1976

Ref. No. TR-190/C-195/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-B situated at Park Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 8-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A vacant land measuring 3 Cottas, 7 sft. at premises No. 26-B Park Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

(2) Development Consultants Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 7th June 1976

Ref. No. TR-191/C-194/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 3-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being building and land at premises No. 24 Park Street, Calcutta, covering Eastern portion of the ground floor-1509 sq. ft. Western portion of the 1st floor-3617 sq. ft. The entire 2nd floor-6016 sq. ft., 5th floor 6016 sq. ft., terrace 5529 sq. ft. 51% of share of land area of 6642 sq. ft. with open land measuring 74' x 8' together with all fittings.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Lallan Singh s/o Sri Bachanu Singh of Tari Tota Mohanpur P. S. Bhagwanpur Dt. Rohtas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

(2) S/Shri Gobardhan Singh, Awadhesh Singh, Nawal Singh, Sons of Sri Ramkawal Singh, Sri Ram Subhaj Singh S/o Sri Balcharan Singh, Sri Kailash Singh, Sri Kapildeo Singh, Sri Rajdeo Singh sons of Sri Ramdhani Singh of Khiri, P.S. Bhagwanpur, Distt. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Patna, the 8th June 1976

Ref. No. III-175/Acq./76-77/719.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 26,000/- and bearing No. Plot Nos. 929 and 930 situated at Makarikhoh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhabhua on 27-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land area 7 acres 52 dec. at Makarikhoh, khata No. 101, Plot No. 929 and 930 as per deed Nos. 7710 to 7715, dated 27-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Anil Chandra Ghosh, Sunil Chandra Ghosh, Salil Chandra Ghosh, Nikhil Chandra Ghosh and Sushil Chandra Ghosh, all of Sheoraphully P.S.—Serampore, Dt. Hoogly (W.B.).

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA**

Patna, the 8th June 1976

Ref. No. III-176/Acq/76-77/720.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 6301 6302, 6303 situated at Nathnagar Bhagalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land area 1 Bigha 14 ch. in W. No. 19 Cr. No. 10, H. No. 22, Plot Nos. 6301, 6302 and 6303 at Nathnagar Bhagalpur as per deed No. 1, 6195, dated 31-10-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Dharnidhar Sarkar, Murlidhar Sarkar, Sardhar Sarkar Sons of Sri Binod Bihar Sarkar of Hindpiri, P.S./Dt. Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR.
BORING CANAL ROAD, PATNA**

Patna, the 8th June 1976

Ref. No. III-177/Acq/76-77/721.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 342/B situated at Hindpiri, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 22-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Binod Devi w/o Sri N. L. Saraf, Sri Murari Lal Saraf, Sampat Lal Saraf Sons of Sri Babu Lal Saraf, Shrimati Manjee Devi Saraf w/o J. Pd. Saraf of Hindpiri, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 0.3637 Acres at Hindpiri Ranchi, W. No. 3, H. No. 707, Plot No. 342/B as per deed No. 15344, dated 22-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
A Acquisition Range, Bihar
Patna.

Date : 8-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashit Kumar Mukherjee s/o Late Pramatha Nath Mukherjee, Sri Dhruba Jyoti Mukherjee s/o Late Arun Kumar Mukherjee of 76, Circular Road, Ranchi.
(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Roy D/o Sri Ram Chandra Prasad of Mohalla—Nagratoli, Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 8th June 1976

Ref. No. III-178/Acq/76-77/722.—Whereas I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1787 situated at Circular Road, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 23-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 8 K. 13 ch. 15 Sq. feet being portion of M.S. Plot No. 1787 at 76-Circular Road Ranchi, as per deed No. 15367, dated 23-10-1975,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date : 8-6-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 8th June 1976

Ref. No. III-179/Acq/76-77/723.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 300, 301 situated at Ranchi W. No. II, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 8-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Laxman Singh S/o Sri Dewan Singh of Upper Bazar, Ranchi.
(Transferor)

(2) Shrimati Saran Kaur W/o Sardar Narendra Kaur of Shaheed Chowk, Ranchi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 58 karis with house in W. No. II, H. No. 458, M.S. Plot No. 300, 301 at Ranchi as described in deed No. 15059 dated 8-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 8-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 8th June 1976

Ref. No. III-180/Acq/76-77/724.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 13, 44 etc. situated at Purpathar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Begusarai in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) S/Shri Lal Bahadur Choudhary and Ram Kishore Prasad Choudhary Sons of Sri Rasik Bihari, Prasad Choudhary, At & P.O. Kewtan, P.S. Dal Sing Sarai Dt. Samastipur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Prasad Singh S/o Sri Yogendra N. Singh, At & P.O. Nayanagar, P.S. Hasanpur, Dt. Samastipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land area 9 Bigha 4 Katha 11 $\frac{1}{2}$ Dhur at village—Purpathar, P.S. Khodabandpur, Khata Nos. 19, 22, 28, 29, 33 and 38, Plot Nos. 13, 44, 45, 23, 20 etc. as per deed No. 15459 of October 1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—146GI/76

Date : 8-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 9th June 1976

Ref. No. III-181/Acq/76-77/725.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 43, 61, 65 etc. situated at Marachi Bariar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barh on 25-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Rama Kant Singh, Uma Kant Singh Sons of Sri Sukhdeo Singh, Shrimati Ram Kumari Devi W/o Sri Sukhdeo Singh, of Marachi Bariar, P.O. Hathidah, P.S. Mokama, Dt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Rameshar Singh S/o Sri Radhe Singh, of Marachi Bariar P.O. Hathidah, P.S. Mokama, Dt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area more or less 10 Bigha at Marachi Bariar P.S. Mokama Dt. Patna. Khata Nos. 107, 103, 104, etc. Plot Nos. 43, 61, 97 etc. as described in deed No. 11440, dated 25-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 9-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri A. Rai, G. Rai S/o Sil Jeria Rai of Saharjuri.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 9th June 1976

Ref. No. III-182/Acq/76-77/726.—Whereas, I. A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 81, 82 etc. situated at Saharjuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 24-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated—in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Sushila Sharma D/o Sri B. B. Sharma and Sri Umesh Sharma S/o Sri Harhar Sharma, of and P.S. Chirkunda, Dt. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2.74 acres at Saharjuri, Khata No. 18, Plot 81, 82, 96, 97, 98, 102, 103 as described in deed No. 12149 dated 24-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 9-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandra Kumar Agarwal S/o Late S. B. M. Kumar Agarwal of and P.S. Govindpur Dt. Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR,

BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 9th June 1976

Ref. No. III-183/Acq/76-77/727.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 365, 368 situated at Amghata, P.S. Govindpuri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 3-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Sukhmal Kumar Jain S/o Sri J. P. Jain and Sri R. C. Jain S/o Sri M. R. Jain of and P.S. Dhanbad, Dt. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2 acre 66 Dec. at Mauza Amghata, P.S. Gabindpur, Dt. Dhanbad, Khata No. 18, 74, Plot No. 365, 368 as described in deed No. 11702, dated 3-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date : 9-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. S. P. Pathai S/o P. Pathai, At and P.O. Dhanbad, Dt. Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 9th June 1976

Ref. No. III-184/Acq/76-77/728.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 302 situated at Dhanbad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dhanbad on 31-10-1975,
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Rajinder Kaur W/o Sardar Tarlok Singh,
At and P.O. Dhanbad, Dt. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 3K. 12 ch. with building at Dhanbad, W. No. 17 H. No. 302 as described in deed No. 12406, dated 31-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna

Date : 9-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. S. P. Pathai S/o Sri Prabhulal P. Pathai,
At and P.O. Dhanbad, Dt. Dhanbad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sardar Tarlok Singh S/o Sardar B. L. Singh, At
and P.O. Dhanbad, Dt. Dhanbad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 9th June 1976

Ref. No. III-185/Acq./76-77/729.—Whereas, I, A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 302 situated at Dhanbad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 31-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3 K. 12 Ch. with building at Dhanbad, W. No. 17, H. No. 302 as described in deed No. 12405, dated 31-10-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bholanath S/o Sri Chiranjit Lal of Jhauganj,
P.O. Patuacity, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 9th June 1976

Ref. No. III-185/Acq/76-77/730.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 119, situated at Jhauganj Hirachand Shah Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patnacity on 17-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Ajit Singh Saluja S/o Late Sardar Amar Singh Saluja of Kali Asthan, Patra City, Dt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the **Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Jhauganj, Hirachand Shah Lane, P. S. Chouk, Patnacity Patna, S. No. 119, No. 119, W. No. 26, Plot No. 358 as described in deed No. 1317, dated 17-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bihar, Patna.

Date : 9-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ram Pratap Singh S/o Sri Prem Singh of Gosainpur, P.O. Jogipur P.S. Hilsa, Dt. Nalanda.
(Transferor)
- (2) Shrimati Kaushalya Devi w/o Sri Nand Kishore Prasad of Langvetoli, P.S. Kademkaur, Patna.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. III-170/Acq/76-77/670.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 281 situated at Rajendra Nagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 31-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land area 346.28 sq. yards with one room house at Road No. 6, Rajendra Nagar Patna Plot No. 281 as per deed No. 10577, dated 31-10-1975.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Gulabkali Devi W/o Sri Jag Narain Pathak of and P.S. Daltonganj, Dt. Palamau.
(Transferor)

(2) S/Shri Nilchand Paudey, Prakash Pandey both minor Sons of Sri Ramanand Pandey of Mohalla—Shivaji Maidan, Daltonganj town Dt. Palamau.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st June 1976

Ref. No. III-171/Acq/76-77/671.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 605 situated at Dattonganj Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palamau on 9-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building are 7 Dec. in town Daltonganj Dt. Palamau, W. No. 5 (old), 10 (New), Plot No. 605 as per deed No. 10693, dated 9-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—146GI/76

Date : 1-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Bibi Anisa D/o Md. Sariff Alam of village I.
Ibrahimpur, P.S. Sabour Dt. Bhagalpur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sardar Kulwant Singh S/o Sardar Mangal Singh of Mohalla Kharmanchak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st June 1976

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1.01 acres in Bahadurpur, P.S. Sabour Dt. Bhagalpur, Khata No. 1, Plot No. 11 (part) as per deed No. 12474, dted 24-10-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 1-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Md. Nayeem S/o Late Md. Sarif Alam of Ibrahimpur, P.S. Sabour Dt. Bhagalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIJAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st June 1976

Ref. No. III-173/Acq/76-77/673.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11 (Part) situated at Bahadurpur P.S. Sabour, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bhagalpur on 21-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Sardar Kulwant Singh S/o Sardar Mangal Singh of Mohalla Karmanchak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

(3) Transferor

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2.02 Acres at Bahadurpur P.S. Sabour Dt. Bhagalpur, Khatta No. 1, Plot No. 11 (part) as per deed No. 12336, dated 21-10-1975.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-6-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Bibi Habsa D/o Late Md Salim of Ibraimpur,
P.S. Sabour, Dt. Bhagalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sardar Kulwant Singh S/o Sardar Mangal Singh of
Mohalla Kharmanchak, P.S. Kotwali, Dt. Bhagalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

(3) The transferor

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Patna, the 1st June 1976

Ref. No. III-174/Acq/76-77/674.—Whereas, I, A. K. Sinha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Behar Patna,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 11 (part) situated at Bahadurpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 23-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1.93 acres at Bahadurpur P.S. Sabour Dt. Bhagalpur, Khata No. 1, Plot No. 11 (part) as per deed No. 12431 dated 23-10-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-6-1976,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Syed Ahmad Ismail Zafri S/o Late Nawad Syed Ali Sajjad Saheb, Bibi Nashiba Begum W/o Dr. Syed Md. Haider of Brahampura Town Muzaffarpur, Syed Ali Asad S/o Late Nawad Syed Ali Sajjad Saheb of Guljarbagh, Patna.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 14th June 1976

Ref. No. III-188/Acq/76-77/746.—Whereas, I, A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 339, 340 New by part situated at Brahampura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 1-10-1-975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Gobardhan Lal Dhawan S/o Sri Ishwar Chandra Dhawan of Nayatola Town, Muzaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 18K. at Brahampura Town Muzaffarpur W. No. I, Old plot Nos. 345, 346 by part, new plot Nos. 339, 340 by part as per deed No. 14877, dated 1-10-1975.

A. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 14th June 1976

Ref. No. III-187/Acq/76-77/745.—Whereas, I, A. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 339, 340 new by part situated at Brahampura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 1-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Syed Ahmad Ismail Zafri S/o Late Nawab Syed Ali Sajjad Saheb, Bibi Nashiba Begum W/o Dr. Syed Md. Haider of Brahampura town Muzaffarpur, Syed Ali Asad S/o Late Nawab Syed Ali Sajjad Saheb of Guljarbagh, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chandra Dhawan S/o Sri Ishwar Chandra Dhawan of Naya-tola Town, Muzaffarpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 12K. at Brahampura town Muzaffarpur, W. No. I, old plot No. 345, by part and new Nos. 339, 340 by part as per deed No. 14876, dated 1-10-1975.

A. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 14-6-1976

Seal :

FORM JTNS

(1) The Macmillan Company of India Limited Registered Office at No. 6, Putuloo Road, Madras-2.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Dr. N. Anna Reddy, S/o Late Sri N. A. Thimma Reddy, 2. Mrs. N. Sujatha Bai, W/o Dr. N. Anna Reddy, Son & daughters of No. 1. all residing at No. 3, Montieth Road, Egmore, Madras-8.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 2nd June 1976

Ref. No. 1/OCT/75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Montieth Road, Egmore, Madras-8 (Part of R.S. No. 1618), (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, West Madras (Doc. No. 1069/75) in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow, land, ground and premises measuring 14.6 grounds at No. 3, Montieth Road, Egmore, Madras-8, (part of R.S. No. 1618).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 2-6-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 7th June 1976

Ref. No. 38/Oct/75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Erachakulam village, Teravalai T.K., Nagercoil, in S.N. 1951 & 1924 A, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Joint Sub-Registrar II, Nagercoil, Doc. No. 4209/75, on October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sundarammal, Manjadithalaputhan veedu, Kottakkakam, Kadavattaram, Neyyottrunkarai, Kerala State.

(Transferor)

(2) 1. Jaishree, 2. Usha, 3. Shanti, 4. Premala, 5. Srinivasan (all minors) By guardian S. Natarajan, No. 65-C, N. Krishnaswamy Road, Madras-600005.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 acres and 56 cents in S. No. 1951 and 1924 A, At Erachakulam village, Teravalai T.K., Nagercoil.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sakunthalammal, W/o Shri T. S. Venugopal, No. 7, Venkatachala Naicken Street, Tondiarpet, Madras-81.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th June 1976

Ref. No. 35/OCT/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74, situated at Sanjeevirayan Koil Street, Tondiarpet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Doc. No. 7699/75), in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—146GI/76

(2) Shri Rajagopal Reddiary, son of Shri Krishnaswamy, Madayampakkam village, Madurantakam taluk.

(Transferee)

(3) 1. M/s Devendra Singh, 2. Thanaraj, 3. Gopalakrishnan, 4. Sukumaran, 5. Ramanathan, 6. Padmanabhan, 7. Jayamani, 8. Kamaraj Ninaivalayam.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,490 sq. ft. with building thereon at door No. 74 (R.S. No. 2733), Sanjeevirayan Koil Street, Tondiarpet, Madras-81.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 16-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Periasamy Servai, 29, Sathyamurthy Street,
Narimedu, Madurai.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malakkannu, S/o Chellakkannu Udayar, Chockappadappu village, Udhayanoor Group, Ramnad district.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 18th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 43/OCT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 1684/2 & 3 situated at Sathyamurthy St., P.T. Rajan Road, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 3261/75), in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 7 cents with building thereon at door No. 29 (T.S. Nos. 1684/2 & 3, plot No. 6), Sathyamurthy Street, Narimedu, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1976

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Syed Mohamad Maraicair, s/o Sulaiman Lebbai, Kayamoli Pallivasal Street, Tiruchendur T.K., Tuticorin District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 31st May 1976

Ref. No. 45/Oct/75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Kayamoli Village, Tiruchendur in S. No. 363/21 A2, 363/11 and Kandasamypuram Village, Arumuganeri, in R.S. No. 783/2, 783/3, 784/2, 784/3, 784/4, 784/5, Tiruchendur T.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar I, Tuticorin Doc. No. 1232/75 on October 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Segu Sulaiman, s/o Syed Mohamad Maraicair, Kayamoli Pallivasal Street, Tiruchendur T.K., Tuticorin District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry lands measuring 9 acres and 90 cents at Kayamoli Village, Tiruchendur in S. No. 363/21 A2, 363/11 and Ayyan Nanja lands measuring 1 acre 9 cents out of 2 acres and 18 cents at Kandasamypuram village, Arumuganeri, in R.S. No. 783/2, 783/3, 784/2, 784/3, 784/4, 784/5 (Tiruchendur T.K.). ..

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 31-5-1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1976

Ref. No. 47/OCT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 444 & 451/A situated at Udangudi village, Tirunelveli district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udangudi (Doc. No. 1912/75) on October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shrimati C. K. Koya Umma, 2. C. K. Fathima, 3. Kottakattu Munnummal Mutharai Acharath Barakath Moosa & 4. Shri Altaf Hussain, Tellichery, Kerala.

(Transferor)

(2) Shrimati A. Singarakani Ammal, W/o Ayyathurai Nadar, Uthiramadankudlyiruppu, Venkataramanupuram, Tiruchendur taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11.58 acres in Survey Nos. 444 (10.76 acres) and 451/A (82 cents) at Udangudi village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Arunachalam Pillai & Smt. Papathi, Ayilpatti,
Rasipuram taluk.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 15th June 1976

Ref. No. 50/OCT/75-76.—Wheeras, I, G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/2 situated at Karkoodalpatti, Rasipuram taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagiripet (Doc. No. 1098/75) on October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3.50 acres in Survey No. 2/2, Karkoodalpatti village, Rasipuram taluk.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s P. M. Veerappa Gounder & Muthusami Gounder, Ganapathipalayam, Oruvantheor, Mohanur, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1976

Ref. No. 60/OCT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 533/1 & 591 situated at Oruvantheor Ganapathipalayam, Mohanur, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanur (Doc. No. 904/75) on 9-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27th of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sectioun (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Chellammai, W/o Ellappa Gounder, Ganapathipalayam, Oruvantheor, Salem Dt.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.15 acres in Survey Nos. 533/1 and 591, Oruvantheor Ganapathipalayam, Mohanur, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Daisy, W/o Alexander, Sankarli town, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1976

Ref. No. 62/OCT/75-76.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5.33 3/11 acres situated at Kasturipatti and Sangagiri villages, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangagiri (Doc. No. 714/75) on 17-10-1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant lands measuring 4.55 3/11 acres in Survey Nos. 6/1 & 2, Kasturipatti village and Survey Nos. 172/1, 172/2, 172/4, 172/5, 216/1, 216/2 and 216/4 at Sangagiri village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-6-1976

Seal .

FORM ITNS—

(1) M/s Marappa Gounder & M. Kandasami Punjai Edayar Keezhmugam village, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1976

Ref. No. 63/OCT'75/75-76.—Whereas, I, G. RAMANA-

THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 206/2, 214/2 & 3 & 104/1 situated at Edayar Kizhmugam village, Namakkal, Salem,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 1440/75) on 20-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s K. Subramaniam & K. Natarajan, sons of P. K. Karuppanan, represented by mother & guardian Paruvathammal, Olapalayam, Punjai Edayar village, Velur, Namakkal taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.51 acres in Survey Nos. 206/2 (3.94 acres) 214/2 (0.89 acres) 214/3 (1.67 acres) and 104/1 (0.01 acres) with well and pumpset in Punjai Edayar Keezhmugam village, Namakkal taluk, Salem district.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st April 1976

Ref. No. 22/12/5(OCT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivakasi (Doc. No. 3261/75) on October 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. Lakshmanan, Patti Street, Sivakasi Town, Sathur Taluk, Ramnad Dt, Athista Lakshmi, Master Anil Elango, Master Ashok and Uma Devi, Minors by father and guardian Shri P. Lakshmanan. (Transferor)

(2) M/s P. Kannapiran & P. Krishnamurthy, Patti Street, Sivakasi Town, Sathur Taluk, Ramnad Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**I. VACANT PLOTS AT VELAYUDHAM ROAD, SIVAKASI :**

Survey No. 45—0.50 Acres
Survey Nos. 47, 49 and 50—1-06 Acres.
Survey Nos. 79/A, 79/B2' and 79/B3—0-80 Acres.
Survey No. 78/B2 Undivided 1/6th Share in 2.77 acres.

II. AGRICULTURAL LANDS

AT Survey No. 2/4, T. Managaseri village 4-78 acres; each
AT SURVEY No. 5, T. Managaseri village 4-78 acres;
AT SURVEY NO. 1/2 Malli Village 3/52 acres with 3 HP motor & pumpsets.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri M. Murugesa Naicker, 1, First Link Street,
C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 18th May 1976

Ref. No. 9/1/2(OCT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000, and bearing
No. Plot No. 2, Door No. 1-D, situated at Spur Tank Road,
Egmore, Madras-8,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras (Doc. No. 7145/75) on 7-10-1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shrimati K. M. Fathima Chany, W/o Shri K. M.
Kamaludeen, 111, Big Bazar Street, Koothanallur,
Tanjore district.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

Land measuring 2 grounds with superstructure in ground
floor only at Part of door No. 1-D (Plot No. 2), Spur Tank
Road, Egmore, Madras-8, (R.S. No. 469-part).

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-5-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. B. V. Shashi Reddy, 3/7, Harrington Road,
Chetput, Madras-31.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 18th May 1976

Ref. No. 9/2/4(OCT) /75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Harrington Road, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at market value of the aforesaid property and I have reason to for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Shoba Reddy, W/o Shri D. Surendranath Reddy, A-30, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land measuring 2 grounds and 380 sq. ft. at door No. 15 (R.S. No. 324 & 329), Harrington Road, Madras-31.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 18-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. H. Tarapore, 15/7, Harrington Road, Chetput, Madras-31.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 18th May 1976

Ref. No. 9/2/32(OCT)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Harrington Road, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras (Doc. No. 7526/75) on 24-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 270 sft. at No. 15 (R.S. Nos. 324 & 329), Harrington Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 18-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri T. Kadiresan, 20-B, Bawa Rowther Road, Alwarpet, Madras-600018.
(Transferor)

(2) The Tamil Nadu Distillery Alcho Wines (P) Ltd. 489/3A, G.S.T. Road, Alandur, Madras-600016.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th May 1976

Ref. No. X/2/11/OCT/1875-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 64/2, situated at Bynapalli village, Krishnagiri Taluk, Dharmapuri District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar-II, Madras (North), Madras Doc. No. 7294/75 in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in S. No. 64/2 Bynapalli village, Krishnagiri Taluk, Dharmapuri District—2 A. C. Factory sheds; one roofless building, one terraced office Building, one tiled Servants' Quarters, Two Masonry wells The super structure are all situated in T.S. No. 64/2.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-5-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 25th May 1976

Ref. No. IX/2/27/Oct/75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/3 situated at Anderson Street, George Town, Madras-1 (R. S. No. 11366/1),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-II, Mint, Madras in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Mrs. Lalithamma w/o late M. Narayana chetty, 2. Mr. M. Krishnaji, 3. M. Balaji 4. M. Namburam 5. M. Srinivasulu and 6. M. Prakash (No. 2 to 6 sons of late Narayana chetty, No. 120, Pediar Koil Street, Madras-1).

(Transferor)

(2) 1. S. Saravana Kumar 2. S. Ashok Kumar (minors represented by their father and natural guardian Mr. S. Sreeramulu, No. 81, Mulla Sahib Street, Madras-1).

(Transferee)

(3) 1. M/s Orient Paper Mart, by partner P. K. M. Rahim Bibi, 2. M. S. Sanjeevi Chetty. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building measuring 1358 Sq. ft. bearing Door No. 3/3, Anderson Street, Madras-1. R.S. No. 11366/1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 25-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Bhagirathi Bai (alias) Devaki Bai, W/o Late Aminchand doss, Dwarakadoss, No. 8, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 25th May 1976

Ref. No. IX/2/33/Oct/75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30 situated at Stringer Street, Madras-1 (R.S. No. 11429)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-II, Madras in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and ground measuring 2137 Sq. ft. bearing Door No. 30, Stringers Street, George Town, Madras-1 in R.S. No. 11429.

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-5-1976

Seal ,

FORM ITNS

(1) Shri Narasimhan, S/o Kandasamy Iyer, and minor sons 1. Kandasamy, 2. Rajnasamy, 3. Balaji Omalur, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 25th May 1976

Ref. No. XVI/7/49/Oct/75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 106A, 107 and 107A situated at Ward No. 10, Omalur Town, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Omalur, (Document No. 2609/75) in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Shrimati Saroja, W/o Ponnusamy, Omalur, Salem.
(Transferee)

(3) Assistant Engineer, Mettur Electricity System.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 322 Sq. metre at No. 106A, 107, and 107A in ward No. 10, Omalur Town, Salem.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 25-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. M. Jani Basha, s/o Mehaboob Khan,
No. 10/22, Kuppiah Pillai Street, Kamarajar Nagar,
Parithipuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. B. Velu Mudaliar, s/o Shri V. A.
Bhoopal Mudaliar, No. 30, Chinna Theru, Parithipuram.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 25th May 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House measuring 1215 Sq. ft. bearing Door No. 48, New Street, Parithipuram (Panchayat Union) Doc. No. 2811/75.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

27—146GI/76

Date : 25-5-1976

Seal

FORM ITNS

(1) M/s Standard Metal Works, No. 15, Karpagambal Nagar, Madras-600004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6.

Madras-6, the 15th June 1976

Ref. No. F. 1941/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 334/1, and 333/4-B Alamadhi village, Ponneri Taluk, Chingleput Dist., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 2676/75) on 31-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Oriental Hydraulics P. Ltd. No. 15 Karpagambal Nagar, Mylapore, Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.73 acres (with buildings) and bearing Survey No. 334/1 and Survey No. 333/4-B situated at Alamadhi Village, Red Hills, Madras-52.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-6-1976

Seal .

FORM ITNS

(1) Mrs. Lily Sadashiv Rao and Shri Sadashiv Rao,
F/5 Saraswat Colony, Santacruz, Bombay-400 054.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 15th June 1976

Ref. No. F.5092/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Manikeswari Road, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Madras (Doc. No. 7519/75) on 24-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Alice Ananda Pandian W/o Shri S. A. Anandapandian No. 2/34 Mint Street, Madras-600 003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 grounds & 1577 Sft. (with building) situated at Door No. 5, Manikeswari Road, Kilpauk, Madras-600 010. (R.S. No. 3130/26—C.C. No. 158 of 1955-56).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri T. A. Devagnanam; 2. Mrs. Shakuntala Devagnanam; 3. Mrs. Meera Jaswanth Kumar; 4. Nalini Devagnanam, No. 3 Bishop Waller Avenue (South), Mylapore, Madras,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri S. T. Kothavala, Mrs. Zerene S. Kothavala, Bamboo Banks Farm, Masinigudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Masinigudi bearing R.S. No. 187/4B1 measuring 20.00 acres; 202 measuring 11.37 acres and R.S. No. 187/4B2 measuring 8.40 acres with buildings thereon Door Nos. 8/60, 8/71, 8/71A F and 8/65.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. B. Kanakaraj; Shri K. Jagannadhan;
Kumari Gokila and Kumari Yasoda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Seshagiri Rao S/o Shri V. Venkata Rao
No. 307 Raja Street, Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th June 1976

Ref. No. F.2760/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. New Door No. 135 situated at Raja Street, Coimbatore (New T.S. No. 5/456 Part), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 3667/75) on 16-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing New Door No. 135 (Old Door No. 22/80) Raja Street, Coimbatore (New T.S. No. 5/456 Part).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 14-6-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shrimati Swarnapushbam W/o Shri P. Venkatachalam No. 63A, Coimbatore Road, Pollachi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th June 1976

Ref. No. F. 2756/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 4/1A, Survey Ward No. 5 (60 cents) and T.S. No. 33, Ward No. 4 (10 cents)—Pollachi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1779/75) on October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri A. N. Natarajan S/o Shri A. Narayanasami Chettiar, Subramania Kovil St., Pollachi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

- (1) Land measuring 53 cents and bearing T.S. No. 4/1A Survey Ward No. 5, Pollachi Town; and
- (2) Land measuring 10 cents and bearing T.S. No. 33 Survey Ward No. 5, Pollachi Town.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 19-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Venkatachalam S/o Shri R. Ponnusami
Gounder No. 63A, Coimbatore Road, Pollachi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. N. Natarajan S/o Shri A. Narayanasami
Chettiar, Subramania Kovil St., Pollachi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said said Immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.2756/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 4/1A situated at Survey Ward No. 5, Pollachi (44 Cents), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1786/75), on 4-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 44 cents and bearing T.S. No. 4/1A, Survey Ward No. 5, Pollachi Town (Document No. 1786/75).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Swarnapushham W/o Shri P. Venkatachalam No. 63A, Coimbatore Road, Pollachi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. N. Natarajan S/o Shri A. Narayanasami Chettiar, Subramania Kovil Street, Pollachi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th June 1976

Ref. No. F.2756/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. No. 4/1A situated at Survey Ward No. 5, Pollachi Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Document No. 1787/75) on 4-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 cents and bearing T.S. No. 4/1A, Survey Ward No. 5, Pollachi Town. (Document No. 1787/75).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. V. Ramakrishna Raj S/o Shri P. Venkata-chalam 63A, Coimbatore Road, Pollachi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. N. Natarajan S/o Shri A. Narayana Chettiar, Subramania Kovil Street, Pollachi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS,

Madras-6, the 19th June 1976

Ref. No. F. No. 2756/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 33, Survey Ward No. 4 (60½ cents) & T.S. No. 4/1A, Survey Ward No. 5 (5 cent) Pollachi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1788/75) on 4-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—146 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Land measuring 60½ Cents and bearing T.S. No. 33 Survey Ward No. 4, Pollachi Town; and
2. Land measuring 5 cents and bearing T.S. No. 4/1A Survey Ward No. 5, Pollachi Town.
(Document No. 1788/75).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 19-6-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Aruva Chettiar S/o Shri Ramiah Chettiar,
Maligai Merchant, Town Market, Ooty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th June 1976

Ref. No. 2781/75-76.—Whereas, I, S. Rajaratnam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F. No. 376/1 S.F. No. 374, Thekkampatti, Avanashi Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mattupalayam (Doc. No. 1618/75) on October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8.49 acres (S.F. No. 376/1A) and land measuring 3.64 1/2 acres (S.F. No. 374) situated at Thekkampatti village, Avanashi Taluk,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Date : 19-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. G-2/75(20)/283/Raj/IAC(Acq)/336.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murraba No. 47, situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 31-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Dhapu Devi widow of Shri Khub Chand Sethia, R/o Sujangarh (Distt. Churu).

(Transferor)

- (2) 1. Shri Radhey Shyam s/o Shri Surajmal, 2. Shri Rameshwardas s/o Shri Kishorlal, 3. Shrimati Vidya Devi w/o Shri Satya Prakash, 4. Shri Chanderbhan s/o Shri Tek Ram, 5. Shri Rampal s/o Shri Bansilal. All residents of Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas in Murraba No. 47, I-A Chhoti, Tehsil and District Sriganganagar, more fully described in Conveyance Deed No. 2423, registered by Sub-Registrar, Sriganganagar.

C. S. JAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Dhapu Devi widow of Shri Khub Chand Sethia, R/o Sujangarh (Distt. Churu).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. G-2/75(20)/284/Raj/IAC(Acq)/337.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Murrabha No. 47 situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 31-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Ram Mehar s/o Shri Ram Bhaj 2. Shri Darshan Singh s/o Pokhar Singh 3. Shri Jal Narain s/o Shri Gordhan Dass, 4. Shri Malkiat Singh s/o Shri Mukhtiar Singh, 5. Shri Gian Chand s/o Shri Bal Kishan. All residents of Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bigha in Mungraha No. 47, T-A Chhoti, Tehsil and District Sriganganagar, more fully described in Conveyance Deed No. 2332, registered by Sub-Registrar, Sriganganagar on 31-10-1975.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. G-2/75(20)/285/Raj/IAC(Acq)/338.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Murraba No. 47, situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 31-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Dhapu Devi Widow of Shri Khub Chand Sethia, R/o Sujangarh (Distt. Churu).
(Transferor)

(2) 1. Shri Krishan Kumar s/o Shri Omprakash 2. Shri Jagan Nath s/o Shri Chanan Ram, 3. Shri Hari Ram s/o Shri Chunnilal 4. Shri Ram Swaroop s/o Shri Ladharan, 5. Shri Banwarilal s/o Shri Badri Prasad. Residents of Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas in Murraba No. 47, T.A Chhoti, Tehsil and District Sriganganagar, more fully described in Conveyance Deed No. 2415, registered by Sub-Registrar, Sriganganagar, on 31-10-75.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-76.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Shrimati Dhapu Devi wd/o Shri Khub Chand Sethia,
r/o Sujangarh (District Churu), Rajasthan.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. G-2/75(21)/181/Raj/IAC(Acq)/334.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murraba No. 47, situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 10-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1975);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) 1. Shri Banta Singh s/o Shri Sawan Singh, 2. Shri Bhanwarlal s/o Shri Nandram 3. Shrimati Lajwanti w/o Shri Mahabir Prasad 4. Shrimati Santosh Devi w/o Shri Purshotam Das 5. Shri Surjaram s/o Shri Harkaram, Residents of Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 Bighas in Murraba No. 47, 1-A Chhott, Tehsil and District Sriganganagar, more fully described in Conveyance Deed No. 2430 registered by Sub-Registrar, Sriganganagar on 10-11-1975.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Dhapu Devi wd/o Shri Khub Chand Sethia,
r/o Sujangarh (District Churu), Rajasthan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. G.2/75(21)/182/Raj/IAC(Acq)/335.—Whereas,

I, C. S. Jain,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Murraba No. 47, situated at Sriganganagar, situated at Bandapura Village Bidarahalli Hobli, Hoskote Taluk, Bangalore District
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 1-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Kishan Lal s/o Shri Ramchander 2. Shri Omprakash s/o Shri Jainarain 3. Shri Naresh Kumar s/o Shi Mohan Lal 4. Shrimati Daropadi Devi w/o Shri Satya Narain 5. Shri Ganesh Kumar s/o Shri Mool Chand, residents of Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas in Murraba No. 47, 1-A Chhoti, Tehsil and District Sriganganagar, more fully described in Conveyance Deed No. 2361, registered by Sub-Registrar, Sriganganagar on 1-11-1975.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Umrao Mal s/o Shri Sohanlal Sethia, R/o 38,
Varanasi Ghosh Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Khilaliram s/o Shri Chhabildas 2. Shri Rattan Kumar s/o Shri Harak Chand, 3. Shri Naurang Rai s/o Shri Kaluram, 4. Shri Nagar Mal s/o Shri Roopram, 5. Shrimati Snehalata w/o Shri Balkishan, Residents of Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. G-2/75(21)/180/Raj/IAC(Acq)/333.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Murraba No. 48, situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sriganganagar on 1-11-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bigha in Murraba No. 48, 1-A Chhoti, Tehsil and District Sriganganagar, more fully described in Conveyance Deed No. 2435, registered by Sub-Registrar, Sriganganagar on 1-11-1975.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. J-3/75(18)/35/Raj. IAC(Acq.)/339.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 200 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

29—146GI/76

(1) Shri Onkarnath s/o Shri Shreeramji Mahajan, Agarwal, r/o of Plot No. 200, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Gangdas Loya Maheshwari s/o Shri Jamnadas Loya, r/o New Anaj Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undemarcated 1/5th share in property constructed on plot No. 200, Bapu Nagar, Rajendra Marg, Jaipur, more fully described in Conveyance Deed registered at Sl. No. 3523 dated 20-10-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. J-3/75(18)/36/Raj/IAC(Acq.)/340.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 200 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Onkar Nath s/o Shri Shreeramji Mahajan C. J. Agarwal, r/o Plot No. 200, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Bhanwarlal Loya Maheshwari s/o Shri Gangan das Loya, resident of New Anaj Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Un-demarcated 1/5th share in property constructed on plot No. 200, Bapu Nagar, Rajendra Marg, Jaipur more fully described in Conveyance Deed registered at Sl. No. 3524 dated 20-10-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Onkarnath s/o Shri Shreeramji Mahajan, Agarwal, r/o Plot No. 200, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. J-3/75(18)/137/Raj/IAC(Acq.)/341.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 200 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Nandkishore Loya Maheshwari s/o Shri Gangan das Loya, r/o New Anaj Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Un-demarcated 1/5th share in property constructed on Plot No. 200, Bapu Nagar, Rajendra Marg, Jaipur, more fully described in Conveyance Deed registered at Sl. No. 3525 dated 20-10-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Onkar Nath s/o Shri Shreeramji Mahajan, Agarwal, r/o Plot No. 200, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. J-3/75(18)/38/Raj/IAC(Acq.)/342.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 200 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Undemarcated 1/5th share in property constructed on Plot No. 200, Bapu Nagar, Rajendra Marg, Jaipur more fully described in Conveyance Deed registered at Sl. No. 3526 dated 20-10-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. J-3/75(18)/39/Raj/IAC(Acq.)/343.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 200 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Onkarnath s/o Shri Shiceramji Mahajan, Agarwal, r/o Plot No. 200, Rajendra Marg, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar Loya Maheshwari, s/o Shri Gangadas Loya, r/o New Anaj Mandi, Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Undemarcated 1/5th share in property constructed on Plot No. 200 Bapu Nagar, Rajendra Marg, Jaipur more fully described in Conveyance Deed registered at Sl. No. 3527 dated 20-10-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. B-18/75(20)/257/Raj/IAC(Acq)/344.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. 36 situated at Beawar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 15-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shanti Chand s/o Shri Sumnerchand Muhta
2. Shri Mohan Mal s/o Shri Kan Mal Muhta, 3.
Shri Chander Raj s/o Shri Vijay Raj Muhta, 4.
Shri Bagh Mal s/o Shri Chand Mal Muhta, all residents of Jodhpur, on their own behalf and on behalf of their respective Hindu Undivided Families and also in their capacity as members of the managing Committee of the private Trust of Muthaji-ka-Mandir, Nagauri Gate, Jodhpur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Dakhu Bai widow Shri Sayar Chand Mahajan, R/o Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 36 in Mohalla Sunaran, Beawar, more fully described in Conveyance Deed dated 9-10-1975, registered by Sub-Registrar, Beawar at serial No. 2351, dated 15-10-1975.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 15-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. B-18/75(20)/258/Raj.IAC(Acq.)/345.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property No. 36, situated at Beawar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 15-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Shantichand s/o Shri Sumerchand Muhta, 2. Shri Mohan Mal s/o Shri Kanmal Muhta, 3. Shri Chander Raj s/o Shri Vijay Muhta and Baghmal s/o Shri Chand Mal Muhta, all residents of Jodhpur, on their own behalf and on behalf of their respective H.U.F.s and also in their capacity as members of the managing Committee of the Pvt. Trust of Muthaji-ka-Mandir, Nagauri Gate, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Umrao Kanwar w/o Shri Ratanlalji, Mahajan Oswal, r/o Bewr, Distt. Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 36 in Mohalla Sunaran, Beawar, more fully described in Conveyance Deed dated 9-10-1975, registered by Sub-Registrar, Beawar at Sl. No. 2350, dated 15-10-1975.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-6-1976

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th June 1976

Ref. No. B-18/75(20)/259/Raj.IAC(Acq.)/346.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 36, situated at Beawar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Beawar on 15-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shanti Chand s/o Shri Sumerchand Muhta, 2. Shri Mohan Mal s/o Shri Kanmal Muhta, 3. Shri Chander Raj s/o Shri Vijay Raj Muhta and 4. Shri Baghmal s/o Shri Chand Mal Muhta, all resident of Jodhpur, on their own behalf and on behalf of their respective H.U.F.s and also in their capacity as members of the Managing Committee of the Pvt. Trust of Muthaji Ka Mandir, Nagauri Gate, Jodhpur

(Transferor)

- (2) Shri Ratanlal s/o Shri Vijay Lal Mahajan Oswal, r/o Beawar, Distt. Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 36 in Mohalla, Sunaran, Beawar, more fully described in conveyance deed dated 8-10-1975, registered by Sub-Registrar, Beawar at Sl. No. 2341, dated 15-10-1975.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 7-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. ASR/14/76.77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of property situated at No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Amritsar in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Kanta Schgal w/o Shri Pyare Lal and Shri Lalit Kumar s/o Shri Bhagwan Dass, r/o 483 Model Town, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shimati Swaran Kapoor w/o Shri Jagdish Chand, Shri Yogesh Mehra s/o Dewan Chand Mehra, r/o Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1948 of October 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. ASR/15/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of property situated at No. 897/10, 1285/10, Dhab Khatikan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lalit Kumar s/o Shri Bhagwan Dass, Shrimati Kanta Sehgal d/o Shri Bhagwan Dass w/o Shri Pyare Lal r/o 483 Model Town, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar s/o Shri Jagdish Chand r/o Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- |
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1974 of October 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kanta Sehgal w/o Shri Pyare Lal & Shri Lalit Kumar s/o Shri Bhagwan Dass, R-483 Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) Shrimati Swaran Kapoor w/o Shri Jagdish Chand, r/o Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. ASR/16/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of property situated at No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion of property No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1988 of October 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. ASR/17/76-77.—Whereas, I, V. S. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of property situated at No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Kanta Sehgal w/o Shri Pyare Lal and Shri Lalit Kumar s/o Shri Bhagwan Dass r/o R-483-Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kapoor s/o Shri Jagdish Chand r/o Dhab Khatikan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the property No. 897/10 and 1285/10 Dhab Khatikan Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2002 of October, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prem Nath Diswar s/o Shri Inder Ram of Rail-way Road, Phagwara,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. PHG/18/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 86-87/1 situated at Banga Road, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Amar Chand Timber Merchant, Near State Bank of India, Phagwara, Nai Mandi.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop bearing No. 86-87/1 on Banga Road, Phagwara as mentioned in the registered Deed No. 1281 of October 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurcharan Singh s/o Shri Rattan Singh s/o
Shri Dal Singh, near Panj Rattan Hotel, Guniana
Road, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Panj Rattan Hotel, Guniana Road, Bhatinda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. BTD/19/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Bhatinda as mentioned in the registered deed No. 2888 of October 1975 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Charanjit Singh s/o Shri Gurcharan Singh
s/o Shri Rattan Singh near Panj Rattan Hotel,
Gujiana Road, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Panj Rattan Hotel, Gujiana Road, Bhatinda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. BTD/20/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Bhatinda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Bhatinda as mentioned in the registered deed No. 2889 of October 1975 of the registering authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

Ref. No. BTD/21/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ajinder Singh s/o Shri Gurcharan Singh s/o Shri Rattan Singh, Near Panj Rattan Hotel, Guniana Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) M/s Panj Rattan Hotel, Guniana Road, Bhatinda.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land at Bhatinda as mentioned in the registered deed No. 2890 of October 1975 of the registering authority Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurdip Singh s/o Shri Kahla Singh r/o
Bhatinda Barnala Road, Rampura Phool.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1976

(2) Shri Baldev Krishan s/o Shri Ramji Dass Shrimati
Kuldip Kaur w/o Toga Singh Shri Toga Singh s/o
Shri Mohan Singh c/o National Tractor, Bhatinda
Barnala Road, Rampura Phool (Bhatinda).
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Ref. No. BTD/22/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Barnala Bhatinda Road, Rampuraphool, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampuraphool in October 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Barnala Bhatinda Road, Rampuraphool as mentioned in the registered deeds Nos. 2049, 2050 and 2051 of October 1975 of the registering authority, Rampura phool.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-4-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th June 1976

Ref. No. AP-1567.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October 1975, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bawa Gurdas Ram Bedi s/o Bawa Samat Rai, Mandi Fantoona Ganj, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Kashmir Chand & Amir Chand s/o Hardial, Mandi Fantoona Ganj, Jullundur City.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registration Deed No. 6633/ October 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-6-1976

Seal :